21 नवंबर 2025
शुक्रवार

केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

आपकी आवाज

डुमरांव के दुलरूआ विधायक राहुल सिंह को कैबिनेट में जगह नहीं मिलने पर बोले 2

नीतीश कुमार ने रचा इतिहास 10वीं बार ली सीएम पद की शपथ

समारोह में कुल 26 मंत्रियों ने शपथ ली

- सम्राट चौधरी
- विजय कुमार सिन्हा
- विजय चौधरी
- विजेन्द्र यादव
- श्रवण कुमार
- मंगल पांडेय
- दिलीप जायसवाल
- अशोक चौधरी
- लेशी सिंह
- मदन सहनी
- नितिन नवीन
- रामकृपाल यादव
- संतोष सुमन
- सुनील कुमार
- जमां खान
- संजय सिंह टाइगर
- अरुण शंकर प्रसाद
- सुरेन्द्र मेहता
- नारायण प्रसाद
- रमा निषाद
- लखेन्द्र कुमार रोशन
- श्रेयसी सिंह
- डा प्रमोद कुमार
- संजय कुमार
- संजय कुमार सिंह
- दीपक प्रकाश

एजेंसी। पटना

पटना का गांधी मैदान आज एक बार फिर ऐतिहासिक गवाही देता नजर आया, जब नीतीश कुमार ने रिकॉर्ड 10वीं बार बिहार के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। व्यापक जनसमर्थन, देशभर के नेताओं की उपस्थिति और अभूतपूर्व सुरक्षा व्यवस्था के बीच यह क्षण बिहार की राजनीति में एक नया अध्याय फिर जोड़ दिया गया है। राज्यपाल ने नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री पद की शपथ दिलाई। उनके बाद उप मुख्यमंत्री के रूप में सम्राट चौधरी और विजय सिन्हा ने भी पद एवं गोपनीयता की शपथ ग्रहण की। इसके साथ ही एनडीए गठबंधन की नई सरकार ने औपचारिक रूप से कामकाज की शुरूआत कर दी। समारोह में कुल 26 मंत्रियों ने शपथ ली। इनमें शामिल जमुई से विधायक चुनी गईं श्रेयसी सिंह पहली बार मंत्री बनी हैं।गांधी मैदान में सुबह से ही भीड़ उमड़नी शुरू हो गई थी। बड़ी संख्या में लोग विभिन्न जिलों से पटना पहुंचे और माहौल पूरी तरह उत्सव जैसा दिखा। जगह-जगह 'जय बिहार', 'नीतीश कुमार जिंदाबाद' जैसे नारे गूंजते रहे। समर्थकों ने गमछे हवा में लहराकर नेताओं का अभिवादन किया।बिहार के इतिहास में यह पहली बार हुआ कि किसी मुख्यमंत्री के शपथ ग्रहण में प्रधानमंत्री स्वयं उपस्थित रहे। पीएम मोदी की मौजूदगी ने समारोह की गरिमा और राजनीतिक महत्व को कई गुना बढ़ा दिया। प्रधानमंत्री के अलावा असम, हरियाणा, नागालैंड, मेघालय, उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री सहित 16 राज्यों के मुख्यमंत्री और कई केंद्रीय मंत्रियों ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। कार्यक्रम के दौरान सांस्कृतिक माहौल भी चरम पर रहा। मंच से छठ गीतों और भोजपुरी संगीत ने लोगों को लगातार ऊर्जा दी। मनोज तिवारी और पवन सिंह जैसे कलाकारों की मौजूदगी ने भीड़ में अलग उत्साह पैदा किया। कार्यक्रम का संचालन बांकीपुर के विधायक नितिन नवीन ने किया, जिन्होंने पूरे संयम और जोश के साथ मंच गतिविधियों को संभाला। आज का यह शपथ ग्रहण सिर्फ एक औपचारिक घटना नहीं, बल्कि बिहार की बदलती राजनीतिक दिशा, नेतृत्व में स्थिरता और भविष्य की नई उम्मीदों का प्रतीक बन गया। जनता की भारी मौजूदगी ने यह भी स्पष्ट कर दिया कि नीतीश कुमार की यह नई पारी राज्य की जनता की अपेक्षाओं के साथ शुरू हो रही है।

'नीतीश कुमार.. बधाई' : शपथ के बाद पीएम ने बताया कुशल और अनुभवी प्रशासक, सभी को दीं शुभकामनाएं

नीतीश कुमार ने एक बार फिर बिहार के मुख्यमंत्री पद की शपथ ले ली है। उन्होंने दर्जनों मंत्रियों के साथ पटना के ऐतिहासिक गांधी मैदान में पद और गोपनीयता की शपथ ग्रहण की। शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा, गृह मंत्री अमित शाह, आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सहित कई बड़े नेता मौजूद थे। गांधी मैदान में हजारों की भीड़ जमा थी। जैसे ही शपथ के दौरान नीतीश कुमार ने कहा, ह्लमैं नीतीश कुमारङ्घ भीड़ ने जोरदार उत्साह के साथ उनका स्वागत किया और मैदान में उल्लास चरम पर पहुंच गया। शपथ ग्रहण के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नीतीश कुमार, सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा को बधाई देते हुए कई ट्वीट किए।

प्रधानमंत्री मोदी ने दी शुभकामनाएं

प्रधानमंत्री मोदी ने लिखा, 'बिहार के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने पर नीतीश कुमार जी को हार्दिक बधाई। वे एक अनुभवी प्रशासक हैं और कई वर्षों से सुशासन का बेहतरीन रिकॉर्ड रखते हैं। उनके कार्यकाल के लिए मेरी शुभकामनाएं

सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा को दी बधाई

डिप्टी सीएम बनाए गए सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा को बधाई देते हुए पीएम मोदी ने लिखा, 'बिहार के उपमुख्यमंत्री बनने पर सम्राट चौधरी जी और विजय सिन्हा जी को हार्दिक बधाई। दोनों नेता जनता की सेवा में लंबे समय से कार्यरत हैं। उन्हें मेरी शुभकामनाएं।

अन्य मंत्रियों को भी दी शुभकामनाएं

उन्होंने नई सरकार के मंत्रियों को भी शुभकामनाएं देते हुए कहा, "बिहार सरकार के मंत्रियों को मेरी शुभकामनाएं। यह एक शानदार टीम है, जिसमें समर्पित नेता शामिल हैं, जो बिहार को नई ऊंचाइयों तक ले जाएंगे।

क्वाड के जरिए क्षेत्रीय सहयोग को मजबूती दें', भारत-ऑस्ट्रेलिया संबंधों पर बोलीं विदेश मंत्री पेनी वोंग

एजेंसी/नई दिल्ली

विदेश मंत्री डॉ एस. जयशंकर के साथ मुलाकात के बाद ऑस्ट्रेलिया की विदेश मंत्री पेनी वोंग ने भारत के साथ बेहतर संबंधों पर जोर दिया। पेनी वोंग ने गुरुवार को कहा कि भारत और ऑस्ट्रेलिया को अपने आपसी और क्षेत्रीय सहयोग को मजबूत करने के लिए क्वाड रिलैटरल सिक्योरिटी डायलॉग (क्वाड) सहित अपने द्विपक्षीय और बहुपक्षीय संस्थानों का लाभ उठाना चाहिए।विदेश मंत्री एस जयशंकर के साथ नई दिल्ली में 16वें फ्रेमवर्क डॉयलाग की सह-अध्यक्षता के दौरान वार्ता में अपने प्रारंभिक भाषण वोंग ने कहा कि वार्ता दोनों देशों के बीच व्यापक रणनीतिक साझेदारी के अगले चरण को आगे बढ़ाने पर भी केंद्रित होगी। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच व्यापक रणनीतिक साझेदारी के अगले चरण को आगे बढ़ाने पर इस वार्ता में विशेष ध्यान दिया जा रहा है। वोंग ने भारत को ह्लक्षेत्र की प्रमुख शक्तिह्व बताते हुए कहा कि दोनों देश मिलकर इंडो-पैसिफि क क्षेत्र में शांति, स्थिरता और समृद्धि सुनिश्चित कर सकते हैं। पेनी वोंग ने कहा,ह्लहमारे दो देशों के संबंध कभी इतने मजबूत नहीं रहे। यह साझेदारी न सिर्फ द्विपक्षीय रूप से महत्वपूर्ण है बल्कि क्षेत्र के दृष्टिकोण से भी अहम है।

जलसीमा में घुसपैठ: भारतीय तटरक्षक बल ने पकड़ा अवैध बांग्लादेशी मछुआरों का जहाज, नाव और 28 लोग हिरासत में

एजेंसी। नई दिल्ली

उत्तरी बंगाल की खाड़ी में गश्त कर रहे भारतीय तटरक्षक बल ने 20 नवंबर को भारत के विशेष आर्थिक क्षेत्र में अवैध रूप से मछली पकड़ रही एक बांग्लादेशी नाव को पकड़ लिया। नाव में मौजूद 28 मछुआरों को भी हिरासत में लिया गया है। यह कार्रवाई तब की गई जब तटरक्षक बल के जहाज ने भारतीय जलसीमा के भीतर संदिग्ध गतिविधि करते एक जहाज को देखा।गश्त के दौरान तटरक्षक जहाज ने एक मछली पकड़ने वाली नाव को तेजी से दिशा बदलते हुए देखा, जो पकड़ से बचने की कोशिश कर रही थी। उसे तुरंत रोका गया और जांच में पता चला कि वह बांग्लादेशी नाव थी, जो मारटाइम जोन्स ऑफ इंडिया एक्ट, 1981 का उल्लंघन करते हुए भारतीय जलसीमा में मछली पकड़ रही थी। तटरक्षक बल की टीम ने नाव की पूरी तलाशी ली और उसके संचालन की पुष्टि की।तलाशी में पाया गया कि नाव पर मौजूद 28 में से किसी भी मछुआरे के पास भारत की जलसीमा में मछली पकड़ने की कोई अनुमति नहीं थी।

ट्रंप के बेटे आगरा में करेंगे ताज के दीदार उदयपुर में हाई-प्रोफाइल शादी में होंगे शामिल

एजेंसी। आगरा

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बड़े बेटे डोनाल्ड ट्रंप जूनियर गुरुवार को आगरा पहुंच रहे हैं। वह आगरा में सबसे पहले ताजमहल का दीदार करेंगे। इसके बाद वह राजस्थान के उदयपुर जाएंगे, जहां एक भारतीय-अमेरिकी जोड़े की शानदार डेस्टिनेशन वेडिंग में शिरकत करेंगे ।यह डोनाल्ड ट्रंप जूनियर का भारत का दूसरा दौरा है। इससे पहले फरवरी 2018 में वह दिल्ली, मुंबई, पुणे और कोलकाता आए थे। इस बार उनके साथ 40 देशों से 126 खास मेहमान भी भारत आ रहे हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, ट्रंप जूनियर अपने निजी विमान से आगरा के खेरिया एयरपोर्ट पर उतरेंगे।

टारगेट की गर्मी पहचानकर हमला करती है, कुल ₹775 करोड़ की डील

अमेरिका भारत को देगा 100 टैंक किलर मिसाइल

एजेंसी। नई दिल्ली

अमेरिका भारत को 100 जेवलिन मिसाइल सिस्टम (FGM-148) और 216 एक्सकैलिबर प्रोजेक्टाइल स्मार्ट तोपगोला (M982A1) बेचेगा। इनके लिए दोनों देशों के बीच में 92.8 मिलियन डॉलर (करीब 775 करोड़ रुपए) की डील हुई है। अमेरिकी रक्षा सुरक्षा सहयोग एजेंसी (DSCA) ने बुधवार को बताया कि इस बिक्री के लिए जरूरी मंजूरी और डिटेल्स अमेरिकी संसद कांग्रेस को भेज दी गई है। DSCA ने कहा- हथियार भारत को मौजूदा और भविष्य के खतरों से निपटने में मदद करेंगे। FGM-148 जेवलिन एक पोर्टेबल एंटी-टैंक मिसाइल है। इसे टैंकों, बख्तरबंद वाहनों, बंकरों को नष्ट करने के लिए बनाया गया है। मिसाइल टारगेट की गर्मी (हीट सिग्नेचर) पहचानकर उसपर हमला करती है। इसकी 2500 मीटर रेंज है। धुएं, धूल या खराब मौसम में भी टारगेट को तबाह करने में सक्षम है। M982A1 GPS-गाइडेड स्मार्ट गोला है। यह स्मार्ट बम की तरह काम करता है, लेकिन तोप से छोड़ा जाता है। सामान्य तोप रेंज 15-20 तक होती है, लेकिन एक्सकैलिबर 40-50 किलोमीटर दूर तक सटीक निशाना लगा सकता है।डील को मंजूरी देते हुए DSCA ने कहा कि यह बिक्री भारत जैसे महत्वपूर्ण रक्षा साझेदार की सुरक्षा को और मजबूत करेगी। इससे भारत की वर्तमान और भविष्य की खतरों से निपटने की क्षमता बढ़ेगी। साथ ही बताया कि हथियार भारत की होमलैंड सिक्योरिटी को मजबूत करेगी और क्षेत्रीय खतरों को रोकने में मदद करेगी। भारत के लिए इन उपकरणों को अपनी सेना में शामिल करना आसान होगा। इससे दक्षिण एशिया और इंडो-पैसिफिक एरिया में सैन्य संतुलन नहीं बदलेगा। अमेरिकी रक्षा तैयारियों पर इसका कोई नकारात्मक असर नहीं पड़ेगा। भारत और अमेरिका ने 31 अक्टूबर को एक नया 10 साल का रक्षा (डिफेंस फ्रेमवर्क एग्रीमेंट) समझौता किया।

तियरा कॉलेज में पहली बार आयोजित स्नातक पार्ट-थ्री परीक्षा में छात्रों का उत्साह, कड़ी सुरक्षा के बीच परीक्षा प्रारंभ

केटी न्यूज/राजपुर

प्रखंड के तियरा स्थित तारा शिव शंकर डिग्री कॉलेज में गुरुवार से स्नातक पार्ट-थ्री की परीक्षा शुरू हो गई। कॉलेज में पहली बार विश्वविद्यालय स्तर की यह परीक्षा आयोजित होने के कारण छात्रों में खासा उत्साह देखने को मिला। वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय के निर्देश पर परीक्षा केंद्र पर सुरक्षा व्यवस्था बेहद कड़ी रखी गई थी। सुबह से ही विभिन्न पंचायतों एवं आसपास के ग्रामीण इलाकों से पहुंचे परीक्षार्थियों की प्रवेश द्वार पर गहन तलाशी ली गई और उसके बाद ही उन्हें परीक्षा हॉल में जाने की अनुमति दी गई। कॉलेज प्रशासन ने परीक्षा को सुचारू रूप से संचालित कराने के लिए सभी व्यवस्थाओं को समय रहते दुरुस्त कर दिया था। निर्धारित समय से पहले ही सभी वीक्षक केंद्र पर पहुंच गए थे और परीक्षा की प्रक्रिया को नियमबद्ध तरीके से संचालित कराया। कॉलेज के प्राचार्य धनंजय कुमार पांडेय ने बताया कि स्नातक पार्ट-थ्री की यह परीक्षा आगामी 4 दिसंबर तक चलेगी। पहले दिन प्रतिष्ठा एवं सामान्य पाठ्यक्रमों के अंतर्गत हिंदी, इतिहास, भूगोल, राजनीति विज्ञान, गृह विज्ञान, अर्थशास्त्र, मनोविज्ञान और अंग्रेजी विषयों की परीक्षा ली गई। उन्होंने बताया कि पहले दिन कुल 254 छात्राओं ने परीक्षा में भाग लिया, जबकि चार छात्र अनुपस्थित रहे। पूरे दिन परीक्षा केंद्र पर शांतिपूर्ण माहौल बना रहा और किसी भी तरह की अनियमितता की सूचना नहीं मिली। प्राचार्य ने कहा कि कॉलेज प्रशासन विश्वविद्यालय के सभी निदेशों का पूरी तरह पालन कर रहा है तथा परीक्षाएं निष्पक्ष एवं पारदर्शी तरीके से कराई जा रही हैं। परीक्षा के सफल आयोजन को लेकर स्थानीय स्तर पर भी सराहना की जा रही है, क्योंकि पहली बार इतने सुदूर क्षेत्र में विश्वविद्यालय की परीक्षा आयोजित होने से ग्रामीण क्षेत्र के छात्रों को बड़ी सुविधा मिली है।

नया भोजपुर के फरार पशु तस्कर के घर झारखंड पुलिस ने चशपाया इश्तेहार

- **एक महीने के अंदर हाजिर नहीं होने पर कुर्क होगी संपति, वर्ष 2021 से ही चल रहा है फरार**

केटी न्यूज/डुमरांव

झारखंड में पशु तस्करी के गंभीर मामले में पांच वर्षों से कानून की पकड़ से दूर चल रहे नया भोजपुर निवासी मुमताज पर आखिरकार पुलिस ने शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। दुमका जिला के रानेश्वर थाना क्षेत्र में झारखंड गोवंशीय पशु हत्या प्रतिषेध अधिनियम 2005 के तहत दर्ज कांड संख्या 35/21 में नामजद आरोपी के खिलाफ दुमका सिविल कोर्ट के आदेश पर गुरुवार को बड़ी कार्रवाई की गई। नया भोजपुर थाना पुलिस ने रानेश्वर थाना दुमका की टीम के साथ संयुक्त अभियान चलाते हुए आरोपी के घर पर इश्तहार तामील कर दिया। वर्ष 2021 में दर्ज इस मामले में मुमताज लगातार फरार है। पुलिस द्वारा नोटिस, समन और कई तरह की कानूनी प्रक्रियाओं के बावजूद आरोपी अदालत में हाजिर नहीं हुआ। उसके गैरहाजिर रहने पर न्यायालय ने सख्त रुख अपनाते हुए इश्तहार जारी करने का आदेश दिया। आदेश मिलते ही उप निरीक्षक विशाल खलखो और अजय कुमार के नेतृत्व में दुमका पुलिस की टीम नया भोजपुर पहुंची, जहां स्थानीय थाना पुलिस की मदद से आरोपी के घर और आसपास के क्षेत्रों में इश्तहार चस्पाया गया। इश्तहार में स्पष्ट रूप से उल्लेख किया गया है कि आरोपी को 20 दिसंबर 2025 तक हर हाल में न्यायालय के समक्ष उपस्थित होना अनिवार्य है। तय समय सीमा में पेशी नहीं होने की स्थिति में अदालत के निर्देश के अनुसार कुर्की-जब्ती की कार्रवाई शुरू कर दी जाएगी। पुलिस टीम ने परिजनों को कोर्ट आदेश की प्रति सौंपते हुए चेताया कि अदालत की प्रक्रिया में सहयोग न करने पर कानूनी कार्रवाई और भी कठोर हो सकती है।

डुमरांव के दुलरूआ विधायक राहुल सिंह को कैबिनेट में जगह नहीं मिलने पर बोले समर्थक

- **समर्थकों ने कैबिनेट विस्तार में मंत्री बनाए जाने की मांग की**

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव विधानसभा में इस बार का चुनाव परिणाम जितना रोमांचक रहा, उतना ही रोमांच अब कैबिनेट गठन के बाद देखा जा रहा है। पहली बार विधायक बने राहुल कुमार सिंह को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की नई टीम में जगह नहीं मिलने के बाद स्थानीय एनडीए कार्यकताओं में निराशा खुलकर सामने आने लगी है। डुमरांव की गलियों से लेकर राजनीतिक मंचों तक एक ही सवाल गूंज रहा है कि ह्लइतने योग्य चेहरे को आखिर क्यों नहीं मिली कैबिनेट में जगहह्व।

बता दें कि राहुल सिंह ने हालिया चुनाव में महागठबंधन के प्रत्याशी डॉ. अजीत कुमार सिंह को 2105 वोटों से हराकर एंट्री तो दमदार की, लेकिन सत्ता के गलियारे में उनकी यह एंट्री मंत्रिमंडल तक नहीं पहुंच सकी। जबकि कार्यकताओं को भरोसा था कि उनका प्रभावशाली प्रदर्शन, मजबूत शैक्षणिक पृष्ठभूमि और प्रशासनिक अनुभव मंत्री पद के लिए उन्हें मजबूत दावेदार बनाता है। समर्थकों का तर्क है कि डुमरांव राजनीतिक रूप से बेहद महत्वपूर्ण क्षेत्र है और यहां से उभरने वाले प्रतिनिधि को सरकार में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिलनी चाहिए।

इसी बीच संविधान का 91वां संशोधन भी चर्चा में है, जिसके तहत किसी राज्य में मंत्री बनने वालों की संख्या विधानसभा के कुल सदस्यों के 15 प्रतिशत से अधिक नहीं हो सकती। बिहार के लिए यह सीमा अधिकतम 36 मंत्रियों की है। मौजूदा कैबिनेट में 26 मंत्रियों के शपथ लेने के बाद विस्तार की संभावना जताई जा रही है और समर्थकों ने इसी पर उम्मीदें टिकाई हुई हैं।

राहुल सिंह की योग्यता भी उनके पक्ष में बड़ा तर्क मानी जा रही है। यूपीएससी क्वालीफाई करने के बाद अधिकारी के रूप में सेवा, फिर सुप्रीम कोर्ट में अधिवक्ता की भूमिका, ऐसा करियर शायद ही किसी नए विधायक के हिस्से में आता हो। इसी वजह से एनडीए कार्यकताओं को विश्वास था कि प्रदेश के विकास मॉडल में राहुल की प्रशासनिक समझ एक बड़ा योगदान दे सकती थी। उनके कई दिग्गज नेताओं, मसलन मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, जदयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश कुशवाहा और पूर्व केंद्रीय मंत्री उपेंद्र कुशवाहा से हुई मुलाकातों ने भी सियासी कयासों की आग को और तेज किया था।

लेकिन गुरुवार को जैसे ही शपथ ग्रहण में उनका नाम नहीं आया, डुमरांव में मायूसी की लहर दौड़ गई। समर्थकों का मानना है कि क्षेत्र के विकास के लिए यह एक सुनहरा मौका था, जो फिलहाल हाथ से निकल गया।

हालांकि इस पूरे विवाद के बीच राहुल सिंह ने अपनी सधी हुई छवि बरकरार रखी है। शांत, संयमित और सियासत के शोर से दूर, उन्होंने साफ कहा कि ह्लमुझे किसी पद का मोह नहीं है। डुमरांव की जनता ने मुझे सेवा का अवसर दिया है, यही मेरे लिए सबसे बड़ा सम्मान है। मैं पूरी निष्ठा से अपने दायित्वों का पालन करूंगा।ह्व

जहां कार्यकताओं की नजरें संभावित कैबिनेट विस्तार पर टिकी हैं, वहीं राहुल सिंह का यह बयान राजनीतिक परिपक्वता का संदेश देता है। डुमरांव की जनता भी अब इंतजार में है कि क्या अगली सूची में उनके विधायक को जगह मिलेगी या यह कहानी यहीं थम जाएगी।

सब-स्टेशन में मेंटेनेंस कार्य, चौसा फीडर से तीन घंटे बिजली आपूर्ति रहेगी बाधित

केटी न्यूज/चौसा

स्थानीय उपभोक्ताओं को शुक्रवार को अस्थायी बिजली कटौती का सामना करना पड़ेगा। चौसा फीडर से दोपहर एक बजे से शाम चार बजे तक विद्युत आपूर्ति पूरी तरह बंद रहेगी। यह जानकारी कनीय अभियंता अजय कुमार सिंह ने देते हुए बताया कि निर्धारित अवधि में सब-स्टेशन पर जरूरी मेंटेनेंस कार्य किया जाना है। इसी कारण पूरे फीडर क्षेत्र में तीन घंटे की कटौती लागू रहेगी।

अभियंता ने बताया कि सब-स्टेशन में लंबे समय से लंबित तकनीकी सुधारों को पूरा किया जाएगा। इसमें सुरक्षा उपकरणों की जांच, लाइन मेंटेनेंस और पुराने हो चुके कुछ महत्वपूर्ण उपकरणों का प्रतिस्थापन शामिल है। विभाग का मानना है कि इन सुधारों से आने वाले दिनों में बिजली आपूर्ति अधिक सुचारू और निर्बाध हो सकेगी। उन्होंने कहा कि मेंटेनेंस कार्य भविष्य में उपभोक्ताओं को होने वाली समस्याओं को कम करने और सेवा गुणवत्ता बढ़ाने की दिशा में एक अहम कदम है।

बिजली विभाग ने उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे निर्धारित कटौती के दौरान आवश्यक तैयारियां कर लें। पानी भरकर रखने, मोबाइल व अन्य जरूरी उपकरणों को पहले से चार्ज करने तथा दैनिक उपयोग के कार्यों को समय से पहले निपटा लेने की सलाह दी गई है, ताकि बिजली बंद रहने के दौरान असुविधा न हो।

विभाग ने यह भी भरोसा दिलाया है कि निर्धारित समय सीमा के भीतर ही सभी तकनीकी कार्य पूरा करने का प्रयास किया जाएगा। यदि सब कुछ योजना के अनुसार रहा, तो शाम चार बजे के बाद बिजली आपूर्ति सामान्य रूप से बहाल कर दी जाएगी।

अधिकारियों ने उपभोक्ताओं को सहयोग के लिए धन्यवाद देते हुए कहा कि यह कार्य उनकी सुविधा, सुरक्षा और बेहतर बिजली सेवा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से किया जा रहा है।

कुमार अर्थोपेडिक क्लिनिक
Mob : 9122226720

डॉ0 वीरेन्द्र कुमार
अर्थोपेडिक सर्जन
M.B.B.S., D. Ortho PMCH
एफ. आई. एम. एस. (युके)
हड्डी, नस, गठिया रोग विशेषज्ञ

डॉ0 अरूण कुमार
M.B.B.S., D.N.B. (New Delhi)
FMAS (New Delhi), DMAS (Germany)
पेट रोग विशेषज्ञ
जेनरल एवं लेप्रोस्कोपिक सर्जन

डॉ. एस. के. अम्बष्ठा
M.B.B.S., M.D. (Gold Medalist)
Dermatologist & Cosmetologist
चर्म रोग, कुष्ट रोग, सौंदर्य एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
(Skin, VD, Laprosy & Cosmetics)
SKIN SPECIALIST

पताः- सुमित्राा महिला कॉलेज से पूरब, ढ़ेलवानी मोड़, डुमरॉव

अजब-गजब, पोती ने दादा पर लगाया छेड़खानी व मारपीट का आरोप, दो भाईयों को भी किया नामजद

केटी न्यूज/कृष्णाब्रह्म

कृष्णाब्रह्म थाना क्षेत्र के एक गांव में अजीब मामला देखने को मिला है। जहां, एक पोती ने अपने सगे दादा पर छेड़खानी करने व मारपीट का आरोप लगाई है। इतना ही नहीं उसने अपने दो चचेरे भाईयों पर भी मारपीट का आरोप लगा कृष्णाब्रह्म थाने में एफआईआर दर्ज कराई है।

पुलिस को दिए आवेदन में पोती ने जिक्र किया है कि 18 नवम्बर को सुबह मैं खाना पका रही थी। इसी दौरान मेरे अपने दादाजी मेरा हाथ पकड़ कर रूम में ले जाने लगे। जब मैं चिल्लाई तो मेरे दो चचेरा भाई आ गये। वे लोग भी मेरे साथ मारपीट किए। मारपीट के दौरान मैं जख्मी हो गई, मैं अपना इलाज डुमरांव अनुमंडलीय अस्पताल में कराई पीड़िता के बयान स्थानीय थाना में दादा दो चचेरे भाइयों सहित कुल तीन लोगों के खिलाफ नामजद प्राथमिकी दर्ज की गई है। वहीं, ग्रामीण सूत्रों की मानें तो मामला परिवारिक विवाद का है। वैसे पुलिस एफआईआर दर्ज कर मामले की जांच में जुट गई है।

जिला निबंधन एवं परामर्श केंद्र की समीक्षा बैठक में बक्सर का प्रदर्शन

केटी न्यूज/बक्सर

जिलाधिकारी डॉ. विद्यानंद सिंह की अध्यक्षता में गुरुवार को जिला निबंधन एवं परामर्श केंद्र, बक्सर द्वारा संचालित तीन प्रमुख योजनाओं– बिहार स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड, मुख्यमंत्री निश्चय स्वयं सहायता भत्ता योजना एवं कुशल युवा कार्यक्रम की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले के समग्र प्रदर्शन को संतोषजनक एवं प्रोत्साहन योग्य बताया गया।

समीक्षा के दौरान प्रस्तुत रिपोर्ट के अनुसार बक्सर जिले ने बिहार स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना में 115 प्रतिशत, मुख्यमंत्री निश्चय स्वयं सहायता भत्ता योजना में 94 प्रतिशत तथा कुशल युवा कार्यक्रम में 101 प्रतिशत उपलब्धि दर्ज की है। इन आंकड़ों को देखते हुए जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों के कार्यों की सराहना की और निर्देश दिया कि आगे भी इसी तरह के बेहतर प्रदर्शन को बरकरार रखा जाए। डॉ. सिंह ने विशेष रूप से कुशल युवा कार्यक्रम के लाभार्थियों को अधिक से अधिक प्रशिक्षण उपलब्ध कराने पर जोर दिया। उन्होंने संबंधित पदाधिकारियों को निर्देशित किया कि केवाईपी प्रशिक्षण केंद्रों का नियमित निरीक्षण सुनिश्चित करें, ताकि प्रशिक्षण की गुणवत्ता में निरंतर सुधार हो सके। साथ ही जिला निबंधन एवं परामर्श केंद्र में साफ-सफाई की समुचित व्यवस्था बनाए रखने का भी निर्देश दिया गया। बैठक में जिला योजना पदाधिकारी, जिला कार्यक्रम पदाधिकारी (सर्व शिक्षा अभियान), केंद्र के प्रबंधक, सहायक प्रबंधक एवं जिला समन्वय प्रबंधक सहित सभी संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। जिलाधिकारी ने सभी अधिकारियों से कहा कि योजनाओं के क्रियान्वयन में पारदर्शिता और दक्षता बनाए रखें, ताकि अधिक से अधिक युवाओं को इन योजनाओं का लाभ मिल सके तथा जिले का प्रदर्शन राज्य स्तर पर भी अव्वल बना रहे।

डुमरांव अंचल निरीक्षक रात में कई थानों का किया औचक निरीक्षण, मिली अनेक खामियां, गश्ती को लेकर कड़े निर्देश

- **पुलिस-जनता संवाद मजबूत करने और फरार आरोपियों की गिरफ्तारी पर विशेष जोर**

केटी न्यूज/डुमरांव

सर्दी की ठिठुरन के साथ सुरक्षा व्यवस्था को कसने के लिए डुमरांव अंचल निरीक्षक श्रीनाथ कुमार बुधवार की रात अचानक फील्ड में उतर गए। रात के अंधेरे और जमा देने वाली ठंड को चीरते हुए उन्होंने नया भोजपुर, डुमरांव, नवानगर, कोरान सराय सहित अंचल क्षेत्र के कई थानों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कई स्थानों पर गश्ती और रिकॉर्ड रखरखाव में ढिलाई देख वे खासे नाराज दिखे। उन्होंने साफ कहा कि ह्लठंड बढ़ने के साथ अपराध बढ़ने की आशंका भी तेज होती है, इसलिए पुलिस की निगरानी और सतर्कता में किसी भी कीमत पर कमी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। निरीक्षण के वक्त अंचल निरीक्षक ने प्रत्येक थाना प्रभारी से दैनिक डायरी, गश्ती पंजी और लंबित मामलों की अद्यतन स्थिति की विस्तृत समीक्षा की। कुछ थानों में लंबित मामलों के निष्पादन की रफ्तार सुस्त मिली, जिस पर उन्होंने तत्काल सुधार के निर्देश दिए। उन्होंने फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए विशेष टीमों को सक्रिय मोड में काम करने को कहा। साथ ही उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि केवल गश्ती बढ़ा देना ही पर्याप्त नहीं है, पुलिस-जनता संवाद को मजबूत करना ही अपराध नियंत्रण की असली कुंजी है। उन्होंने निर्देश दिया कि थानाध्यक्ष और पुलिस पदाधिकारी नियमित रूप से अपने इलाके के बुजुर्गों, महिलाओं, व्यवसायियों और स्थानीय जनप्रतिनिधियों से संपर्क बनाए रखें। उन्होंने कहा कि जनता असुरक्षित महसूस करेगी तो अपराधी बेखौफ हो जाएंगे। इसलिए पुलिस को भरोसा जगाना होगा। रात के निरीक्षण में उन्होंने उन इलाकों को पेट्रोलिंग के दौरान प्राथमिकता देने का आदेश दिया जहां भीड़भाड़ रहती है या हालिया दिनों में संदिग्ध गतिविधियों की सूचना मिली है। उन्होंने कहा कि ठंड के मौसम में अपराधी अक्सर रात्रि के समय सक्रिय होते हैं, इसलिए गश्ती को पहले से अधिक व्यवस्थित, तेज और नियमित बनाना जरूरी है। थाना परिसरों की स्वच्छता, अभिलेखों की स्थिति और पुलिसकर्मियों की उपस्थिति भी निरीक्षण का प्रमुख बिंदु रही। कुछ थानों में साफ-सफाई की स्थिति संतोषजनक नहीं मिली, जिस पर उन्होंने तत्काल सुधार की हिदायत दी। अंचल निरीक्षक ने जोर देकर कहा कि पुलिस केवल कानून-व्यवस्था संभालने वाली संस्था नहीं है, बल्कि जनता की सुरक्षा का भरोसा है। यह भरोसा तभी मजबूत होगा जब पुलिस पारदर्शिता, संवेदनशीलता और तत्परता के साथ काम करेगी।

मधुबन मैरिज हॉल
आपके सपनों का विवाह स्थल
अब आपके शहर बक्सर में विवाह, रिसेप्शन, मैरेज एनिवर्सरी, जन्मदिन और सभी शुभ अवसरों के लिए एक भव्य और सुविधाजनक उपलब्ध है स्थल

विशेषताएंः
- विशाल और सुसज्जित हॉल
- आकर्षक स्टेज डेकोरेशन
- ठहरने की उत्तम व्यवस्था (एसी/नॉन-एसी कमरे)
- बड़ा पार्किंग एरिया
- 24x7 बिजली और पानी की सुविधा
- साफ-सुथरा और हाइजीनिक किचन एरिया
- बजट के अनुसार पैकेज उपलब्ध
- हर आयोजन को बनाएं यादगार, सिर्फ मधुबन मैरिज हॉल के साथ

अखिलेश्वर पाठक
प्रोपराइटर

सारीमपुर, बक्सर
बुकिंग के लिए संपर्क करें: +91 7061608901

लंबित मामलों पर डुमरांव पुलिस की बड़ी कार्रवाई, थानाध्यक्ष ने कस दी अनुसंधान की लगाम

■ मिशन अनुसंधान को गति देने के लिए रात 10 बजे बुलाई विशेष बैठक, हर अधिकारी पर सख्त निगरानी का आदेश

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव थाना क्षेत्र में लंबित मामलों के दबाव और अनुसंधान में हो रही देरी को देखते हुए थानाध्यक्ष संजय कुमार सिन्हा बुधवार की रात्रि पूरी तरह एक्शन मोड में दिखे। देर रात उन्होंने सभी पुलिस पदाधिकारियों की आपात बैठक बुलाई और ह्ममिशन अनुसंधानह्न को नई गति और तेवर देने का फैसला किया। बैठक का फोकस था, लंबित मामलों की तत्काल समीक्षा, अनुसंधान की गुणवत्ता में सुधार और पुलिसिंग में जनता का भरोसा मजबूत करना। थानाध्यक्ष ने बैठक की शुरूआत लंबित मामलों की विस्तृत समीक्षा से की। उन्होंने स्पष्ट कहा कि अनुसंधान में देरी न सिर्फ पीड़ितों को न्याय से वंचित करती है, बल्कि पुलिस के प्रति लोगों के विश्वास को भी कमजोर करती है। इसलिए हर अधिकारी अपने जिम्मेदार मामलों को समयबद्ध तरीके से पूरा करे, इसमें कोई लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने सभी दारोगाओं को निर्देश दिया कि हर केस फाइल की दोबारा जांच की जाए और उन

बिंदुओं को चिह्नित किया जाए जहां अनुसंधान बाधित हो रहा है। फरार आरोपियों की गिरफ्तारी, केस डायरी की समय पर उपलब्धता, डिजिटल और तकनीकी साक्ष्यों के प्रभावी उपयोग पर भी विशेष जोर दिया गया। उन्होंने साफ कहा कि अब खेल सिर्फ फाइलें आगे बढ़ाने का नहीं, बल्कि नतीजे देने का है। संजय कुमार सिन्हा ने यह भी आदेश दिया कि हर अनुसंधान अधिकारी प्रतिदिन अपनी प्रगति रिपोर्ट उपलब्ध कराए, ताकि किसी भी केस की निगरानी में ढिलाई न हो। उन्होंने कहा कि मिशन अनुसंधान सिर्फ प्रशासनिक औपचारिकता नहीं, बल्कि जनता के विश्वास को मजबूत करने का माध्यम है। तेज और पारदर्शी पुलिसिंग से ही कानून-व्यवस्था प्रभावी रूप से कायम रह सकती है।

बैठक में पीड़ित पक्ष से नियमित संवाद बनाए रखने और उन्हें अपडेट देने को भी अनिवार्य बताया गया। उन्होंने कहा कि शिकायतकर्ता को उसके केस की स्थिति पता रहे, यह पुलिस की जवाबदेही का हिस्सा है।

बैठक में एसआई मतेंद्र कुमार, रविशंकर पांडेय सहित सभी दारोगा, महिला पुलिसकर्मी और सशस्त्र बल के जवान मौजूद रहे। अंत में थानाध्यक्ष ने टीम भावना के साथ काम करने की अपील करते हुए कहा कि आने वाले दिनों में डुमरांव थाना लंबित मामलों में उल्लेखनीय कमी लाकर मिशन अनुसंधान को एक नई मिसाल देगा।

एक नजर

एनक्यूएएस टीम ने पवनी उप स्वास्थ्य केन्द्र का किया वर्चुअल जांच

बक्सर । राष्ट्रीय गुणवत्ता आश्वासन मानक (एनक्यूएएस) के तहत उप स्वास्थ्य केन्द्र पवनी का भारत सरकार की विशेषज्ञ टीम द्वारा वर्चुअल निरीक्षण किया गया। इस जांच का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण स्तर पर स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता, स्वच्छता, बुनियादी ढांचे, रोगी देखभाल और प्रशासनिक पारदर्शिता का आकलन करना था। निरीक्षण के दौरान केन्द्र की कार्यप्रणाली, संसाधन उपलब्धता, साफ-सफाई व्यवस्था और सेवा वितरण की विस्तृत जानकारी टीम के समक्ष प्रस्तुत की गई। एनक्यूएएस एक व्यापक मानक है, जिसके माध्यम से स्वास्थ्य संस्थानों के लगभग सभी पहलुओं जैसे भवन की स्वच्छता, उपकरणों का उपयोग, संक्रमण नियंत्रण, रिकॉर्ड प्रबंधन, रोगी संतुष्टि और स्टाफ की दक्षता का मूल्यांकन किया जाता है। इसका उद्देश्य सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक प्रभावी, सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण बनाना है। उजांच के दौरान सीएचओ भूपेंद्र सिंह ने केन्द्र में उपलब्ध सेवाओं, उपकरणों तथा नियमित साफ-सफाई और कचरा प्रबंधन व्यवस्था की जानकारी दी। जननी सुरक्षा योजना, परिवार नियोजन, टीकाकरण और मातृ-शिशु स्वास्थ्य सेवाओं के सुचारू संचालन की भी जानकारी प्रस्तुत की गई। उइस वर्चुअल असेसमेंट में डीसीक्यूए रुचि कुमारी ने महत्त्वपूर्ण दिशा-निर्देश दिए। टीम ने कहा कि एनक्यूएएस मानकों के अनुरूप सेवाओं में निरंतर सुधार उनकी प्राथमिकता है। वहीं चौसा सीएचसी के चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. सी. विमल, एचडब्ल्यूसी प्रभारी भूपेंद्र सिंह, बीएचएम सनी कुमार, एएनएम रागिनी कुमारी व किरण कुमारी की सक्रिय भूमिका रही। पिरामल फाउंडेशन के गांधी फेलो प्रदीप केवट ने तकनीकी सहयोग व दस्तावेजीकरण में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

चौगाई से शराब की खेप बरामद, कारोबारी फरार

चौगाई। मुरार पुलिस ने बुधवार की रात गुप्त सूचना पर थाना क्षेत्र के चौगाईं गांव में छापेमारी कर एक घर से एट पीएम ब्रांड की 31 पीस विदेशी शराब बरामद की है। हालांकि, छापेमारी की भनक लगते ही कारोबारी फरार हो गया। कारोबारी की पहचान स्थानीय गांव निवासी आकाश कुमार उर्फ छोटू के रूप में की गई है। उसके खिलाफ मुरार थाने में उत्पाद अधिनियम के तहत एफआईआर दर्ज कर गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। मुरार थानाध्यक्ष नेहा कुमारी ने बताया कि छापेमारी की कार्रवाई गुप्त सूचना पर की गई थी। थानाध्यक्ष ने कहा कि फरार तस्कर को जल्दी ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

साइबर ठगो ने उड़ाए करीब एक लाख रूपए

कृष्णाब्रह्म। कृष्णाब्रह्म थाना क्षेत्र के स्थानीय गांव निवासी एक व्यक्ति साइबर ठगी का शिकार हो गया है। उइस मामले में पीड़ित शिवजी सिंह ने स्थानीय थाने में एफआईआर दर्ज कराते हुए अज्ञात साइबर ठगो पर यूपीआई के माध्यम से 99 हजार 900 रूपए की ठगी का आरोप लगाया है। घटना 14 नवंबर की है। एफआईआर दर्ज कर पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। कृष्णाब्रह्म थानाध्यक्ष संदीप कुमार राम ने कहा कि पुलिस मामला दर्ज कर जांच कर रही है। उवहीं, घटना के बाद से पीड़ित काफी आहत हो गया है।

बेकार पड़े कम्पैक्टर, टीपर, बैटरी चोरी, नियम तोड़कर खरीद का आरोप, लोक शिकायत पदाधिकारी ने ईओ से पूछा बिंदुवार शो-कॉज

डुमरांव नगर परिषद में करोड़ों की सफाई उपकरण खरीदारी पर उठे सवाल, लोक शिकायत पहुंचा मामला

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव नगर परिषद में सफाई उपकरणों की खरीद के नाम पर करोड़ों की सरकारी राशि खर्च किए जाने को लेकर बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। नगर परिषद द्वारा खरीदे गए दो कम्पैक्टर और 40 टीपर वाहनों में भारी अनियमितताओं की शिकायत अनुमंडलीय लोक शिकायत कार्यालय तक पहुंच गई है। शिकायत पर संज्ञान लेते हुए पदाधिकारी ने तत्कालीन कार्यपालक पदाधिकारी (ईओ) से पूरे मामले पर बिंदुवार स्पष्टीकरण तलब किया है। मामले का विवाद तब और गहराया जब यह तथ्य सामने आया कि वर्ष 2013 में नगर परिषद ने 65 लाख रुपये की लागत से एक कम्पैक्टर खरीदा था, पर छोटा और गलीनुमा शहर होने के कारण उसका उपयोग कभी हो ही नहीं पाया। इस्तेमाल न होने से वह मशीन वर्षों तक खुले में पड़ी-पड़ी जंग खाती रही और अन्ततः कबाड़ में बदल गई। इतिहास के इस कड़वे अनुभव के बावजूद वर्ष 2024 में तत्कालीन ईओ मनीष कुमार ने नियमों को दरकिनार कर दो नए कम्पैक्टर खरीद लिए, जिन पर लगभग 1 करोड़ 60 लाख रुपये खर्च हुए। आरोप है कि जिस मशीन की शहर में कोई उपयोगिता नहीं, उस पर दोबारा भारी-भरकम राशि खर्च करके सरकारी खजाने को चूना लगाया गया।

40 टीपर खरीदे, महीनों खड़े रहे, बैटरियां चोरी हो गई

कम्पैक्टर के साथ ही नगर परिषद ने 40 टीपर वाहनों की भी खरीदारी की। लेकिन ये वाहन महीनों तक प्रखंड कार्यालय परिसर में ही धूल खाते रहे। लापरवाही का आलम यह रहा कि लंबे समय तक खड़े रहने के दौरान कई वाहनों से बैटरियां चोरी हो गईं। इसके बाद नगर परिषद ने ही एक लाख रुपये से अधिक खर्च कर नई बैटरियां खरीदीं, जबकि वाहनों का वास्तविक उपयोग शुरू भी नहीं हुआ था। फिलहाल कुछ वाहनों को अन्यत्र स्थानांतरित किया गया है, लेकिन छह से ज्यादा टीपर अब भी प्रखंड कार्यालय में बेकार पड़े हैं।

कमीशनखोरी में डूबी खरीद, जेडीयू नेता धीरज कुमार का आरोप

नगर परिषद की इस कथित मनमानी और फिजूलखर्ची के खिलाफ पूर्व वार्ड पार्षद एवं जेडीयू नेता धीरज कुमार सामने आए हैं। उन्होंने अनुमंडलीय लोक शिकायत में परिवाद दायर करते हुए मामले की उच्चस्तरीय जांच और कार्रवाई की मांग की है। धीरज कुमार का आरोप है कि तत्कालीन ईओ ने नियम-कायदों को ताक पर रखकर करोड़ों रुपये की खरीदारी सिर्फ मोटी कमीशन के लिए की। उन्होंने सवाल उठाया कि जब पहले खरीदा गया कम्पैक्टर ही बेकार पड़ा रहा, तो दो नए कम्पैक्टर खरीदने की क्या जरूरत थी। जेडीयू नेता का कहना है कि नगर परिषद क्षेत्र की भौगोलिक स्थिति कम्पैक्टर संचालन के अनुकूल ही नहीं है। ऐसे में इन मशीनों की खरीद जनहित नहीं बल्कि निजी हित के लिए की गई, जो सरकारी राशि के स्पष्ट दुरुपयोग की ओर इशारा करता है।

लोक शिकायत कार्यालय ने मांगा बिंदुवार प्रतिवेदन

अनुमंडलीय लोक शिकायत पदाधिकारी ने मामले की गंभीरता को देखते हुए नगर परिषद के ईओ से पूरी खरीद प्रक्रिया, निविदा, उपयोगिता मूल्यांकन, भुगतान विवरण, और वाहनों के वास्तविक उपयोग पर विस्तृत रिपोर्ट तुरंत उपलब्ध कराने को कहा है। सूत्र बताते हैं कि प्रतिवेदन मिलने के बाद लोक शिकायत कार्यालय आगे की कार्रवाई जांच समिति गठन से लेकर दोष निर्धारण तक कर सकता है।

नगर परिषद की चुप्पी बढ़ा रही शंका

मामले पर नगर परिषद प्रशासन की ओर से अब तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है। करोड़ों की लागत से खरीदे गए उपकरणों के बेकार पड़े रहने और बैटरी चोरी जैसी घटनाओं पर अधिकारियों की चुप्पी लोगों के बीच कई तरह की शंकाएँ पैदा कर रही है।

अपाचे मोटरसाइकिल और शराब छोड़ फरार हुआ शराब कारोबारी, 27 लीटर देसी शराब जब्त

केटी न्यूज/सिमरी

सिमरी अंचल अंतर्गत तिलक राय के हाता थाना पुलिस ने गुरुवार की सुबह एक शराब कारोबारी की बड़ी योजना को नाकाम कर दिया। थाना प्रभारी पूजा कुमारी के नेतृत्व में क्षेत्र में शराब कारोबारियों के खिलाफ सघन जांच अभियान चलाया जा रहा था। इसी दौरान पुलिस टीम जैसे ही सूचित यादव के डेरा के समीप बांध के पास पहुंची, तभी तेज रफ्तार में एक अपाचे मोटरसाइकिल पर सवार युवक आता दिखाई दिया। पुलिस टीम को देख आरोपी घबराया और कुछ दूरी पर ही मोटरसाइकिल सहित भारीभरकम बोड़ा फेंककर खेतों की ओर फरार हो गया। पुलिस ने तत्काल आसपास के क्षेत्र में खोजबीन की,

लेकिन आरोपी का कोई सुराग नहीं मिल सका। जब छोड़े गए बोड़े की तलाशी ली गई, तो उसमें देसी दबंग शराब की कुल 27 लीटर मात्रा बरामद की गई। पुलिस ने घटनास्थल से अपाचे मोटरसाइकिल और शराब जप्त कर लिया गया है। थाना प्रभारी पूजा कुमारी ने बताया कि बरामदगी के आधार पर संबंधित धाराओं में कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है और फरार शराब कारोबारी की पहचान कर उसकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है। पुलिस की इस तत्पर कार्रवाई से क्षेत्र के लोगों में संतोष देखा जा रहा है, वहीं तस्करों में हड़कंप की स्थिति बनी हुई है। पुलिस ने स्पष्ट संदेश दिया है कि शराबबंदी कानून का उल्लंघन कर अवैध कारोबार करने वालों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा।

सिमरी प्रखंड कार्यालयों में तालेबंदी से जनता बेहाल, अधिकारी गायब

केटी न्यूज/सिमरी

सिमरी प्रखंड में सरकारी कार्यालयों की बदहाल स्थिति एक बार फिर सुर्खियों में है। अधिकारियों की लापरवाही कहें या स्वच्छता कर्मियों की मनमानी, लेकिन हकीकत यह है कि प्रखंड आपूर्ति कार्यालय, प्रखंड कल्याण पदाधिकारी कार्यालय तथा श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी कार्यालय कई महीनों से तालेबंदी और अव्यवस्था के कारण आम जनता के लिए डर और परेशानी का केंद्र बना हुआ है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि दूर-दूर के पंचायतों से लोग अपने कार्यों को लेकर यहां पहुंचते हैं, परंतु कार्यालय के दरवाजे पर ताला और परिसर में पसरी घोर अव्यवस्था देखकर उन्हें लौटना

पड़ता है। क्षेत्र के ग्रामीण सिद्धि राम, रामदुलार राम, जयराम और शिवजी यादव बताते हैं कि साहब कब आते हैं और कब जाते हैं इसका कोई अता-पता ही नहीं है। कई बार घंटों इंतजार करने के बाद भी कोई अधिकारी नजर नहीं आते। कार्यालय परिसर की स्थिति इतनी खराब है कि वह अब जंगलनुमा झाड़ियों में बदल चुका है। लोगों का कहना है कि लंबे समय से साफ-सफाई नहीं होने के कारण परिसर सांप-बिच्छुओं का अड्डा बन गया है, जिससे कार्यालय में प्रवेश करना भी जोखिम भरा हो गया है। ग्रामीणों के अनुसार यह हालात न केवल असुविधा पैदा कर रहे हैं, बल्कि विकास कार्यों की प्रगति को भी ठप कर रहे हैं।

जब इस मामले में प्रखंड कल्याण पदाधिकारी ए.के. आजाद से संपर्क करने की कोशिश की गई, तो उन्होंने फोन उठाना मुनासिब नहीं समझा, जिससे स्थिति और भी सवालों के घेरे में आ गई। वहीं विकास मित्र राजू कुमार ने बताया कि कार्यालय के सामने एक बड़ा पेड़ गिरा हुआ है, जिसकी सूचना अंचलाधिकारी को दी गई है।

लेकिन, जब अंचलाधिकारी भगवती शंकर पांडे से बात की गई, तो उन्होंने साफ कहा कि ऐसी कोई सूचना हमें प्राप्त नहीं हुई। दोनों अधिकारियों के बयान विपरीत होने से मामला और उलझता नजर आ रहा है।

जनता का कहना है कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई, तो विकास कार्यों में बड़ी बाधा उत्पन्न होगी। ग्रामीणों ने संबंधित विभागों से तत्काल सफाई अभियान चलाकर कार्यालयों को सुचारू रूप से खोलने की मांग की है।

यह स्थिति सरकारी तंत्र की उदासीनता पर बड़े प्रश्नचिह्न खड़ा करती है।

विज्ञान प्रदर्शनी में ग्रामीण प्रतिभाओं ने नवाचार के दम पर बटोरी

■ नवाचार, जिज्ञासा और प्रयोगधर्मिता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित विज्ञान प्रदर्शनी में 30 छात्र-छात्राओं ने प्रस्तुत किए अनूठे मॉडल; न्यूक्लियर पावर प्लांट से लेकर जल संरक्षण तक पर दिखी पकड़

केटी न्यूज/चौसा

प्रखंड संसाधन केंद्र चौसा में गुरुवार को आयोजित प्रखंड स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी सह क्विज प्रतियोगिता ग्रामीण क्षेत्र की वैज्ञानिक प्रतिभाओं का अनूठा संगम साबित हुई। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी हृषिकेश कुमार सिंह ने की। विज्ञान के प्रति विद्यार्थियों में रुचि और नवाचार को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से आयोजित इस प्रतियोगिता में विभिन्न सीआरसीसी से आए कक्षा 6 से 12

तक के 30 प्रतिभागियों ने अपने मॉडल और प्रोजेक्ट के साथ भाग लेकर माहौल को वैज्ञानिक ऊर्जा से भर दिया।

कार्यक्रम की खास बात यह रही कि प्रतिभागियों ने केवल मॉडल नहीं बनाए, बल्कि अपने प्रोजेक्ट की उपयोगिता और कार्यप्रणाली को समझाते हुए समस्याओं के व्यावहारिक समाधान भी सुझाए। किसी ने न्यूक्लियर पावर प्लांट की संरचना और ऊर्जा उत्पादन प्रक्रिया का प्रभावशाली मॉडल तैयार किया, तो किसी ने बैटरी से संचालित ऊर्जा प्लांट का प्रदर्शन किया। वहीं जल संचयन, जल संरक्षण और जल शुद्धिकरण की तकनीकों पर आधारित कई मॉडल विशेष आकर्षण का केंद्र रहे, जिसने उपस्थित लोगों को पर्यावरणीय समस्याओं के समाधान की दिशा में नई सोच दी।

कक्षा 9 से 12 श्रेणी में उत्क्रमित विद्यालय गोसाईपुर के कक्षा 11 के छात्र रौशन कुमार और अभिषेक कुमार ने अपने सजीव और सटीक न्यूक्लियर पावर प्लांट मॉडल के दम पर प्रथम स्थान प्राप्त किया। बालिका उच्च विद्यालय चौसा की छात्रा श्वेता शर्मा को जल संयंत्र एवं जल शुद्धिकरण पर तैयार प्रोजेक्ट के लिए द्वितीय स्थान मिला। वहीं उत्क्रमित मध्य विद्यालय सिकरौल की छात्राओं–मनीषा, प्रिया और खुशबू–के संयुक्त मॉडल को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ।

कक्षा 6 से 8 श्रेणी में उत्क्रमित मध्य विद्यालय सिकरौल के दिव्यांशु ने बेहतरीन वैज्ञानिक अवधारणा और प्रस्तुति के आधार पर प्रथम स्थान हासिल किया। मध्य विद्यालय पवनी की छात्रा साक्षी द्वितीय और उत्क्रमित मध्य विद्यालय के छात्र रितेश कुमार तृतीय स्थान पर रहे। विजेताओं को सम्मानित किया गया और सभी प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया गया।

बच्चों के प्रोजेक्ट का मूल्यांकन चयनकर्ता समिति के सदस्य मो. मुतुर्जा, अवधेश विश्वकर्मा और सुभाष कुमार ने किया। कार्यक्रम में विभिन्न विद्यालयों के शिक्षक और सीआरसीसी सदस्य उपस्थित रहे। विज्ञान प्रदर्शनी ने बच्चों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करने और भविष्य में नवाचार की दिशा में आगे बढ़ने की प्रेरणा दी।

चक्की थाने के महिला हाजत में चार दिनों से पड़ा है जब्त शराब, सुरक्षा पर गंभीर

केटी न्यूज/चक्की

चक्की थाना क्षेत्र में पुलिस व्यवस्था की खामियां एक बार फिर सामने आई हैं, जहां महिला हाजत, जो सुरक्षा और संवेदनशीलता के लिहाज से विशेष महत्व रखता है, चार दिनों तक जब्त शराब का गोदाम बनकर रह गया। यह मामला न केवल पुलिस की कार्यशैली पर प्रश्नचिह्न लगाता है, बल्कि सुरक्षा मानकों को लेकर भी गंभीर चिंताएं खड़ी करता है। सूत्रों के अनुसार, रविवार की रात पुलिस ने एक शराब तस्कर को गिरफ्तार किया था। सोमवार को तस्कर को अदालत भेज दिया गया, लेकिन उसके पास से जब्त की गई दो बोरी शराब को नियमों के अनुसार मालखाना में जमा कराने के बजाय सीधे महिला हाजत में ही रख दिया गया। यह स्थिति गुरुवार शाम तक बनी रही। इस दौरान हाजत में किसी भी महिला को रखना संभव नहीं था, जबकि यह स्थान विशेष रूप से महिला बंदियों के लिए आरक्षित रहता है। ग्रामीणों ने इस घटना को पुलिस प्रशासन की घोर लापरवाही करार देते हुए कहा कि जब संवेदनशील जगहों पर ही नियमों का पालन न हो तो बाकी व्यवस्था की कल्पना करना ही मुश्किल है। उनका कहना था कि शराब तस्करी के मामलों में गिरफ्तारी तो खूब होती है, लेकिन तस्करी पर लगाम नहीं लग पा रही। ऐसे में जब खुद थाने में जब्त शराब खुले में रखी मिले तो यह स्थिति और भी चिंताजनक बन जाती है। थानाध्यक्ष अजय कुमार ने सफाई देते हुए बताया कि मालखाना की चाबी मुंशी के पास होने के कारण अस्थायी रूप से शराब को महिला हाजत में रखना पड़ा। हालांकि इस जवाब ने स्थानीय लोगों की नाराजगी शांत नहीं की, क्योंकि उनका कहना है कि संवेदनशील जगहों की सुरक्षा से समझौता किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं होना चाहिए।

मुंगेर में फोरलेन जमीन अधिग्रहण पर बवाल : मुआवजा विवाद के बीच चला बुलडोजर

- कई रैयत हिरासत में

एजेंसी/मुंगेर

मुंगेर के मिर्जा चौकी फोरलेन परियोजना के लिए जमीन अधिग्रहण को लेकर मुंगेर जिला प्रशासन और जमीन रैयतों के बीच विवाद गहरा गया। प्रशासन ने बल प्रयोग कर जमीन को अतिक्रमण मुक्त कराया, जिसके बाद पुलिस और स्थानीय लोगों के बीच तीखा विवाद हो गया। विरोध कर रहे कई जमीन मालिकों को पुलिस ने हिरासत में लिया है। जमीन रैयतों का आरोप है कि उचित मुआवजा देने की मांग को लेकर मामला न्यायालय में लंबित है, इसके बावजूद जिला प्रशासन ने जबरन बुलडोजर चलाकर उनकी जमीन और मकान को तोड़ दिया। मामला रामनगर थाना क्षेत्र के गढ़ी रामपुर की है, जहाँ मुंगेर मिर्जा चौकी फोरलेन निर्माण के 400 मीटर हिस्से का काम पिछले आठ महीनों से जमीन विवाद के कारण रुका हुआ था। आज जिला प्रशासन ने भारी पुलिस बल के साथ पहुँचकर जमीन को अतिक्रमण मुक्त करा दिया। स्थानीय 32 रैयतों का मामला अदालत में विचाराधीन है। इसी बीच प्रशासन द्वारा बलपूर्वक कार्रवाई किए जाने से आक्रोश और बढ़ गया है। महमदा निवासी कौशल कुमार ने बताया कि हमारी आवासीय जमीन को कृषि घोषित कर कम मुआवजा तय किया गया है। बिना उचित मुआवजे के प्रशासन जबरन जमीन अधिग्रहण कर रहा है। हमारे साथ मारपीट की गई और कई लोगों को गिरफ्तार भी किया गया। वही अन्य जमीन मालिकों का कहना है कि ह्लआसपास की आवासीय जमीन को फोरलेन के लिए आवासीय दर से मुआवजा दिया गया, लेकिन बीच में पड़ने वाली हमारी जमीन को कृषि बता दिया गया, ताकि मुआवजा कम दिया जा सके। महिला रैयत सरिता देवी ने बताया कि जब बुलडोजर चल रहा था, मेरा बेटा कागज लेकर अधिकारियों को दिखाने गया कि मामला कोर्ट में लंबित है। विरोध करने पर पुलिस ने मेरे बेटे को पीटकर हाजत में बंद कर दिया। हमारा मकान तोड़ दिया, जानवरों को खोलकर भगा दिया गया। यदि सरकार उचित मुआवजा नहीं देगी तो हम सब जान देने पर मजबूर हो जाएंगे। इस मामले में जिला प्रशासन ने मीडिया को किसी तरह का बयान देने से इनकार कर दिया।

मुजफ्फरपुर में भीषण चोरी का खुलासा, 40 लाख का गहना बरामद, तीन आरोपी भी गिरफ्तार

केटी न्यूज/मुजफ्फरपुर

मुजफ्फरपुर में भीषण चोरी का खुलासा, 40 लाख का गहना बरामद, तीन आरोपी भी गिरफ्तार हालांकि, आरोपित हाथ नहीं लगे। इसे लेकर चंदवा निवासी अधिवक्ता अंजनी कुमार तिवारी ने संबंधित थाना में गजराजगंज ओपी के कारीसाथ निवासी कलयुग सिंह, प्रकाश सिंह, बिहिया थाना के लहंग डुमरिया निवासी सिट्ठू सिंह, हाला सिंह व मसाढ़ निवासी अंकित सिंह समेत दो अज्ञात के विरुद्ध प्राथमिकी कराई है। अधिवक्ता अंजनी तिवारी परशुराम सेवा सेवा संघ के शाहाबाद इकाई अध्यक्ष भी है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर भी आरोपितों की पहचान कर उनकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है। जानकारी के अनुसार अधिवक्ता अंजनी तिवारी के भतीजे प्रियांशु की स्कूटी बुधवार शाम हाउसिंग कालोनी रास्ते पर कार सवार आरोपितों की गाड़ी से हल्के से टकरा गई थी। इस बात को लेकर दोनों के बीच पहले कहासुनी हुई थी, लेकिन मामला वहीं शांत हो गया था। बताया जाता है कि रात करीब सवा आठ बजे वही सफारी गाड़ी सवार आरोपित चंदवा मोड़ स्थित अधिवक्ता सह परशुराम सेवा संघ के कार्यालय पहुंचे और आते ही ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी। घटना के समय अधिवक्ता नहीं थे। बाद में आसपास के लोगों ने विरोध किया तो आरोपित सफारी गाड़ी समेत से फरार हो गए। अधिवक्ता ने सफारी सवार मुख्य आरोपित पर नशे में गाड़ी चलाने एवं स्कूटी से टच करने तथा विरोध करने पर पहले गाली-गलौज करने एवं धमकी देने और बाद में फायरिंग करने का आरोप लगाया है। नवादा थानाध्यक्ष बिपिन बिहारी ने बताया कि रात में वारदात के बाद पुलिस ने गजराजगंज ओपी के कारीसाथ गांव तक आरोपितों का पीछा किया और सफारी गाड़ी को जब्त कर लिया। आरोपित हाथ नहीं लगे, लेकिन गाड़ी के अंदर से ही फायरिंग में प्रयुक्त रेगुलर पिस्टल, मैगजीन व एक कारतूस बरामद किया गया है। पुलिस आरोपितों की गिरफ्तारी को लेकर लगातार छापेमारी कर रही है।

नगर पंचायत की लापरवाही से बढ़ा मच्छरों का प्रकोप

- फॉगिंग मशीन सालभर से खराब, वार्डों में फैली गंदगी से मलेरिया-डेंगू का खतरा बढ़ा
- नगर कार्यालय में एक साल से धूल फांक रही फॉगिंग मशीन

केटी न्यूज/रोहतास

काराकाट नगर पंचायत काराकाट क्षेत्र में फॉगिंग और सफाई व्यवस्था पूरी तरह चरमराई हुई है। नगर के सभी वार्डों में मच्छरों का प्रकोप तेजी से बढ़ रहा है, लेकिन नगर पंचायत की ओर से कोई ठोस कदम नहीं उठाया जा रहा है। दवाओं का छिड़काव और फॉगिंग की जिम्मेदारी नगर पंचायत की है, मगर वर्तमान में एकमात्र फॉगिंग मशीन करीब ढेड़ साल से खराब पड़ी हुई है।

नगरवासियों का कहना है कि फॉगिंग मशीन करीब दो वर्ष से बंद है। शुरूआत में कुछ महीनों तक मशीन चलाई गई थी, लेकिन बाद में यह दिखावे का माध्यम बनकर रह गई। अब नालियों की स्थिति बेहद दयनीय है–कहीं कचरे से पानी का बहाव बंद है तो कहीं खुले नालों से मच्छर तेजी से पनप रहे हैं। आधे से ज्यादा वार्डों में गंदगी के अंबार लगे हैं। फॉगिंग मशीन की खराबी को लेकर नगरवासी पिंकू पांडेय ने बताया कि मशीन करीब एक साल से बंद है और अब तो उसका पता तक नहीं है। उन्होंने कहा कि नगर पंचायत ने लगभग 14 लाख की लागत से फॉगिंग और अन्य उपकरण खरीदे थे, लेकिन मशीन दो महीने में ही खराब हो गई। इससे साफ है कि घटिया गुणवत्ता की मशीन खरीदी गई थी। उपमुख्य पार्षद रविश रंजन ने कार्यपालक पदाधिकारी सीमाब मतीन पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि कार्यपालक पदाधिकारी के कार्यकाल में नगर की व्यवस्था पूरी तरह बिगड़ गई है। फॉगिंग मशीन को जानबूझकर नहीं चलाया जा रहा है और फॉगिंग तेल के नाम पर खर्च दिखाकर पैसे की निकासी की जा रही है। उन्होंने कहा कि नगरवासियों की लगातार शिकायतों के बाद भी अधिकारी कोई कार्रवाई नहीं कर रहे। जब इस संबंध में कार्यपालक पदाधिकारी सीमाब मतीन से पूछा गया तो उन्होंने बताया कि बड़ा फॉगिंग मशीन बार-बार खराब हो जाता है और उसे बदलने पर विचार चल रहा है। फिलहाल छोटे हैंड फॉगिंग मशीनों को कभी-कभी इस्तेमाल किया जाता है। वहीं, स्वच्छता पदाधिकारी मोइन अवकाश पर होने के कारण कोई प्रतिक्रिया नहीं दे पाए। नगरवासियों का कहना है कि अगर जल्द ही नियमित फॉगिंग और सफाई अभियान नहीं चलाया गया, तो आने वाले समय में डेंगू और मलेरिया जैसी बीमारियां भयावह रूप ले सकती हैं।

थ्रोबॉल चैम्पियनशिप पटना में सम्पन्न : स्कॉलर्स अबोड स्कूल ने दोनों वर्गों में जीता खिताब

केटी न्यूज/पटना

पटना के मिलर हाई स्कूल ग्राउंड में आयोजित एक दिवसीय थ्रोबॉल चैम्पियनशिप cum जूनियर ट्रायल बड़े उत्साह के साथ सम्पन्न हुआ। प्रतियोगिता में विभिन्न विद्यालयों की टीमों ने शानदार खेल कौशल का प्रदर्शन किया। लड़कों के वर्ग में स्कॉलर्स अबोड स्कूल ने दमदार प्रदर्शन करते हुए चैम्पियनशिप जीती, वहीं रेडिएंट इंटरनेशनल स्कूल रनर-अप रहा। लड़कियों के वर्ग में भी स्कॉलर्स अबोड स्कूल ने श्रेष्ठता कायम रखते हुए खिताब हासिल किया, जबकि एम.डी.पी.एस. बिहटा ने रनर-अप स्थान प्राप्त किया। व्यक्तिगत प्रदर्शन में, लड़कों के वर्ग में हर्ष (रेडिएंट इंटरनेशनल स्कूल) को प्लेयर ऑफ द टूनार्मेंट घोषित किया गया। लड़कियों के वर्ग में उत्कृष्ट खेल दिखाने के लिए आदिति (स्कॉलर्स अबोड स्कूल) को प्लेयर ऑफ द टूनार्मेंट का सम्मान मिला।

कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि सुमित श्रीवास्तव, स्वेता रंजन (वार्ड पार्षद), मिलर हाई स्कूल की प्राचार्य, मुन्ना पाठक,राकेश कुमार सिंह, प्रभात कुमार उपस्थित रहे। अतिथियों ने खिलाड़ियों के प्रदर्शन की सराहना की तथा विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए। मिलर हाई स्कूल ग्राउंड पर आयोजित यह प्रतियोगिता न केवल खिलाड़ियों की प्रतिभा पहचानने का एक उत्कृष्ट मंच बनी, बल्कि खेल भावना और अनुशासन का भी अद्भुत प्रदर्शन देखने को मिला।

एक नजर

सवारी लख के समीप अज्ञात वाहन की चपेट में आने से एक बाइक सवार की मौत घटनास्थल पर ही

काराकाट । गुरुवार को स्टेट हाईवे 81 मुख्य मार्ग पर कछवां थाना क्षेत्र अंतर्गत सवारी लख के समीप अज्ञात वाहन की चपेट में आने से एक बाइक सवार की मौत घटनास्थल पर ही हो गई। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार कछवां निवासी 50 वर्षीय श्रीराम ठाकुर अपनी बाइक से कहीं जा रहे थे। उसी क्रम में अज्ञात वाहन ने बाइक सवार में जोरदार टक्कर मार कर फरार हो गया। घटनास्थल के आसपास मौजूद लोग जैसे ही पहुंचे तो श्रीराम ठाकुर की मौत हो चुकी थी। घटना की सूचना आसपास के लोगों ने मृतक के परिजन एवं स्थानीय थाना को दी। घटना की सूचना मिलते ही मृतक के परिजन एवं स्थानीय थाना की पुलिस घटनास्थल पर पहुंची । घटनास्थल पर पहुंचते ही मृतक के परिजन सड़क पर पड़े शव को देख दहाड़ मार कर रोने लगे। घटनास्थल पर घटना की जानकारी लेते हुए स्थानीय पुलिस शव को कब्जे में लेकर परिजन के समक्ष कानूनी कार्रवाई करते हुए पोस्टमार्टम कराने के लिए सदर अस्पताल सासाराम भेज दिया । इसकी जानकारी कछवां थानाध्यक्ष मनीष कुमार ने दी।

पुलिस ने शराब माफिया पर कसा शिकंजा

बिक्रमगंज । थाना क्षेत्र अंतर्गत घुसियां कला बाल से पुलिस ने करीब 20 लीटर देशी चुलाई शराब बरामद कर लिया । मौके वारदात पुलिस की भनक मिलते ही कारोबारी भागने में सफल रहा । तो वहीं दूसरी ओर पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर थाना क्षेत्र के खैरा-भूधर गांव से अलग-अलग कंपनी के 11.07 लीटर अंग्रेजी शराब के साथ बिनोद साह के पुत्र बब्लू साह को पकड़ लिया । साथ ही मामले में प्रयुक्त होंडा कंपनी के बाईक को भी पुलिस ने बरामद कर लिया है । बिक्रमगंज थानाध्यक्ष ललन कुमार ने बताया कि गिरफ्तार कारोबारी के विरुद्ध संबंधित मामला दर्ज करते हुए जांच के उपरांत न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया । उन्होंने कहा कि फरार कारोबारी के विरुद्ध संबंधित मामला दर्ज कर लिया गया है । उसे भी बहुत जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा ।

तीन भूमिहीन लोगों को मिला तीन डिसमिल जमीन

राजपुर। अंचल मुख्यालय राजपुर में तीन भूमिहीन लोगों को सरकार द्वारा तीन डिसमिल भूमि बन्दोबस्त किया गया.अंचलाधिकारी पिंटू कुमार ने बताया कि राजपुर निवासी नीतु देवी,पति जितेन्द्र राम,संगीता देवी,पति दीनानाथ राम एवं शारदा देवी पति रामअवतार राम को तीन तीन डिसमिल भूमि बन्दोबस्त किया गया है.मंगलवार को स्थल पर अमीन को भेजकर भूमि का पैमाईस करवा दिया गया.जिसको लाभुको ने दखल कब्जे में ले लिया है.

कन्या विवाह भवन निर्माण के लिए सीओ ने करवाया भूमि पैमाईस

बकस बाबा प्रांगण के समीप बनेगा विवाह मण्डप

राजपुर। राजपुर पंचायत में सरकार द्वारा स्वीकृत कन्या विवाह मण्डप भवन निर्माण के लिए अंचलाधिकारी पिंटू कुमार ने गुरूवार को भूमी पैमाईस करवाया.जानकारी देते हुए बताया कि सरकार द्वारा राजपुर में स्वीकृत कन्या विवाह मंडप भवन निर्माण के लिए एक सौ तीस फीट लंबा और एक सौ दस फीट चौड़ाई वाले भूमि का एनओसी दिया जाना है. जिसके लिए राजपुर बकस बाबा प्रांगण मुख्य गेट के पूर्वी छोर स्थित 66 डिसमिल सरकारी भूमि का पैमाइश किया गया . आवश्यकता अनुरूप भूमि का एनओसी रिपोर्ट जिला कार्यालय को भेज दिया गया. मालूम हो कि बकस बाबा देव स्थली में दर्जनों परिवार अपने बच्चों का विवाह सम्पन्न करने हर साल आते हैं.विवाह मण्डप नहीं रहने से काफी परेशानी हो रही है.सरकार ने पंचायत के मुखिया के आग्रह पर योजना को स्वीकृत कर लिया है.2026 में राजपुर समेत अन्य सभी लोगों को इस सुविधा का लाभ मिलने लगेगा.

भोजपुर में दोहरी त्रासदी : पति के निधन के अगले ही दिन पत्नी की ट्रेन से कटकर मौत

आरा। पटना डीडीयू रेलखंड पर बिहिया स्टेशन के समीप ओवरब्रिज के नीचे ट्रेन की चपेट में आने से एक महिला की मौत हो गई। मृतका की पहचान तीयर थाना क्षेत्र के यादवपुर गांव वार्ड संख्या 14 निवासी स्वर्गीय धुरान कुमार की 22 वर्षीय पत्नी सोनी कुमारी के रूप में हुई। गुरुवार को सदर अस्पताल, आरा में शव का पोस्टमार्टम कराया गया। मृतका के छोटे भाई संतोष कुमार ने बताया कि दो दिन पूर्व किसी कारणवश जहर खाने से सोनी के पति की मौत हो गई थी। पति की मौत के सदमे से सोनी की तबीयत बिगड़ गई थी। इसके बाद स्वजन उसे बिहिया थाना क्षेत्र के साहब टोला स्थित मायके ले आए और उसका इलाज कर रहे थे। बुधवार की रात सोनी घर से टहलने निकली थी। इसी दौरान बिहिया स्टेशन के ओवरब्रिज के नीचे वह ट्रेन की चपेट में आ गई, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। रात में उसके घर नहीं लौटने पर स्वजन ने तलाश की। गुरुवार की सुबह उन्हें सूचना मिली कि ट्रेन दुर्घटना में एक महिला की मौत हुई है। इसके बाद वे आरा रेल थाना पहुंचे और शव की पहचान की। बिहिया थाना क्षेत्र के साहब टोला निवासी सोनी कुमारी और तीयर थाना क्षेत्र के यादवपुर निवासी धुरान कुमार के बीच प्रेम प्रसंग था। मई 2023 में दोनों ने प्रेम विवाह किया था। शादी के ढाई साल के भीतर ही पति-पत्नी दोनों की मौत हो गई। परिवार के सभी सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है।

बिहार के सिवान में निशुल्क स्मार्ट डिजिटल लाइब्रेरी शुरू, स्थानीय छात्र-छात्राओं को बड़ी राहत

केटी न्यूज/ सिवान

बिहार के सिवान जिले में अब छात्रों को बीपीएससी, एसएससी, रेलवे या किसी भी प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करने में पहले से कहीं ज्यादा आसानी होगी और अच्छी बात यह है कि इसके कोई अतिरिक्त पैसे भी नहीं देने होंगे। यहां जिला नियोजन कार्यालय परिसर में एक आधुनिक और पूरी तरह से मुफ़्त स्मार्ट डिजिटल लाइब्रेरी शुरू कर दी गई है। पहले जहाँ गरीब छात्र-छात्राएं 400-500 रुपये मासिक देकर प्राइवेट लाइब्रेरी में पढ़ने को मजबूर थे, वहीं अब सरकारी सुविधा में अउ, आरामदायक कुर्सी-टेबल, विषयवार किताबें, अखबार, मैगजीन, हाई-स्पीड इंटरनेट और कंप्यूटर इन सभी को बिल्कुल फ्री में मिल रहे हैं। एजिला नियोजन पदाधिकारी सुमित कुमार सिंह के नेतृत्व में पुराने कार्यालय भवन को पूरी तरह रेनोवेट कर इसे लाइब्रेरी में तब्दील किया गया है। सहायक निदेशक नियोजन भरत जी राम ने बताया कि सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक लाइब्रेरी खुली रहती है। पंजीकरण भी मुफ्त है, बस कार्यालय में नाम लिखवाना होता है। ऑनलाइन फॉर्म भरने से लेकर प्रिंटआउट तक सब फ्री में ही हो जाता है। इस लाइब्रेरी में पहुँचे विद्यार्थियों की खुशी देखते ही बनती है। बीपीएससी की तैयारी कर रही एक छात्रा ने बताया कि प्राइवेट लाइब्रेरी में 4-5 घंटे से ज्यादा नहीं बैठने देते थे, यहाँ पूरा दिन पढ़ सकते हैं। अन्य छात्रों ने कहा हमारा पैसा बच रहा है, माहौल शांत है और स्टाफ भी मदद करता है। अब लगता है हमारा सपना सच हो जाएगा। जिले में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले सैकड़ों छात्र-छात्राओं के लिए यह सुविधा किसी वरदान से कम नहीं है। जिला प्रशासन की इस पहल से सिवान को शिक्षा के क्षेत्र में एक नया आयाम मिल गया है। अगर आप भी सिवान या आसपास के हैं तो महादेवा रोड स्थित जिला नियोजन कार्यालय जरूर पहुँचिए और सुविधा का लाभ उठाइए।

विद्युत ऊर्जा चोरी को लेकर तीन पर एफआईआर

केटी न्यूज/रोहतास

थाना क्षेत्र में बिलिंग गुणवत्ता व बकायेदार उपभोक्ताओं के परिसर की जांच कनीय विद्युत अभियंता बिक्रमगंज के नेतृत्व में किया गया । जांच दल द्वारा निरीक्षण के क्रम में पाया गया कि मीटर से पहले सर्विस तार में कटिंग,अतिरिक्त तार जोड़कर तथा मीटर बाईपास करते हुए विद्युत ऊर्जा चोरी की जा रही थी । जिसको लेकर तेंदुनी निवासी संतोष कुमार पर 12 हजार 770,संध्या देवी 29 हजार 012 व सिलौटा के सतीश पांडेय 13 हजार 510 रुपये दंडित राशि लगायी गई है । उक्त उपभोक्ताओं द्वारा मीटर बाईपास करने के कारण वास्तविक मान पठन अवरूद्ध हो रहा था तथा विभाग के राजस्व की क्षति हो रही थी । बिक्रमगंज कनीय विद्युत अभियंता नवदीप गोयल द्वारा सभी

उपभोक्ताओं से आग्रह किया गया है कि जिनके परिसर में स्मार्ट प्रीपेड मीटर लगा हुआ है तथा बकाया रहने के कारण विद्युत कनेक्शन डिसकनेक्ट प्रदर्शित हो रहा है । वह रिचार्ज कराने के पश्चात ही विद्युत ऊर्जा का उपभोग करें एवं अनावश्यक होने वाली परेशानियों से बचें । बिक्रमगंज सहायक विद्युत अभियंता राज कुमार ने बताया कि जो उपभोक्ता स्मार्ट प्रीपेड मीटर या नॉर्मल मीटर बाईपास कर विद्युत ऊर्जा की चोरी कर रहे हैं । वह दुरुस्त कर लें एवं जो व्यक्ति घरेलु,व्यवसायिक,ई-रिक्शा चार्ज,कृषि या औद्योगिक कार्य आदि हेतु बिजली का कनेक्शन नहीं लिए हैं । वह कनेक्शन ले लें अन्यथा पकड़े जाने पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी ।

कोयल नहर से मिला युवक का शव, पास में मिली क्षतिग्रस्त बाइक से दुर्घटना की आशंका

एजेंसी। औरंगाबाद

औरंगाबाद जिले के मदनपुर थाना क्षेत्र के भलुआ चक गांव के पास उस समय हड़कंप मच गया, जब कोयल नहर से एक 49 वर्षीय व्यक्ति का शव बरामद किया गया। शव के ठीक पास एक बुरी तरह क्षतिग्रस्त बाइक भी मिली, जिसके आधार पर पुलिस इसे सड़क दुर्घटना मानकर जांच आगे बढ़ा रही है। मृतक की पहचान नरारी कला खुर्द थाना क्षेत्र के काशीपुर के समीप स्थित ब्रिकेश्वर बिगहा निवासी प्रकाश मेहता (49), पिता लक्ष्मण मेहता के रूप में की गई है। घटना की जानकारी मिलते ही उनके परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा और परिजन रोते-बिलखते मौके

पर पहुंच गए। घटना सुबह करीब 6 बजे उस समय सामने आई जब गांव के कुछ बच्चे शौच के लिए नहर की ओर गए थे। बच्चों ने नहर के किनारे एक व्यक्ति को गिरे हुए देखा, जिसकी कोई हरकत नहीं हो रही थी। जिज्ञासा के कारण जब वे पास पहुंचे तो पाया कि व्यक्ति मृत अवस्था में नहर में पड़ा है और थोड़ी ही दूरी पर एक टूटी-फूटी बाइक भी पड़ी हुई है। घबराए हुए बच्चों ने तुरंत गांव के लोगों को इसकी जानकारी दी। कुछ ही देर में ग्रामीणों की भीड़ मौके पर जमा हो गई और उन्होंने तुरंत मदनपुर थाना पुलिस को सूचना दी। घटना की जानकारी मिलते ही मदनपुर पुलिस टीम थानाध्यक्ष राजेश कुमार के नेतृत्व में मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को बाहर निकलवाया और आस-पास की स्थिति का बारीकी से निरीक्षण किया। थानाध्यक्ष राजेश कुमार ने बताया कि प्रथम दृष्टया यह एक सड़क दुर्घटना प्रतीत होती है। संभावना जताई जा रही है कि मृतक बाइक से कहीं जा रहे थे और नहर के मोड़ पर बाइक अनियंत्रित हो गई, जिसके चलते वे सीधे नहर में जा गिरे। रात का समय होने के कारण कोई उनकी मदद के लिए नहीं पहुंच पाया और ठंडे पानी व चोटों के चलते उनकी मौत हो गई होगी। थानाध्यक्ष ने बताया कि क्षतिग्रस्त बाइक की स्थिति से भी यही संकेत मिलते हैं कि बाइक काफी तेज रफ्तार में थी। नहर के किनारे सड़क संकरी होने और अंधेरा होने की वजह से अक्सर इस तरह के हादसे होते रहे हैं। उन्होंने कहा कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के वास्तविक कारणों की पुष्टि हो सकेगी। फिलहाल शव को अपने कब्जे में लेकर उसे औरंगाबाद सदर अस्पताल भेजा गया है, जहां मेडिकल टीम पोस्टमार्टम करेगी।मृतक के परिजन घटना की जानकारी मिलते ही बदहवास हालत में घटनास्थल पर पहुंचे। परिजनों ने बताया कि प्रकाश मेहता मंगलवार की देर शाम किसी काम से बाहर गए थे, जिसके बाद उनका मोबाइल बंद हो गया था। रातभर परिजन उनसे संपर्क करने की कोशिश करते रहे, लेकिन कोई जानकारी नहीं मिल सकी। सुबह शव मिलने की सूचना आते ही पूरा परिवार स्तब्ध रह गया। गांव में शोक का वातावरण है और लोग दुख में परिवार को ढांढस बंधा रहे हैं। ग्रामीणों ने नहर किनारे सड़क पर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी सवाल उठाए हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि सड़क के किनारे सुरक्षा रेलिंग नहीं होने के कारण आए दिन दुर्घटनाएं होती रहती हैं।

एक नजर

बेगूसराय में जमीन विवाद पर फायरिंग, गर्भवती महिला ने पुलिस पर पिटाई के गंभीर आरोप, दोनों पक्षों में तनाव बढ़ा

बेगूसराय। बेगूसराय जिले के बलिया थाना क्षेत्र के नगरगामा दियारा वार्ड संख्या-9 में जमीन विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच शुरू हुआ तनाव अचानक हिंसक रूप ले लिया। पहले लाठी-डंडे चले और कुछ ही देर में दोनों ओर से गोलियां चलने लगीं। फायरिंग की आवाज से दियारा क्षेत्र दहशत में आ गया। लोग अपने घरों में बंद हो गए और पूरे इलाके में अफरातफरी का माहौल बन गया। ग्रामीणों का कहना है कि दोनों पक्षों के बीच 9 कट्ठा जमीन को लेकर लंबे समय से विवाद चला आ रहा है, जो बुधवार को चरम पर पहुंच गया। स्थानीय लोगों के अनुसार बिनो सिंह और रामानंद सिंह के बीच इस जमीन को लेकर कई वर्षों से तनाव बना हुआ था। बुधवार की सुबह बिनो सिंह ने परशुराम सिंह के माध्यम से जमीन की जुताई कराई जा रही थी। इसी दौरान मौके पर पहुंचे रामानंद सिंह ने इसका विरोध किया। दोनों पक्षों के बीच पहले बहस हुई और फिर मामला हाथापाई तक पहुंच गया। कुछ ही मिनटों में स्थिति इतनी बिगड़ गई कि दोनों ओर से गोलीबारी की सूचना फैल गई। ग्रामीणों का कहना है कि करीब 10 से 15 राउंड फायरिंग की आवाजें सुनाई दीं, जिससे पूरा क्षेत्र भयभीत हो उठा। घटना की सूचना पाकर बलिया थाना पुलिस मौके पर पहुंची। लेकिन पुलिस के पहुंचते ही विवाद ने नया मोड़ ले लिया। सेठों सिंह की पत्नी और गर्भवती महिला रेणु देवी ने पुलिस पर ही मारपीट का गंभीर आरोप लगा दिया। रेणु देवी का कहना है कि पुलिस ने पहुंचते ही उनके साथ दुर्व्यवहार किया और मारपीट शुरू कर दी, जबकि वह बार-बार हाथ जोड़कर कहती रहीं कि वह गर्भवती हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिस ने उन्हें बेरहमी से पीटा और जब उनकी स्थिति बिगड़ने लगी, तब पुलिस ही उन्हें अपनी गाड़ी से अस्पताल लेकर गई। इलाज के बाद उन्हें सुबह वापस घर छोड़ दिया गया। महिला के परिजनों ने भी यही आरोप दोहराए। उनका कहना है कि पुलिस ने घर में घुसकर महिलाओं और पुरुषों दोनों के साथ लात, जूते और डंडों से पिटाई की। इस आरोप ने पूरे मामले को और संवेदनशील बना दिया है।

भीषण सड़क हादसे में महिला की मौत के बाद एनएच जाम, आरोपी चालक गिरफ्तार

वैशाली । बिहार में वैशाली जिले के सदर थाना क्षेत्र में हाजीपुर-मुजफ्फरपुर एनएच-22 पर भीषण सड़क हादसा हुआ है। यहाँ महुआ मोड़ के पास गुरुवार सुबह एक तेज रफ्तार बेलगाम ट्रक ने सड़क पार कर रही एक महिला को रौंद दिया। जिससे मौके पर ही महिला की मौत हो गई है। मृतका की पहचान सदर थाना क्षेत्र के चकबलाधारी गांव निवासी स्वर्गीय विजय पासवान की 40 वर्षीय पत्नी सीता देवी के रूप में हुई है। मृतका के देवर पवन पासवान ने बताया है कि भाभी की तबीयत खराब थी और उस समय वह दवा लेने जा रही थीं। तभी महुआ मोड़ के पास सड़क पार करते समय हाजीपुर से मुजफ्फरपुर की ओर जा रहे एक ट्रक ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। इस घटना के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने मुआवजे की मांग करते हुए एनएच-22 को महुआ मोड़ के पास जाम कर दिया। फिर बाद में सूचना पर पहुंची सदर थाना पुलिस ने लोगों को समझा-बुझाकर जाम को हटवाया। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल हाजीपुर भेज दिया गया है। वहीं, घटना को अंजाम देकर भागते ट्रक का स्थानीय लोगों ने पीछा किया और उसे काजीपुर थाना क्षेत्र में पकड़ कर पुलिस के हवाले कर दिया गया है। पुलिस ने ट्रक को जब्त कर लिया है और चालक हिरासत में है। इधर महिला की मौत के बाद परिवार में कोहराम मचा हुआ है।

घरेलू विवाद में छोटे भाई ने बड़े भाई की चाकू मारकर की हत्या, इलाके में फैली सनसनी

एजेंसी। पटना

पूर्वी चंपारण जिले के पताही थाना क्षेत्र के बेतौना गांव में भाई-भाई के रिश्ते को कलंकित करने वाली एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। मामूली विवाद के चलते छोटे भाई ने बड़े भाई पर चाकू से हमला कर उसकी हत्या कर दी। इस घटना से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई और गांव में मातम का माहौल है। घटना की सूचना मिलते ही पकड़ीदयाल के डीएसपी कुमार चंदन और पताही थाना अध्यक्ष बवन कुमार दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु मोतिहारी सदर अस्पताल भेज दिया। इसके बाद पुलिस टीम ने घटनास्थल के आसपास से साक्ष्य जुटाने की प्रक्रिया शुरू की। स्थानीय लोगों के मुताबिक, घटना बुधवार देर शाम की है। दोनों भाइयों के बीच किसी घरेलू बात को लेकर विवाद शुरू हुआ, जो

धीरे-धीरे इतना बढ़ गया कि छोटा भाई अपना आपा खो बैठा। उसने घर में रखे चाकू से बड़े भाई पर कई वार कर दिए। परिजन घायल को अस्पताल ले जाने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन उसने मौके पर ही दम तोड़ दिया। वालों के अनुसार, दोनों भाइयों के बीच संपत्ति और घरेलू कलह को लेकर कई दिनों से तनाव था। हालांकि किसी ने यह अनुमान नहीं लगाया था कि तनाव इस हद तक बढ़ जाएगा। घटना के बाद आरोपी छोटा भाई फरार हो गया। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए तीन लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। सूचना मिलते ही डीएसपी कुमार चंदन और थाना अध्यक्ष बवन कुमार मौके पर पहुंचे। उन्होंने ग्रामीणों से पूछताछ की और घटनास्थल की जांच की। पुलिस ने चाकू समेत कई महत्वपूर्ण सबूत जब्त किए हैं। डीएसपी कुमार चंदन ने बताया कि प्रारंभिक जांच में पारिवारिक विवाद का मामला सामने आया है। तीन लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है और कई अहम सुराग मिले हैं। उन्होंने यह भी कहा कि जल्द ही मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया जाएगा।घटना के बाद पूरे बेतौना गांव में शोक की लहर है। मृतक के परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है। ग्रामीणों का कहना है कि दोनों भाई मेहनती और सरल स्वभाव के थे, परंतु संपत्ति विवाद ने उनके रिश्ते में खटास पैदा कर दी। ग्रामीणों ने दोषियों को कड़ी सजा देने की मांग की है ताकि भविष्य में ऐसी घटनाएं न हों। के पिता ने पुलिस से न्याय की मांग की है। उन्होंने कहा कि उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि उनका छोटा बेटा ऐसा कदम उठा सकता है। परिजन सरकार से मुआवजे की भी मांग कर रहे हैं, क्योंकि मृतक परिवार का मुख्य कमाने वाला सदस्य था। पड़ोसियों के अनुसार, पिछले कुछ दिनों से घर में कलह चरम पर थी और कई बार पंचायत ने भी समझौता कराने की कोशिश की, लेकिन विवाद शांत नहीं हुआ। डीएसपी कुमार चंदन ने बताया, ह्लपुलिस मामले की हर पहलू से जांच कर रही है। साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। फोरेंसिक जांच के लिए चाकू भेज दिया गया है और पोस्टमार्टम रिपोर्ट से घटनाक्रम और स्पष्ट होगा।ह्व पुलिस की मानें तो आरोपी के खिलाफ हत्या की धारा में प्राथमिकी दर्ज की जाएगी और किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा। उयह घटना एक बार फिर दिखाती है कि छोटे-छोटे विवाद यदि समय रहते नहीं सुलझाए जाएं तो वे भयावह परिणाम दे सकते हैं। पारिवारिक संवाद की कमी और गुस्से पर नियंत्रण न होना ऐसे अपराधों को जन्म देता है। स्थानीय प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि किसी विवाद को हिंसा का रूप न दें और कानून का सहारा लें। गांव में एहतियातन पुलिस बल की तैनाती की गई है और माहौल तनावपूर्ण लेकिन नियंत्रण में बताया जा रहा है।

पुलिस की त्वरित कार्रवाई

सूचना मिलते ही डीएसपी कुमार चंदन और थाना अध्यक्ष बवन कुमार मौके पर पहुंचे। उन्होंने ग्रामीणों से पूछताछ की और घटनास्थल की जांच की। पुलिस ने चाकू समेत कई महत्वपूर्ण सबूत जब्त किए हैं। डीएसपी कुमार चंदन ने बताया कि प्रारंभिक जांच में पारिवारिक विवाद का मामला सामने आया है। तीन लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है और कई अहम सुराग मिले हैं। उन्होंने यह भी कहा कि जल्द ही मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया जाएगा।

घर के बाहर गाड़ी लगाना पड़ गया महंगा नई बाइक में बदमाशों ने लगा दी आग

एजेंसी। पटना

घर में बाइक पार्किंग की सुविधा नहीं रहने के चलते बाइक घर के बाहर लगाई गयी थी। जो बदमाशों को नागवार गुजरा, उन्होंने घर के बाहर खड़ी नई बाइक में आग लगा दी और मौके से फरार हो गये। हाल ही में इस बाइक को खरीदी गयी थी। नई बाइक से अचानक धूंआ निकलता देख ऑनर घर के बाहर निकला और काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया लेकिन तब तक नई बाइक जलकर खाक हो गयी। बाइक के मालिक ने सुबह में ही दस लीटर पेट्रोल भराया था, समय रहते गाड़ी के मालिक ने आग को बुझा लिया नहीं तो बड़ी घटना हो सकती थी। बाइक के मालिक ने दो युवकों को भागते देखा था उसे पकड़ने की कोशिश भी की लेकिन सफलता हाथ नहीं लगी। ऑनर का कहना है कि उन्ही दोनों युवकों ने उनकी बाइक जलाई है। पीड़ित ने सबसे पहले डायल 112 को फोन किया। सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने पूरी घटना को

कैमरे में कैद किया और पीड़ित से पूछताछ कर चले गये। जिसके बाद पीड़ित ने थाने पहुंचकर इसकी रिपोर्ट दर्ज करायी। जिस जगह पर बाइक लगी हुई थी वहां कैमरा नहीं लगा हुआ था, यदि सीसीटीवी लगा रहता तो बदमाशों की तस्वीर कैद हो जाती और वह अभी तक पकड़ा जाता। घटना कैमूर जिले के मोहनियां थाना क्षेत्र के बेलौड़ी गांव की है। जहां नसीम अंसारी का घर है. नसीम ने हाल ही में बाइक खरीदी थी। वो हैदराबाद रहता हैं, वही काम करता है। छुट्टी में वो घर पर आया हुआ था। बुधवार की रात करीब 10 बजे उसने अपनी नई बाइक को रोजाना की तरह घर के बाहर खड़ा कर सोने चला गया। तभी अगले दिन अहले सुबह साढ़े तीन बजे किसी ने उसकी बाइक को आग के हवाले कर दिया। बाइक के जलने के बाद उसमें से निकल रहे धूंए को देखकर वह घर से बाहर निकला तो देखा कि बाइक में किसी ने आग लगा दी है और वह धू-धूकर कर जल रहा था। पेट्रोल टैंक में 10 लीटर तेल था, किसी तरह नसीम ने आग पर काबू पाया और बड़ी घटना होने से बचाया।

10वीं बार बिहार के मुख्यमंत्री बने नीतीश कुमार तेजस्वी के बाद अखिलेश यादव ने भी दी बधाई

एजेंसी। पटना

पटना के ऐतिहासिक गांधी मैदान में आज 20 नवंबर को भव्य तरीके से शपथग्रहण समारोह आयोजित किया गया। 10वीं बार नीतीश कुमार ने मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। बिहार की राजनीति के लिए आज का दिन ऐतिहासिक रहा। नीतीश कुमार के 10वीं बार मुख्यमंत्री बनने पर विपक्ष की ओर से लगातार बधाईयां दी जा रही है। तेजस्वी यादव के बाद समाजवादी पार्टी के सुप्रीमों अखिलेश यादव ने नीतीश कुमार को बधाई और शुभकामनाएं दी है। अखिलेश यादव ने नीतीश कुमार की पुरानी फोटो को सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर शेयर किया है. जिसमें अखिलेश यादव भी साथ नजर आ रहे हैं। यूपी के पूर्व सीएम और समाजवादी पार्टी के सुप्रीमो अखिलेश यादव ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को एक्स पर बधाई दी। कहा कि बिहार के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने पर श्री नीतीश कुमार जी को बधाई और आगामी पूरे पाँच सालों के लिए उनकी अपनी मूल समाजवादी विचारधारा पर आधारित स्वतंत्र शासन-प्रणाली चलाने और जनहितकारी सकारात्मक कार्य करने

के लिए शुभकामनाएँ! वही तेजस्वी यादव ने बधाई देते हुए एक्स पर लिखा कि आदरणीय श्री नीतीश कुमार जी को बिहार के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने पर हार्दिक बधाई। मंत्रिपरिषद् के सदस्य के रूप में शपथ लेने वाले बिहार सरकार के सभी मंत्रियों को हार्दिक शुभकामनाएँ। आशा है नई सरकार जिम्मेदारीपूर्ण लोगों की आशाओं और अपेक्षाओं पर खरा उतर अपने वादों एवं घोषणाओं को पूरा करेगी तथा बिहारवासियों के जीवन में सकारात्मक व गुणात्मक परिवर्तन लाएगी। बता दें कि नीतीश कुमार ने आज मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। इनके साथ-साथ सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा ने भी बिहार के डिप्टी सीएम पद की शपथ ली।

मोकामा के विधायक अनंत सिंह को बड़ा झटका दुलारचंद हत्याकांड में जमानत याचिका खारिज

एजेंसी। पटना

मोकामा विधानसभा सीट से विधायक बने अनंत सिंह को आज सिविल कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। उनकी जमानत याचिका को खारिज कर दिया गया है। इसके बाद इनके वकील का कहना है कि यह इसको कुछ उच्च न्यायालय में अपनी गुहार लगाएंगे। अनंत सिंह को मोकामा के तारतर इलाके में हुए दुलारचंद हत्याकांड में आरोपी बनाकर पुलिस ने अरेस्ट किया था और उसके बाद इन्हें 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया था। इसके बाद आज इनके तरफ से अदालत में जमानत याचिका डाली गई थी। लेकिन इस याचिका को कोर्ट ने खारिज कर दिया है। जमानत याचिका में अनंत सिंह ने अपनी ओर से कई अहम तर्क रखे हैं। उन्होंने कहा है कि वे राजनीतिक प्रतिशोध के शिकार हैं। उनके अनुसार दुलारचंद यादव की हत्या से उनका न तो प्रत्यक्ष और न ही अप्रत्यक्ष कोई संबंध है। उन्होंने दावा किया कि पीड़ित परिवार द्वारा लगाए गए आरोप उनके राजनीतिक करियर और जनाधार को कमजोर करने की साजिश के तहत लगाए गए हैं। अनंत सिंह के तरफ से यह कहा गया कि

चुनाव प्रचार के दौरान दोनों दलों के काफिलों का आमने-सामने आना और बहस होना एक साधारण मौखिक विवाद था। इसमें किसी भी प्रकार की साजिश, हमला योजना या हिंसक इरादा नहीं था। उन्होंने अदालत से कहा कि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में दुलारचंद की मौत का कारण गोली नहीं, बल्कि गंभीर चोट पाई गई है। यह बात बुनियादी रूप से घटना को लेकर उनके खिलाफ लगाए गए आरोपों पर सवाल खड़ा करती है। उअनंत सिंह ने कोर्ट को बताया कि गिरफ्तार होने के बाद उन्होंने जांच में पूरा सहयोग किया है। उन्होंने कहा कि पुलिस ने उनके पास से कोई हथियार, विस्फोटक या आपत्तिजनक वस्तु बरामद नहीं की है। इसके बावजूद उन्हें मुख्य आरोपी के रूप में जेल भेजा गया। वर्तमान में अनंत सिंह बेऊर जेल में बंद हैं। वे इस हाई-प्रोफाइल हत्या मामले के मुख्य आरोपी हैं। लेकिन उनकी जमानत याचिका को लेकर जो तर्क दिए गए हैं, उनके आधार पर आज अदालत का फैसला बेहद अहम माना जा रहा है। 29 अक्टूबर को मोकामा के घोसवरी थाना क्षेत्र के बसावनचक गांव में चुनाव प्रचार अभियान के दौरान तनावपूर्ण स्थिति बन गई थी। इसी दौरान राजद नेता और जनसुराज समर्थक दुलारचंद यादव गंभीर रूप से घायल हो गए थे।

बिहार की धरती पर आ रहा दुनिया का सबसे बड़ा शिवलिंग

- **तमिलनाडु से 96 चक्कों की स्पेशल रथ पर आज होगा रवाना**

एजेंसी। पटना

विराट रामायण मंदिर का निर्माण बिहार के पूर्वी चंपारण जिले के केसरिया और चकिया के बीच जानकीनगर में हो रहा है। जो आचार्य किशोर कुणाल का ड्रीम प्रोजेक्ट है। बिहार के इस सबसे बड़े मंदिर में दुनिया का सबसे बड़ा शिवलिंग स्थापित किया जाएगा। जिसे तमिलनाडु के महाबलीपुरम से लाया जाएगा। 96 चक्कों की गाड़ी पर रखकर इस सबसे बड़े शिवलिंग को चकिया लाया जाएगा। 21

नवंबर को तमिलनाडु के महाबलीपुरम से यह बिहार के लिए रवाना होगा। इसे लाने के लिए महावीर मंदिर के सुपरिटेंडेंट के.सुधाकरण और जनसंपर्क पदाधिकारी अजय कुमार सिंह महाबलीपुरम जा रहे हैं। महाबलीपुरम में पहले शिवलिंग की पूरे विधि-विधान से पूजा की जाएगी उसके बाद 5 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से इसे 96 चक्कों की स्पेशल गाड़ी पर लाया जाएगा। इसे बिहार लाने में करीब डेढ़ महीने का समय लग सकता है। इसका वजह बहुत ज्यादा है जिसे सही सलामत मंदिर तक लाने के लिए चकिया से कैथवलिया तक पुल और पुलिया का निर्माण कराया जा रहा है। 12 किलोमीटर तक सड़कों का निर्माण तेजी से हो रहा है। इस बात की जानकारी महावीर मंदिर न्यास के सदस्य सायण कुणाल ने दी है। उन्होंने बताया कि जिस शिवलिंग को महाबलीपुरम से लाया जा रहा है वह विश्व का सबसे बड़ा मोनोलिथ स्ट्रक्चर का शिवलिंग है। जिसकी ऊंचाई 33 फीट और गोलाई भी 33 फीट ही है। जिसका वजन भी ज्यादा है। वजन 210 मीट्रिक टन बताया जा रहा है। 96 चक्कों की विशेष रथ से इसे लाया जाएगा। साथ में रथ पर एक हजार छोटे शिवलिंग भी रहेगा। इसे सहस्त्रलिंगम के रूप में जाना जाता है। ब्लैक ग्रेनाइट पत्थर की चट्टान को तराशकर इस शिवलिंग का निर्माण किया गया है। चांदी के 15 फीट ऊंचे अरघा पर यह शिवलिंग स्थापित होगा।सायण कुणाल ने बताया कि महाबलीपुरम से बिहार के लिए जब यह वोल्वो हाइड्रोलिक पुलर रथ रवाना होगी तब जगह-जगह पर इसे रोका जाएगा और पूजा-पाठ किया जाएगा। इस रथ का लोग स्वागत करेंगे। इस गाड़ी के साथ-साथ एक स्क्वाड भी मौजूद रहेगा। बता दें कि विराट रामायण मंदिर का निर्माण महावीर मंदिर न्यास समिति की ओर से कराया जा रहा है। 20 जून 2023 को इस भव्य मंदिर का भूमि पूजन और शिलान्यास हुआ था। तब से इस मंदिर का निर्माण कार्य युद्ध स्तर पर जारी है। मंदिर का प्रवेश द्वार, सिह द्वार, गणेश स्थल, नंदी, शिवलिंग, गर्भ गृह के पाइलिंग का काम पूरा हो चुका है। रामायण मंदिर की लंबाई 1080 फीट और चौड़ाई 540 फीट है। जिसमें कुल 22 मंदिर और 4 आश्रम होंगे। इसकी दूरी पटना से 120 किलोमीटर है। मंदिर का निर्माण 120 एकड़ में हो रहा है।

धनरूआ में दो फरार अभियुक्तों के घरों पर पुलिस ने चिपकाया इश्तेहार, बीएनएस की गंभीर धाराओं में मामला दर्ज

एजेंसी। पटना

पटना के धनरूआ थाना क्षेत्र से फरार दो अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस ने कार्रवाई की लेकिन वो हाथ नहीं आया तब दोनों घर पर इश्तेहार चिपकाए हैं। यह कार्रवाई कांड संख्या 533/25 में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएस) की गंभीर धाराओं के तहत दर्ज मामले के संदर्भ में की गई है।धनरूआ थाना प्रभारी आलोक कुमार ने बताया कि धनरूआ थाना क्षेत्र के नीमा गांव निवासी कालेश्वर शर्मा के पुत्र कौशलेंद्र उर्फ संजय और स्व. बहादुर शर्मा के बेटे कौशल शर्मा के घर पर इश्तेहार चिपकाया गया है। ये दोनों पुलिस की फरार चल रहे हैं। इनकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस ने छापेमारी की लेकिन हाथ नहीं आए। अब इनके घर पर इश्तेहार लगाया गया है, यदि फिर भी ये उपस्थित नहीं होते हैं तब कुर्की जब्ती की कार्रवाई की जाएगी। ने दंड प्रक्रिया संहिता के प्रावधानों के तहत यह इश्तेहार जारी करते हुए दोनों अभियुक्तों को निर्धारित समयावधि में थाना में उपस्थित होने का निर्देश दिया है। इश्तेहार में स्पष्ट चेतावनी दी गई है कि यदि वे निर्धारित अवधि में आत्मसमर्पण नहीं करते हैं, तो उनके विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

सुभाषितम्

आकाश में उड़ने वाले पंछी को भी अपने घर की याद आती है।

- प्रेमचंद

यूक्रेन-रूस टकराव में अमेरिकी हथियारों की भूमिका

युद्ध कभी भी सभ्य समाज की पहचान नहीं होती और न ही युद्ध किसी सभ्य समाज की स्थापना में सहायक सिद्ध हो सकता है। मानव जनित समस्याओं का हल आपसी बातचीत से निकालना सभ्य समाज की देन है। इसके विपरीत स्वयं के फैसलों और मन-मर्जी को मनवाने के लिए क्रूरता की हदें पार करते हुए किसी पर युद्ध थोप देना उचित नहीं कहा जा सकता है। इससे भी ज्यादा निकृष्ट कार्य युद्ध के लिए किसी को प्रेरित करना या किसी के संबंधों को खराब कर अपना उल्लू सीधा करना होता है। अब जबकि यूक्रेन और रुस के बीच युद्ध अपने तीसरे वर्ष में प्रवेश कर चुका है और अब जबकि यह संघर्ष केवल दो देशों के बीच की सीमित लड़ाई न रहकर वैश्विक सामरिक प्रतिस्पर्धा का मंच बन चुका है। ऐसे में संपूर्ण दुनिया के शांतिप्रिय देशों के लिए यह युद्ध चिंता का विषय बन जाना उचित ही है। दरअसल हाल की घटना, जिसमें रूस ने दावा किया कि उसने अमेरिकी मिसाइलों को हवा में ही मार गिराया और यूक्रेन की लॉन्च साइट को नष्ट कर दिया है। इससे यूक्रेन को जंगी सामान मुहैया कराने और अन्य अमेरिकी सहयोग का खुलासा हुआ है। इसके साथ ही इस घटना और खुलासे ने युद्ध में इस्तेमाल आधुनिक तकनीक, खुफिया क्षमता और अंतरराष्ट्रीय हथियार पर आधारित राजनीति के महत्व को भी उजागर कर दिया है। रूसी रक्षा मंत्रालय का कहना है, कि यूक्रेन ने खार्कोव क्षेत्र से अमेरिका द्वारा निर्मित चार एटीएसीएमएस बैलिस्टिक मिसाइलें रूसी शहर वोरोनेज की ओर दागीं। यह मिसाइल लगभग 300 किलोमीटर की रेंज और अत्याधिक तेज गति के कारण यूक्रेन को रूस की गहराई तक प्रहार करने की क्षमता देती हैं। अमेरिका ने हाल ही में यूक्रेन को यह उन्नत मिसाइलें सौंपने का फैसला लिया था ताकि यूक्रेन रूसी सैन्य ठिकानों पर प्रभावी जवाब दे सके। अब विचार करने वाली बात तो यह है कि एक तरफ अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप दुनियां से कहते नहीं थक रहे कि वो शांति के पुजारी हैं और उन्हें ही शांति नोबल पुरस्कार मिलना चाहिए, जो इस बार तो नहीं मिल सका। इसके लिए उन्होंने बारंबार दावा किया कि भारत-पाकिस्तान के बीच संभावित युद्ध को रोकने में उन्होंने ही मदद की। इसके अलावा उन्होंने दावा किया कि हमास और इजराइल के बीच शांति उन्होंने ही कराई और फिर रुस व यूक्रेन युद्ध रोकने के प्रयासों का भी बढ़-चढ़कर बखान करते देखे जा रहे हैं। ऐसे में सवाल यही किया जा रहा है कि आखिर जब शांति की बात की जा रही है तो जंग को आगे बढ़ाने के लिए युद्ध सामग्री क्योंकर दी जा रही है? यह उनकी कथनी और करनी में अंतर को प्रदर्शित करता है। बहरहाल रूस का दावा है कि उसकी बहु-स्तरीय एयर डिफेंस प्रणाली ने मिसाइल हमले को शुरू होने से पहले ही नाकाम कर दिया। रूसी रेकॉन फ्लाइट ने लॉन्चिंग की गतिविधि को पहचान लिया और फिर एस-400 ट्रायंफ तथा पंतसिर-एस1 सिस्टम ने हवा में ही चारों मिसाइलों को नष्ट कर दिया। रूस का कहना है कि जासूसी, रोकथाम और जवाबी कार्रवाई, तीनों स्तरों पर उसकी सेनाओं ने समन्वित और प्रभावी काम किया। यहां बताते चलें कि एस-400 दुनिया के सबसे उन्नत एयर डिफेंस सिस्टम में माना जाता है, जो 400 किमी तक के लक्ष्यों को इंटरसेप्ट कर सकता है। पंतसिर-एस1 निकट दूरी की सुरक्षा देता है और दोनों मिलकर बहु-स्तरीय सुरक्षा तैयार करते हैं। कई देशों जिनमें भारत, तुर्की, चीन शामिल हैं ने भी इस प्रणाली को खरीदा है, जो इसकी सामरिक प्रभावशीलता को दर्शाता है। यदि रूस का दावा सही है, तो यह सिस्टम न केवल बैलिस्टिक मिसाइल डिफेंस में बल्कि वास्तविक युद्ध परिस्थितियों में भी प्रभावशाली साबित हो रहा है। लॉन्च साइट को नष्ट करने का दावा भी महत्वपूर्ण है। यह अलग बात है कि यूक्रेन ने इस घटना पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं दी है। युद्ध के इतिहास में अक्सर दावे और प्रतिदावे समय के साथ स्पष्ट होते हैं, इसलिए स्वतंत्र पुष्टि का इंतजार आवश्यक है।

चिंतन-मनन

सेवाभाव ही सर्वोपरि

एकनाथ देवगढ़ राज्य के दीवान जनार्दन स्वामी के शिष्य। एक बार गुरू देव ने एकनाथ को राजदरबार का हिसाब करने को कहा। एकनाथ बहि-खाता लेकर हिसाब करने बैठ गये। दूसरे ही दिन सुबह हिसाब राजदरबार में देना था। सारा दिन हिसाब लिखने और करने में बीत गया। दिन में बैठे कब रात हो गयी उन्हें पता ही न चला। सेवक दीपक जलाकर चला गया। हिसाब में एक पायी की भूल आ रही था। आधी रात बीत गयी मगर भूल पकड़ में ही नहीं आ रही थी। संत जी हिसाब में खोये रहे। भोर फटते ही गुरू देव एकनाथ के कमरे में आए तो सेत जी को हिसाब में खोये पाया। बहियों पर अंधेरा होने पर भी एकनाथ हिसाब में लगे रहे। इतने में एक पायी की भूल पकड़ में आ गयी। एकनाथ खुशी से चिल्ला पड़े,मिल गयी,मिल गयी। गुरू देव ने पूछा,क्या मिल गया बेटा? एकनाथ विस्मय से बोले कि हिसाब में एक पायी की भूल पकड़ में नहीं आ रही थी वह मिल गयी है। लाखों के हिसाब में एक पायी की भूल के लिए रात भर का जागरण। गुरू देव की सेवा में इतनी लगन और दृढ़ निश्चय देखकर गुरू देव के दिल से गुरूकृपा बह निकली क्योंकि उन्हें ज्ञानामृत की वर्षा करने के लिए योग्य अधिकारी जो मिल गया था।

पुतिन की भारत यात्रा और जयशंकर-लावरोव वार्ता

-कांतिलाल मांडोत

भारत और रूस के बीच संबंध इतिहास, भावनाओं और रणनीतिक विश्वास पर आधारित रहे हैं। शीतयुद्ध के दौर से लेकर आज के बहुध्रुवीय विश्व तक, दोनों देशों ने एक-दूसरे को कठिन समय में निरंतर साथ दिया है। वर्ष 2025 में जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की मुलाकात की तैयारियाँ जारी हैं, उसी बीच विदेश मंत्री एस. जयशंकर की मॉस्को यात्रा ने इन रिश्तों को नई दिशा देने का अवसर प्रदान किया है। भारत-रूस रिश्तों में नई गर्माहट दिख रही है।ऊर्जा, रक्षा, अंतरिक्ष, आर्कटिक सहयोग, कनेक्टिविटी तथा वैश्विक राजनीति में दोनों की साझा समझ इन संबंधों को और मजबूत बनाती है। इन बदलावों का भारत और रूस के भविष्य के द्विपक्षीय संबंधों पर अच्छा प्रभाव पड़ेगा। पुतिन की प्रस्तावित भारत यात्रा का महत्व से बदलेंगे समीकरण और भारत रूस के साथ गाढ़ होंगे राजनयिक और दोनो देशो के बीच सम्बन्ध।व्लादिमीर पुतिन की भारत यात्रा कई कारणों से ऐतिहासिक मानी जा रही है।रूस और भारत के बीच सदियों से घनिष्ठ दोस्त है।भारत रूस से अमेरिका के विरोध के बावजूद खरीद रहा है।रूस हर समय भारत को साथ देता आ रहा है।

द्विपक्षीय उच्चस्तरीय संवाद की बहाली होगी।पिछले कुछ वर्षों में रूस युद्ध, पश्चिमी प्रतिबंधों और वैश्विक तनावों से घिरा रहा। ऐसे समय में जब रूस को रणनीतिक साझेदारों की आवश्यकता है, भारत उसकी कूटनीतिक प्राथमिकता बन गया है। पुतिन की यात्रा साफ संकेत देती है कि रूस भारत को एक विश्वसनीय, स्वतंत्र और बहुध्रुवीय शक्ति के रूप में देखता है। रक्षा और टेक्नोलॉजी सहयोग की नई परत खुलेगी।भारत-रूस रक्षा सहयोग दुनिया में प्रसिद्ध है, पर अब यह महज हथियारों की खरीद से आगे बढ़कर संयुक्त उत्पादन, तकनीकी स्थानांतरण और दीर्घकालिक साझेदारी में बदल रहा है। चीन-रूस निकटता और भारत की स्वतंत्र कूटनीति से हालत सुधर रहे है।

रूस की चीन के साथ बढ़ती रणनीतिक साझेदारी के बावजूद, वह भारत के साथ अपने संबंधों को एक संतुलक शक्ति के रूप में बनाए रखना चाहता है। भारत भी रूस के साथ मजबूत संबंधों को चीन के विरुद्ध किसी गुट में नहीं बदलना चाहता, बल्कि रणनीतिक स्वायत्तता का मार्ग अपनाता है।भारत की ऊर्जा सुरक्षा के बेहतर परिणाम है। पुतिन की यात्रा के दौरान ऊर्जा क्षेत्र कच्चा तेल, गैस, छठऋ परमाणु ऊर्जा, आर्कटिक परियोजनाएँ और दीर्घकालिक आपूर्ति पर बड़े समझौते होने की संभावना है। रूस भारत का शीर्ष कच्चा तेल आपूर्तिकर्ता बन चुका है। विदेश मंत्री एस जयशंकर-लावरोव वार्ता से इस सदी की कूटनीति का संकेत मिल रहा है।भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर और रूस के विदेश मंत्री सेर्गेई लावरोव दुनिया के सबसे अनुभवी राजनयिकों में गिने जाते हैं। उनके बीच हुई वार्ता में निम्न मुद्दों पर गहन चर्चा हुई है। रक्षा और सुरक्षा सहयोग का विस्तार भारत-रूस रक्षा सहयोग का ढांचा तीन प्रमुख स्तंभों पर आधारित है। सैन्य तकनीक और आपूर्ति र-400 की डिलीवरी, फ्रिगेट्स, एयरक्राफ्ट, पनडुब्बियाँ और संयुक्त विकास ब्रह्मोस मिसाइल, सुपरसोनिक सिस्टम, संभावित हाइपरसोनिक भी शामिल है। जयशंकर और लावरोव की मुलाकात में इन सभी परियोजनाओं को नए सिरे से तेजी देने की चर्चा हुई है। भारत अब रूस से केवल हथियार खरीदना नहीं चाहता, बल्कि प्रौद्योगिकी साझेदारी और स्थानीय उत्पादन पर जोर देता है।रूस के लिए भारत एक स्थिर व बड़ा बाजार है, इसलिए यह साझेदारी दीर्घकालिक रूप से दोनों के लिए लाभकारी बनती है। ऊर्जा सहयोग भारत की दीर्घकालिक सुरक्षा का एक दीर्घ रूप है।रूस भारत की ऊर्जा रणनीति का मुख्य आधार बन चुका है।भारत के कच्चे तेल आयात में रूस की हिस्सेदारी 30-35% तक पहुंच चुकी है। रूस भारत को भारी डिस्काउंट पर तेल बेचता है। पाइपलाइन गैस पर भी दोनों देश नई चर्चा कर रहे हैं। जयशंकर-लावरोव वार्ता में तीन प्रमुख ऊर्जा योजनाओं पर ध्यान दिया गया। रूस के साथ दीर्घकालिक ऊर्जा साझेदारी भारत की भविष्य की ऊर्जा सुरक्षा के लिए बेहद महत्वपूर्ण मानी जा रही है। भू-रणनीतिक मुद्दे पर भी दुनिया की नजर थी।यूक्रेन, चीन और पश्चिम भारत और रूस कई मुद्दों पर एक-दूसरे की स्थिति को समझते हैं।भारत यूक्रेन युद्ध में शांतिपूर्ण समाधान और संवाद की नीति रखता है, रूस इसे स्वीकार करता है।रूस चीन के साथ संबंधों को मजबूरन बढ़ा रहा है, पर भारत को उसका संतुलित महत्व देता है। भारत पश्चिम और रूस दोनों के साथ स्वतंत्र, संतुलित संबंध रखता है।रूस इसे सम्मान देता है।इसलिए जयशंकर-लावरोव वार्ता ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विश्वास-निर्माण को और गहरा किया। चाबहार, आर्कटिक पर नजर रही । भारत और रूस मिलकर एक विशाल कनेक्टिविटी नेटवर्क बना रहे है। लागत कम, समय कम, भारत को यूरोपीय बाजारों से जोड़ता है।भारत की रणनीतिक परियोजना मेंयह भारत-रूस व्यापार के समुद्री मार्गों को मजबूत करेगा।रूस चाहता है कि भारत आर्कटिक में ऊर्जा व टेक्नोलॉजी परियोजनाओं में भूमिका निभाए। भारत भविष्य की ऊर्जा जरूरतों के लिए इसे महत्वपूर्ण मानता है। भारत-रूस के अंतरिक्ष सहयोग का लंबा इतिहास रहा है।भारत के प्रथम अंतरिक्ष यात्री राकेश शर्माकई उपग्रह परियोजनाएँ गगनयान मिशन में रूस की तकनीकी सहायता की गहन चर्चा है।जयशंकर-लावरोव मुलाकात में निम्न विषयों पर भी चर्चा हुई संयुक्त उपग्रह निर्माण स्पेस साइंस सहयोग ग्लोबल नेविगेशन सिस्टम्स में तकनीकी साझेदारी आदि अग्रिम पंक्ति में शामिल हुई।पुतिन की यात्रा दोनों देशों के भविष्य को कैसे प्रभावित करेगी? पुतिन की भारत यात्रा निम्न क्षेत्रों में निर्णायक बदलाव ला सकती है। जिसमे रक्षा क्षेत्र में नई पीढ़ी की साझेदारी, अगली पीढ़ी की मिसाइल प्रणालियाँ, पनडुब्बी टेक्नोलॉजी, एयर डिफेंस सिस्टम और हाइपरसोनिक प्लेटफॉर्म पर सहयोग बढ़ने की उम्मीद है। भारत रूस से ऐसी तकनीक चाहता है जो दीर्घकालिक सुरक्षा ढांचे को मजबूत करे। ऊर्जा डील हुई है। जिसमे20 वर्षों का दीर्घकालिक समझौता संभव

भारत और रूस बीच एक बड़े दीर्घकालिक कच्चा तेल और छठऋ आपूर्ति समझौते की संभावना है। यह वैश्विक कीमतों में उतार-चढ़ाव से भारत को सुरक्षा देगा।रुपया-रूबल व्यापार व्यवस्था को और मजबूत किया जाएगा।इससे डॉलर पर निर्भरता घटेगी और दोनों देशों के बीच व्यापार आसानी से बढ़ेगा। फिलिपींस के बाद कई अन्य देश ब्रह्मोस में रुचि दिखा रहे हैं। पुतिन की यात्रा में इसे एक द्विपक्षीय रक्षा निर्यात प्लेटफॉर्म बनाने पर चर्चा संभव है। यूक्रेन युद्ध के बाद वैश्विक शक्ति संतुलन बढ़ा है। भारत रूस का वह विश्वसनीय मित्र है जिसने प्रतिबंधों के बावजूद रूस से व्यापार बढ़ाया है।ऊर्जा खरीदकर रूस की अर्थव्यवस्था को सहयोग दिया है।

पूरे देश में शुरू होगी चुनाव पूर्व रेवड़ी वितरण नीति?

- निर्मल रानी

बिहार चुनाव परिणाम आ चुके हैं। परिणामों को लेकर तरह तरह से समीक्षाएँ की जा रही हैं। विपक्ष तो इस चुनाव को जनादेश के बजाये ज्ञानादेश कहकर चुनाव आयोग की निष्पक्षता व विश्वसनीयता पर ही सीधा सवाल खड़ा कर रहा है। कुछ समीक्षकों की नजरों में धर्म निरपेक्ष मतों के विभाजन के कारण ऐसे परिणाम आये तो कुछ का आंकलन है कि महिला मतों ने चुनाव में निर्णायक भूमिका अदा की। मगर सच तो यह है कि जिसतरह के चुनाव परिणाम आये हैं उसका अंदाजा स्वयं भारतीय जनता पार्टी को भी नहीं था क्योंकि गृह मंत्री अमितशाह ने भी अब की बार 160 की विजय सीमा निर्धारित की थी जबकि 202 सीटों पर राजग ने फतेह हासिल की। महिलाओं द्वारा राजग के पक्ष में किये गए बंपर मतदान को लेकर यही कहा जा रहा है कि जिस समय चुनाव की घोषणा के दिन आचार संहिता का सरेआम उल्लंघन करते हुये बिहार में लगभग 1 करोड़ 51 लाख महिलाओं के खाते में 10000 रुपये डाले गए थे उसी समय से यह अंदाजा लगाया जाने लगा था कि चुनाव का रुख नितीश सरकार के पक्ष में जा सकता है। कहा यह भी जा रहा है कि विश्व बैंक से किसी अन्य परियोजना के लिए प्राप्त धनराशि को केंद्र सरकार ने बिहार विधानसभा चुनाव के लिए डायवर्ट किया और उन्हीं पैसों को राज्य की महिला मतदाताओं में बांट दिया गया। यही पैसे लगभग डेढ़ करोड़ महिला मतदाताओं के खाते में 10,000 रुपये प्रति खाते की दर से हस्तानांतरित कर दिये गये। गोया लगभग 40 हजार करोड़ रुपयों की भारी अनुमानित रकम रेवड़ियों की तरह बाँट दी गयी। चुनाव पूर्व रेवड़ी आवंटन का यही फामूर्ला जिसे सीधे शब्दों में पैसे देकर वोट खरीदना भी कहा जा सकता है, पूर्व में मध्य प्रदेश,हरियाणा, महाराष्ट्र, दिल्ली में विभिन्न योजनाओं के नाम पर और अब बिहार में नकद वितरण के रूप में सफलता पूर्वक आजमाया जा चुका है। चुनाव घोषित होने के बावजूद आचार संहिता का सरेआम उल्लंघन करते हुये सरकारी खजाने से लोगों के खातों में बड़ी राशि डालने का सीधा अर्थ है वोट खरीदना। और चिंताजनक यह है कि यह अनैतिक व गैर कानूनी काम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी,भाजपा व उनके सहयोगी दलों द्वारा खुले तौर पर किया गया। सवाल यह है की पूर्व में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा रेवड़ी बांटने के इस चलन को लेकर दिये गये प्रवचन क्या केवल विपक्ष के लिये ही थे स्वयं उनकी भाजपा या राजग दलों के लिये नहीं? याद कीजिये जब जुलाई 2022 को लखनऊ में एक कार्यक्रम में मोदी जी फरमाते हैं कि ये रेवड़ी बाँटने की संस्कृति देश के लिए बहुत खतरनाक है। जो रेवड़ी बाँट रहे हैं, वो आपके बच्चों का हक मार रहे हैं। यह रेवड़ी संस्कृति देश के विकास को खा जाएगी। फ्री की रेवड़ी बांटकर वोट लेने की होड़ देश को दीवालिया बना देगी। यह आने वाली पीढ़ियों के साथ बहुत बड़ा अन्याय है। प्रधानमंत्री तो मुफ़्त के रेवड़ी कल्चर से इतना आहत थे कि 15 अगस्त 2022 को लाल किले से अपने स्वतंत्रता दिवस के भाषण में भी उन्हें इसका जिक्र करते हुये कहना पड़ा था कि हमें रेवड़ी कल्चर से बचना होगा जो देश को तबाह कर देगा। उस समय उन्होंने राज्य सरकारों विशेषकर विपक्ष शासित राज्यों पर निशाना साधते हुए कहा था कि मुफ़्त बिजली, मुफ़्त पानी,मुफ़्त बस यात्रा आदि जैसी योजनाएँ चुनावी लाभ के लिए लाई जा रही हैं, जो राज्यों की आर्थिक स्थिति को कमजोर कर रही हैं। उनकी यह टिप्पणी खासतौर पर उस समय की दिल्ली, पंजाब, पश्चिम बंगाल आदि की गैर बीजेपी सरकारों की मुफ़्त योजनाओं के संदर्भ में की गई थी। परन्तु उपरोक्त योजनाएं जिसे प्रधानमंत्री रेवड़ी बता रहे थे इसमें बिजली पानी बस यात्रा जैसी सुविधाएँ तो थीं परन्तु बिहार की तरह 10 हजार रुपए बिना किसी योजना के बैंक खतों में डालना, जिसे सीधे तौर पर पैसे देकर वोट खरीदने के सिवा और क्या कहा जा सकता है ऐसी कोई योजना नहीं थी? फिर मोदी जी का रेवड़ी संस्कृति को लेकर लाल किले तक से रुन्दन करना आखिर बिहार में कहाँ चला गया? क्या केवल विपक्षी दलों के लिये ही प्रधानमंत्री की ये नसीहत थी? और इन सबसे बड़ा सवाल अब भविष्य के चुनावों के लिए खड़ा हो गया है कि क्या अब भविष्य के चुनाव का आधार भी चुनाव पूर्व नकद वितरण ही हुआ करेगा? क्या बिजली, सड़क, पानी, शिक्षा, स्वास्थ, कानून व्यवस्था व भ्रष्टाचार जैसे अनेक जनहितकारी मुद्दे अब चुनावी मुद्दे नहीं हुआ करेंगे? नैतिक रूप से तो कर्ज मुआफी मुफ़्त बिजली, मुफ़्त पानी, मुफ़्त बस यात्रा जैसी सुविधाएँ देना भी मुनासिब नहीं परन्तु आश्चर्य तो यह है कि प्रधानमंत्री को इस तरह की योजनायें रेवड़ी नजर आ रही थीं तो बिहार में चुनाव के दौरान ही बिना किसी योजना के नकद पैसे बांटकर सीधे तौर पर वोट खरीदना कहाँ की नैतिकता है? बिहार में सरकार तो जरूर बन गयी है परन्तु सरकार बनाने के लिये मुफ़्त बांटे गये लगभग 40 हजार करोड़ रुपयों के बाद राज्य की आर्थिक स्थिति पर क्या फर्क पड़ेगा, क्या रेवड़ी बांटने वालों द्वारा इसका भी आंकलन किया गया है? और चुनाव आयोग द्वारा मूक दर्शक बनकर इस अनैतिक व गैर कानूनी काम को देखते रहना क्या सीधे तौर पर यह सन्देश नहीं देता कि यह सारा खेल सत्ता व चुनाव आयोग की सामूहिक मर्जी से रचा गया? बिहार के चुनावों में हुई इसतरह की मुफ़्त रेवड़ी बाँट ने भविष्य के चुनावों के लिये एक ऐसा खतरा पैदा कर दिया है जो न केवल देश की अर्थव्यवस्था को संकट में डाल सकता है बल्कि विश्व के उस सबसे बड़े लोकतंत्र के लिये भी खतरा व शर्मिन्दिगी का कारक है जिस पर प्रत्येक भारतवासी नाज करता है। यही भारतीय चुनाव हैं जिसकी व्यापक प्रक्रिया को देखने के लिये प्रायः दुनिया के नेता व अधिकारी आते रहते हैं। क्या अब हम दुनिया को यही बातयेंगे कि भारत में चुनाव नीतिगत आधार पर नहीं होते बल्कि यहाँ वोट खरीदे जाते हैं?

दूरदर्शन से स्मार्ट-टेलीविजन तक एक सदी की तकनीकी यात्रा

- दिलीप कुमार पाठक

आज दुनिया स्मार्टफोन के दौर में पहुँच गई है जहां 5ऋकी स्पीड से इंटरनेट लोगों के हाथों में पहुँच गया है ' बच्चे, वयस्क, यहां तक कि बुजुर्गों के हाथों में भी अब भरपूर इंटर्नेट की पहुँच ने संचार एवं मनोरंजन को और भी सुगम बना दिया है ' इससे इंकार नहीं किया जा सकता कि समय समय पर लोगों का इंट्रेस्ट बदलता रहता है, परंतु आज का दिन टैलीविजन को समर्पित हैं, जहां आज हम टेलिविजन का महत्व, इतिहास, एवं प्रभाव का अध्ययन करेंगे ' अंग्रेजी का शब्द टैलीविजन ग्रीक शब्द टैली और लैटिन शब्द विजन से मिलकर बना है। टैली का अर्थ है दूरी पर तथा विजन का अर्थ है देखना अर्थात जो दूर की चीजों का दर्शन कराए, वह टैलीविजन। आज दूर घटित घटनाओं को घर बैठे देख पाना टैलीविजन का ही कमाल है। इससे हम घर में बैठ कर दुनिया के किसी भी कोने में घटी घटना के प्रत्यक्षदर्शी बन जाते हैं। यह संचार का सर्वाधिक लोकप्रिय माध्यम है जिसका आविष्कार जॉन लोगी बेयर्ड ने 1925 में लंदन में किया था। जॉन बचपन के दिनों में बीमार रहा करते थे, इसलिए स्कूल नहीं जा पाते थे। 13 अगस्त, 1888 को स्कॉटलैंड में पैदा हुए जॉन को टैलीफोन का इतना क्रेज था कि 12 वर्ष की उम्र में उन्होंने खुद ही अपना टैलीफोन बना लिया। वह सोचा करते थे कि एक दिन ऐसा भी आएगा, जब लोग हवा के माध्यम से तस्वीरें भेज सकेंगे। उन्होंने वर्ष 1924 में बक्से, बिस्कुट के टिन, सिलाई की सूई, कार्ड और पंखे की मोटर का इस्तेमाल कर पहला टैलीविजन बनाया था। इसके बाद दुनिया के पहले कामकाजी टैलीविजन का निर्माण 1927 में फिलो फार्न्सवर्थ ने किया, जिसे 1 सितम्बर, 1928 को जनता के सामने पेश किया गया। जॉन लोगी बेयर्ड ने कलर टैलीविजन का आविष्कार 1928 में किया। पब्लिक ब्रॉडकास्टिंग 1940 में हुई और लोगों ने 1960 के दशक में उसे अपनाना शुरू कर दिया था। टैलीविजन शब्द का सर्वप्रथम उपयोग रूसी साइंटिस्ट कांस्टेंटिन परस्कायल ने किया। टैलीविजन से विश्व पर पड़ने वाले प्रभाव और उसके बढ़ते योगदान से होने वाले परिवर्तन को ध्यान में रखकर 17 दिसम्बर, 1996 को सयुंक्त राष्ट्र सभा ने 21 नवम्बर को वर्ल्ड टैलीविजन डे के रूप मनाने की घोषणा की। वैसे तो अमरीका में 1941 से ही टैलीविजन लांच हो गया था जो ब्लैक एंड व्हाइट था। इसके एक दशक बाद 1953 में अमरीका में ही सबसे पहले रंगीन टैलीविजन की शुरूआत हुई। टैलीविजन के रिमोट कंट्रोल का आविष्कार यूजीन पोली ने किया था। उनका जन्म 1915 में शिकागो में हुआ था। वह जैनिथ इलैक्ट्रॉनिक्स में काम करते थे। वर्ष 1955 में उन्होंने फ्लैश मैटिक का आविष्कार किया था। वहीं भारत में पहली बार टैलीविजन की शुरूआत 15 सितम्बर, 1959 को हुई। इस ब्लैक एंड व्हाइट स्क्रीन वाले टी.वी. का प्रारंभ में उपयोग शिक्षा एवं ग्रामीण विकास को ध्यान में रखकर किया गया। आरंभ में इसका नाम टैलीविजन इंडिया रखा गया। 1975 में टैलीविजन इंडिया का नाम बदलकर दूरदर्शन कर दिया गया, जो इतना लोकप्रिय हुआ कि यह नाम टी.वी. का ही पर्याय बन गया। 11 जुलाई, 1962 से सैटेलाइट प्रसारण की शुरूआत हुई, जिससे अमरीका और यूरोप के बीच लाइव कार्यक्रमों का आदान-प्रदान हुआ। 15 अगस्त, 1965 को दूरदर्शन से सर्वप्रथम समाचार बुलेटिन की शुरूआत हुई।

आज का राशिफल

मेष आज कार्यक्षेत्र में परिवर्तन और बदलाव देखने को मिल सकता है।	**तुला** आज अपने कार्यक्षेत्र में दूसरों पर निर्भर परेशानी में डाल सकता है।
वृषभ आज अंदर दूसरों के सहारे फायदा उठाने की प्रवृत्ति परेशानी का कारण बन सकती है।	**वृश्चिक** दिन दिल से जुड़े मामले सामने आ सकते हैं। कई बार आपके लिए चुनौती भी बन सकती है।
मिथुन दिन आर्थिक लाभ मिलने की संभावना है। आज के दिन नौकरी और व्यवसाय से जुड़े कुछ मुद्दे हल होंगे।	**धनु** अच्छी खबर सुनने को मिलेगी। किसी जरूरी काम के बन जाने से लाभ के अवसर मिलेंगे।
कर्क समाजसेवा के कार्यों में लगे रहेंगे। इस क्षेत्र में आपको दिन दूनी और रात चौगुनी उन्नति मिलेगी।	**मकर** दिन आपके लिए थोड़ा उलझनों भरा हो सकता है। कार्यक्षेत्र में काम का दबाव देखने को मिलेगा।
सिंह आर्थिक दृष्टि का लिहाज से सकारात्मक रहने वाला है। आपके प्रयासों में सफलता मिलेगी।	**कुंभ** आज लक्ष्य के करीब पहुंचने के बावजूद खुद को पीछे महसूस कर सकते हैं।
कन्या आज अपने मित्रों और प्रियजनों का ख्याल रखने से पीछे नहीं हटते हैं।	**मीन** आज मन किसी संत, गुरु के विचारों से प्रभावित हो सकता है। आप शांत और गंभीर बने रहते हैं।

विशेष

गृहमंत्री अमित शाह का दावा

गृहमंत्री अमित शाह दावा कर रहे हैं। मार्च 2026 तक भारत में नक्सलवाद और आतंकवाद समाप्त हो जाएगा। पिछले दो वर्षों में सुरक्षा बलों और पुलिस द्वारा नकसल वादियों को घेरकर उनका सफाया किया जा रहा है। इसके बाद भी नक्सलवाद और आतंकवाद खत्म होगा। यह केवल कपोल कल्पना है। प्रधानमंत्री स्वयं अपने भाषण में आतंकवादी घटनाओं के प्रति लोगों को सचेत कर रहे हैं। दिल्ली लाल किले में अभी भयानक विस्फोट हुआ है। कई दर्जन लोग मारे गए हैं। पढ़े पढ़े लोग आतंकवादी बन रहे हैं। देश की राजधानी दिल्ली में जब आतंकवाद को नहीं रोक पा रहे हैं। ऐसी स्थिति में इस तरीके के दावे करना बड़बोलापन ही माना जाएगा। आतंकवाद और नक्सलवाद बडबोलेपन से नहीं उनसे बात करके और समस्याओं का समाधान करके ही आतंकवाद से मुक्ति पाई जा सकती है। केंद्र सरकार के बडबोलेपन को लोग समझने लगे हैं।

भाजपा का अनुवांशिक संगठन?

चुनाव आयोग पर अब विपक्षी दल सीधे निशाना साध रहे हैं। कांग्रेस ने तो आरोप लगा दिया है। भारतीय निर्वाचन आयोग भाजपा के लिए काम कर रहा है। वह भाजपा का अनुवांशिक संगठन बनकर रह गया है। विपक्ष भी कांग्रेस के आरोप को जोर-जोर से उठाने लगा है। चुनाव आयोग की निष्पक्षता पूरी तरह से खत्म हो चुकी है। बिहार विधानसभा चुनाव के परिणाम के बाद लोगों को चुनाव आयोग पर विश्वास नहीं रहा। ऐसी स्थिति में आगे क्या होगा, इसको लेकर अटकलों का दौर चल पड़ा है।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1517: सिकंदर लोदी द्वितीय की मौत हुई। 1877: थामस अल्वा एडीसन ने अमरीका में फोनोग्राफ के अविष्कार की घोषणा की। 1921: प्रिंस ऑफ वेल्स मुंबई आए। 1947: स्वतंत्र भारत का पहला डाक टिकट जारी हुआ। 1962: भारत चीन संघर्ष में युद्ध विराम हुआ। 1963: थुम्बा से रॉकेट प्रक्षेपण के साथ भारतीय अंतरिक्ष युग की शुरूआत हुई। 1967: मिस्त्र में छात्रों का दंगा भड़का। 1971: प्रसिद्ध वैज्ञानिक सी.वी. रमन का निधन। 1975: दक्षिण और उत्तर वियतनाम में आपसी विलय के बारे में सहमति । 1976: सीरियाई सेना ने लेबनान पर पूरी तरह अधिकार कर लिया। 1989: ब्रिटिश संसद की कार्यवाही का पहली बार टेलीविजन पर प्रसारण हुआ। 1991: शीत युद्ध के बाद यूरोप का प्रथम शिखर सम्मेलन समाप्त हुआ। 1991: दक्षिण कोरिया परमाणु मुक्त घोषित किया गया।

दैनिक पंचांग

21 नवम्बर 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

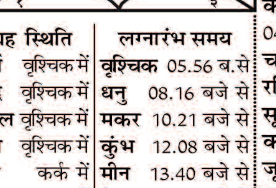

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	वृश्चिक में	वृश्चिक	05.56 ब.से
चंद्र	वृश्चिक में	धनु	08.16 बजे से
मंगल	वृश्चिक में	मकर	10.21 बजे से
बुध	वृश्चिक में	कुंभ	12.08 बजे से
गुरु	कर्क में	मीन	13.40 बजे से
शुक्र	तुला में	मेष	15.11 बजे से
शनि	मीन में	वृष	16.51 बजे से
राहु	कुंभ में	मिथुन	18.49 बजे से
केतु	सिंह में	कर्क	21.03 बजे से
		सिंह	23.19 बजे से
राहुकाल 10.30 से 12.00 बजे तक		कन्या	01.31 बजे से
		तुला	03.41 बजे से

शुक्रवार 2025 वर्ष का 325 वा दिन
दिशाशूल पश्चिम **ऋतु** हेमन्त।
विक्रम संवत् 2082
शक संवत् 1947
मास मृगशीर्ष **पक्ष** शुक्ल
तिथि प्रतिपदा 14.48 बजे को समाप्त।
नक्षत्र अनुराधा 13.56 बजे को समाप्त।
योग अतिगण्ड 10.43 बजे को समाप्त।
करण बव 14.48 बजे तदनन्तर बालव 04.01 बजे प्रातः को समाप्त।
चन्द्रायु 0.7 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 19° 55'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872535
जूलियन दिन 2461000.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना जमादि उल्लावल
तारीख 29

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
चर	05.55 से 07.23 बजे तक	रोग	05.38 से 07.1 बजे तक
लाभ	07.23 से 08.51 बजे तक	काल	07.11 से 08.43 बजे तक
अमृत	08.51 से 10.19 बजे तक	लाभ	08.43 से 10.15 बजे तक
काल	10.19 से 11.47 बजे तक	उद्वेग	10.15 से 11.47 बजे तक
शुभ	11.47 से 01.15 बजे तक	शुभ	11.47 से 01.19 बजे तक
रोग	01.15 से 02.43 बजे तक	अमृत	01.19 से 02.51 बजे तक
उद्वेग	02.43 से 04.10 बजे तक	चर	02.51 से 04.23 बजे तक
चर	04.10 से 05.38 बजे तक	रोग	04.23 से 05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

संक्षिप्त समाचार

झारखंड में नगर निकाय चुनाव की तैयारी तेज, चाईबासा व चक्रधरपुर में जारी हुआ वार्डवार पिछड़ा वर्ग का आंकड़ा

चाईबासा, एजेंसी। झारखंड में नगर निकाय चुनावों को लेकर तैयारियां तेज हो चुकी हैं। राज्य सरकार ने सर्वोच्च न्यायालय के निर्देश और नगर विकास एवं आवास विभाग की पूर्व अधिसूचना के आधार पर नगरपालिकाओं में पिछड़ा वर्ग- अत्यंत पिछड़ा वर्ग–ढ्ढ एवं पिछड़ा वर्ग–ढ्ढढ्ढ- की जनसंख्या का विस्तृत निकायवार और वार्डवार आंकड़ा जारी कर दिया है। यह डेटा विशेष तौर पर आरक्षण निर्धारण के लिए उपयोग किया जाएगा। जारी अधिसूचना के मुताबिक चाईबासा नगर परिषद के 21 वार्डों में अत्यंत पिछड़ा वर्ग–ढ्ढ के 18,242 और पिछड़ा वर्ग–ढ्ढढ्ढ की 5,262 आबादी हैं। इसी प्रकार चक्रधरपुर नगर परिषद में 23 वार्डों में अत्यंत पिछड़ा वर्ग–ढ्ढ के 21013 और पिछड़ा वर्ग–ढ्ढढ्ढ के 3219 जनसंख्या है। विभाग ने साफ किया है कि ये आंकड़े केवल नगर निकाय चुनाव हेतु मान्य होंगे और इन्हीं को आधार बनाकर आरक्षण तय किया जाएगा। अब सभी की निगाहें राज्य निर्वाचन आयोग की ओर से जारी किए जाने वाले आरक्षण रोस्टर पर टिकी हैं। रोस्टर घोषित होते ही यह स्पष्ट हो जाएगा कि किस वार्ड को किस श्रेणी के लिए आरक्षित किया गया है, जिसके बाद चुनाव की औपचारिक घोषणा होने की संभावना है।

हेमंत सरकार का बड़ा फैसला, अगले वित्तीय वर्ष से सहिया को मिलेगी 5500 रुपये प्रोत्साहन राशि

रांची, एजेंसी। राज्य में राष्ट्रीय स्वास्थ्य अभियान के तहत कार्यरत सहिया को अप्रैल 2026 से प्रोत्साहन राशि के रूप में एकमुश्त साढ़े पांच हजार रुपये प्रतिमाह मिलेंगे। इनके अलावा लाभुकों को विभिन्न कार्यक्रमों का लाभ पहुंचाने के बदले में निर्धारित राशि भी मिलेगी। वर्तमान में सहिया को राष्ट्रीय स्वास्थ्य अभियान से दो हजार रुपये के अलावा झारखंड स्वास्थ्य प्रहरी योजना के तहत राज्य सरकार की ओर से दो हजार रुपये अतिरिक्त प्रोत्साहन राशि के रूप में दिए जाते हैं। इस प्रकार अभी चार हजार रुपये प्रतिमाह प्रोत्साहन राशि सहिया को मिलती है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य अभियान के तहत मिलने वाली राशि में डेढ़ हजार रुपये की वृद्धि होगी, जिसके तहत अब इस मद से साढ़े तीन हजार रुपये मिलेंगे। इनमें केंद्रांश व राज्यांश की राशि अलग–अलग सम्मिलित हैं। राज्य सरकार द्वारा दी जानेवाली अतिरिक्त दो हजार रुपये की राशि जोड़ने पर मिलनेवाली कुल राशि साढ़े पांच हजार रुपये हो जाएगी। इधर, स्वास्थ्य विभाग ने झारखंड स्वास्थ्य प्रहरी योजना के तहत सहिया, सहिया साथी तथा प्रखंड प्रशिक्षक दल को राज्य बजट से मिलने वाली अतिरिक्त प्रोत्साहन राशि मद में 108 करोड़ 34 लाख 65 हजार रुपये की स्वीकृति प्रदान कर दी है। यह राशि चालू वित्तीय वर्ष के लिए है। राज्य के स्वास्थ्य मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने कहा है कि सहिया बहनें राज्य की स्वास्थ्य व्यवस्था की रीढ़ है। राज्य सरकार उनकी जवाबदेही और कार्यों को देखते हुए अतिरिक्त राशि की स्वीकृति प्रदान कर दी है। उन्हें मजबूत, सक्षम और संसाधनयुक्त बनाना मेरा दायित्व है, ताकि वे और अधिक प्रभावी ढंग से जनता की सेवा कर सकें। उन्होंने सहिया से हर मरीज के बेहतर और समय पर इलाज में सक्रिय सहयोग करने की अपील भी की।

चार साल से अधिक समय से लोकायुक्त का पद रिक्त, हाई कोर्ट में आज फिर सुनवाई

रांची, एजेंसी। झारखंड के लोकायुक्त, सूचना आयुक्त सहित सभी संवैधानिक पदों को भरने को लेकर दाखिल याचिका पर झारखंड उच्च न्यायालय में गुरुवार को सुनवाई होगी। तत्कालीन लोकायुक्त जस्टिस डीएन उपाध्याय के 29 जून 2021 को कोरोना से निधन के बाद से ही यह पद रिक्त पड़ा है। भ्रष्टाचार के विरुद्ध जांच व कार्रवाई करने वाली राज्य की इस सशक्त संस्था में चार साल से अधिक समय से लोकायुक्त नहीं हैं। इसके चलते लोकायुक्त कार्यालय की एक फाइल चार साल से अब तक नहीं हिली–डुली है। धूल फांक रही फाइलों में 3200 से अधिक शिकायतें दबी हैं, जो नए लोकायुक्त के आने के बाद ही खुलेंगी और जांच कार्रवाई आदि के लिए आगे बढ़ेंगी। लोकायुक्त के नहीं होने से उनके कार्यालय के कर्मी व पदाधिकारी हर दिन ड्यूटी तो आते हैं लेकिन बिना किसी कार्य किए शाम को वापस घर चले जाते हैं। पूरी व्यवस्था ठप पड़ी है। सेना के उपयोग वाली जमीन की फर्जी कागजात पर खरीद–बिक्री का मामला सबसे पहले लोकायुक्त के यहां आया था। इसे तत्कालीन लोकायुक्त ने पकड़ा व तत्कालीन रांची के आयुक्त से जांच कराई, जिसमें फर्जीवाड़ा उजागर हुआ था। लोकायुक्त ने जिस घोटाले को पकड़ा। बाद में ईडी ने उक्त केस की मनी लांड्रिंग के तहत जांच की और सनसनीखेज खुलासा किया। फर्जी दस्तावेज पर उक्त जमीन की खरीद–बिक्री का मामला उजागर हुआ।जमीन घोटाला केस में अलग–अलग जमीन के कागजात में फर्जीवाड़ा का लिंक मिलता गया। ईडी ने इस केस में आइएएस अधिकारी सहित दर्जनभर से अधिक आरोपितों को गिरफ्तार कर जेल भेजा था। मामला पीएमएलए कोर्ट में लंबित है।

मौसम अगले पांच दिनों में हल्का कोहरा आंशिक बादल, कुछ जगहों पर हल्की बारिश

रांची, एजेंसी। झारखंड में मौसम एक बार फिर करवट लेने वाला है। मौसम विज्ञान केंद्र रांची द्वारा जारी बुलेटिन के अनुसार 25 नवंबर के आसपास तक राज्य के कई जिलों में हल्का कोहरा, आंशिक बादल और कुछ जगहों पर हल्की बारिश देखने को मिल सकती है। इसके साथ ही रात के तापमान में 2डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट की संभावना जताई गई है। विभाग ने साफ किया है कि इस अवधि में अधिकांश दिनों में मौसम शुष्क रहेगा, लेकिन उत्तर-पूर्वी और दक्षिण-पूर्वी हिस्सों में बादल छाने और हल्की गर्जना की स्थिति बन सकती है।

अगले दो दिन शुष्क रहेगा मौसम : झारखंड के सभी हिस्सों में अगले दो दिन मौसम शुष्क रहने का अनुमान है। सुबह हल्का कोहरा छाने के बाद आसमान मुख्य रूप से साफ रहेगा। इन दोनों दिनों में किसी भी जिले में बारिश की संभावना नहीं है। अधिकतम तापमान 27-28डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम 13-14डिग्री सेल्सियस के आसपास बना रह सकता है। 22 और 23 नवंबर को राज्य के पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम, सरायकेला-खरसावां, पाकुड़ और साहिबगंज समेत कई जिलों में आंशिक बादल छाने और कहीं-कहीं हल्की गर्जना के साथ बूंदाबांदी की संभावना है। मौसम विभाग ने बताया कि बादल बढ़ने से रात के तापमान में और गिरावट दर्ज हो सकती है। न्यूनतम तापमान 12डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने के आसार हैं। वहीं, हवा की गति भी सामान्य से थोड़ी अधिक रह सकती है।

24-25 नवंबर को होगा ठंड में इजाफा : 24 और 25 नवंबर को मौसम फिर से शुष्क होने का अनुमान है। सुबह हल्का कोहरा छाएगा और दिन चढ़ने के साथ धूप निकलेगी। रात के तापमान में गिरावट जारी रहेगी और यह 12डिग्री सेल्सियस तक आने की संभावना है।

इस अवधि में दिन का तापमान 27डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की उम्मीद है। मौसम केंद्र का कहना है कि आगामी दो दिनों में सुबह और रात की ठंड और बढ़ सकती है। उत्तर और मध्य झारखंड में सुबह के समय हल्की शीतलहर जैसी स्थिति भी बन सकती है।

तापमान में उतार-चढ़ाव रहेगा जारी : मौसम विज्ञान केंद्र रांची ने झारखंड के सभी जिलों के लिए पांच दिनों का तापमान पूर्वानुमान जारी किया है। रिपोर्ट के मुताबिक 19 से 23 नवंबर के बीच अधिकतम और न्यूनतम तापमान में हल्का उतार-चढ़ाव देखने को मिलेगा। हालांकि, अधिकतर जिलों में दिन का तापमान सामान्य से थोड़ा अधिक बना रहेगा, जबकि रात में ठंड बढ़ने के संकेत हैं।

देवघर, दुमका, गोड्डा, पाकुड़ और साहिबगंज जैसे जिलों में अधिकतम तापमान 30 से 32 डिग्री तक रहने की संभावना है। वहीं, न्यूनतम तापमान 14 से 19 डिग्री के बीच दर्ज होगा। दुमका और जामताड़ा जैसे क्षेत्रों में रात का तापमान 13-14 डिग्री तक गिरने के संकेत हैं।

12 डिग्री तक रहेगा चार जिलों का पारा : चतरा, कोडरमा, लातेहार, लोहरदगा और गढ़वा जैसे जिलों में न्यूनतम तापमान 12 डिग्री तक दर्ज किया जा सकता है। इन जिलों में दिन का तापमान 27 से 31 डिग्री तक रहेगा। पलामू में अधिकतम पारा 32 डिग्री तक पहुंचने की संभावना है।

राजधानी रांची में 19 से 23 नवंबर के बीच अधिकतम तापमान 26 से 28 डिग्री के बीच रहेगा, जबकि न्यूनतम तापमान 12-14 डिग्री के आसपास रहने का अनुमान है। हजारीबाग, बोकारो और रामगढ़ में भी न्यूनतम तापमान 13 से 15 डिग्री तक दर्ज होने की संभावना है। पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम और सिमडेगा में अधिकतम तापमान 29 से 31 डिग्री के बीच रहने का अनुमान है, जबकि न्यूनतम तापमान 12 से 15 डिग्री तक रहेगा।

चैनपुर अंचल का बड़ा बाबू 5500 रुपए रिश्वत लेते गिरफ्तार

पलामू, एजेंसी। पलामू में भ्रष्टाचार के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई करते हुए एसीबी ने गुरुवार को चैनपुर अंचल कार्यालय के बड़ा बाबू विनोद कुमार को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। सुबह कार्यालय खुलने के कुछ देर बाद ही एसीबी की विशेष टीम ने यह छापा मारा, जिससे पूरे अंचल कार्यालय परिसर में अफरातफरी की स्थिति बन गई। अधिकारियों के अनुसार, बड़ी बाबू विनोद कुमार दस्तावेज की नकल निकालने के नाम पर 5500 रुपए की अवैध वसूली कर रहे थे।

शिकायत के बाद सत्यापन, फिर ट्रैप ऑपरेशन : एसीबी को एक व्यक्ति ने शिकायत दी थी कि बड़ा बाबू दस्तावेज उपलब्ध कराने के एवज में रिश्वत मांग रहे हैं। टीम ने पहले शिकायत की जांच की और पाया कि आरोप सही हैं। सत्यापन के बाद टीम ने योजनाबद्ध तरीके से ट्रैप ऑपरेशन तैयार किया। गुरुवार को जैसे ही आरोपी ने शिकायतकर्ता से 5500 रुपए लिए, एसीबी टीम ने मौके पर पहुंचकर उन्हें वहीं दबोच लिया। गिरफ्तारी के बाद कार्यालय के कर्मचारियों में भी खलबली मच गई और लोग घटना को लेकर चर्चा करते रहे।

कार्यालय और आवास दोनों जगह छापेमारी : गिरफ्तारी के तुरंत बाद एसीबी टीम ने चैनपुर अंचल कार्यालय में तलाशी अभियान चलाकर कई संबंधित दस्तावेज जब्त किए। अधिकारियों का कहना है कि रिश्वत से जुड़े अन्य साक्ष्यों की भी जांच की जा रही है। इसके बाद आरोपी विनोद कुमार को उनके सिंगरा स्थित आवास पर ले जाया गया, जहां टीम ने विस्तृत तलाशी ली। घर से मिले कागजात और सामान को भी जांच के दायरे में रखा गया है।

प्रभारी डीजीपी तदाशा मिश्रा पहुंचीं चाईबासा:नक्सल अभियान की चुनौतियों पर की उच्चस्तरीय समीक्षा

चाईबासा, एजेंसी। झारखंड की प्रभारी डीजीपी तदाशा मिश्रा बुधवार को चाईबासा दौरे पर पहुंचीं। उन्होंने यहां नक्सलियों के खिलाफ जारी अभियान की उच्चस्तरीय समीक्षा की। टाटा कॉलेज मैदान स्थित हेलीपैड पर कोल्हान रेंज के डीआईजी अनुरंजन किस्पोट्टा, उपायुक्त चंदन कुमार, एसपी अमित रेणु सहित वरिष्ठ अधिकारियों ने उनका स्वागत किया, जिसके बाद उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया।

हेलीपैड से डीजीपी मिश्रा सीधे जिला समाहरणालय स्थित पुलिस कार्यालय सभागार पहुंचीं। इस बैठक में जिले में चल रहे सर्च ऑपरेशन, जंगल क्षेत्र में अभियान के दौरान आने वाली चुनौतियों, सुरक्षा बलों की तैनाती, समन्वय और संसाधन संबंधी मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। डीजीपी ने कहा कि नक्सलियों के खिलाफ अभियान की वास्तविक कठिनाई इसके जमीनी कार्यान्वयन में होती है। उन्होंने ऐसे अभियानों में पुलिस के साथ वन विभाग और सिविल प्रशासन के सहयोग को बेहद महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि इन्हीं सभी बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा की गई है।

उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि आने वाले समय में स्थिति बेहतर होगी और अभियान अधिक प्रभावी ढंग से आगे बढ़ेगा। डीजीपी ने कहा कि नक्सल उन्मूलन में ठोस प्रगति के लिए सुरक्षा बलों की तैनाती, प्रबंधन और समन्वय को मजबूत करने की दिशा में आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। अपने नए दायित्व के बारे में पूछे जाने पर डीजीपी मिश्रा ने टीमवर्क में विश्वास व्यक्त किया। उन्होंने सीआरपीएफ, कोबरा और राज्य पुलिस के अनुभवी अधिकारियों व जवानों को अपनी बड़ी ताकत बताया।

गिरिडीह के पोबी में भीषण सड़क हादसा:तेज रफ्तार बाइक पोल से टकराई, दो युवकों की दर्दनाक मौत

गिरिडीह, एजेंसी। गिरिडीह जिले के जमुआ प्रखंड स्थित पोबी गांव में बुधवार की देर रात हुए भयावह सड़क हादसे में रोहित तुरी (22) और चंदन तुरी (22) की जान चली गई। उनकी बाइक बेकाबू होकर बिजली के खंभे से टकरा गई थी। जिससे दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। स्थानीय लोगों के अनुसार दोनों युवक किसी निजी काम से शाम को जमुआ गए थे।

देर रात लौटते समय पोबी मोड़ से करीब 100 मीटर पहले अचानक बाइक नियंत्रण खो बैठी। तेज रफ्तार में बिजली के पोल से सीधी टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक के परखच्चे उड़ गए। वहीं युवक दूर जाकर गिरे। घटना की आवाज सुनकर ग्रामीण दौड़े, लेकिन तब तक दोनों की सांसें थम चुकी थीं।

गिरिडीह में आज पोस्टमॉर्टम

हादसे की सूचना मिलते ही जमुआ थाना प्रभारी मणिकांत कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। दोनों शवों को कब्जे में लेकर रात में ही थाना ले जाया गया। पुलिस ने बताया कि प्रारंभिक जांच में हादसे का कारण तेज रफ्तार ही पाया गया है। बाइक इतनी तेजी से पोल से टकराई कि किसी तरह की बचने की संभावना नहीं बची।

आज सुबह गिरिडीह सदर अस्पताल में पोस्टमॉर्टम की गई। इधर, बाइक की स्थिति देखकर यह अंदाजा लगाना मुश्किल नहीं था कि टक्कर कितनी भयावह रही होगी। आसपास मिले टायर के निशान भी इस बात की पुष्टि करते हैं कि बाइक बेकाबू होकर फिसलते हुए पोल से जा भिड़ी।

गांव में पसरा मातम, परिवारों पर टूटा संकट

घटना की खबर फैलते ही पोबी गांव में कोहराम मच गया। दोनों युवक परिवारों के अंतिम कमाने वाले सदस्य थे, जिनकी मेहनत-मजदूरी से घर चलता था। उनके अचानक चले जाने से परिजनों पर दुख का पहाड़ टूट पड़ा। गांव में सुबह से ही लोगों का हुजूम मृतकों के घरों पर उमड़ पड़ा।

ग्रामीणों ने हादसे के बाद सड़क सुरक्षा को लेकर सवाल उठाए। लोगों का कहना है कि क्षेत्र में पर्याप्त स्ट्रीट लाइट और चेतावनी संकेतक नहीं हैं, जिसके कारण रात में वाहन चलाना जोखिम भरा होता है।

घर से 10 लाख रुपए के आभूषण की चोरी:चोरों ने चाबी से खोला अलमारी और निकाले गहने

चतरा, एजेंसी। चतरा जिले के प्रतापपुर थाना क्षेत्र के चंद्री कला गांव में एक सूने घर से लगभग 10 लाख रुपए के आभूषणों की चोरी हो गई है। यह घटना मंगलवार रात को उस समय हुई, जब गृहस्वामी कलीमुद्दीन खान का परिवार चतरा स्थित अपने दूसरे घर पर था। कलीमुद्दीन खान ने बताया कि चोरी की वारदात आधी रात 12 बजे के बाद अंजाम दी गई। उन्होंने प्रतापपुर पुलिस को घटना की सूचना दी और थाने में आवेदन देकर न्याय की गुहार लगाई है।

घर के अंदर की गली से प्रवेश कर अंदर का ताला तोड़ा

प्रतापपुर थाने के एएसआई श्री राम ने मौके पर पहुंचकर जांच की। शुरुआती जांच में कुछ ऐसे तथ्य सामने आए हैं, जो संदेह पैदा कर रहे हैं। एएसआई के अनुसार, चोर मुख्य सड़क की ओर वाले दरवाजे से नहीं घुसे, बल्कि घर के अंदर की गली से प्रवेश कर अंदर का ताला तोड़ा। सबसे हैरान करने वाला तथ्य यह है कि चोरों ने गोदरेज का ताला तोड़ने की बजाय उसकी चाबी ढूंढ़कर अलमारी खोली और आभूषण चुराए। पुलिस का मानना है कि यह मामला सवालों के घेरे में है। क्योंकि चोरों को गोदरेज की चाबी के स्थान की

जानकारी कैसे मिली, यह रहस्य बना हुआ है।

पुलिस मामले के हर पहलू की गहनता से जांच कर रही

इस संबंध में प्रतापपुर थाना प्रभारी आलोक रंजन चौधरी ने बताया कि पुलिस मामले के हर पहलू की गहनता से जांच कर रही है। चोरों के प्रवेश का तरीका और गोदरेज को चाबी से खोलने का रहस्य पुलिस की तफ्तीश का मुख्य केंद्र है। पुलिस जल्द ही इस चोरी के रहस्य से पर्दा उठाने का दावा कर रही है।

बालू ढुलाई के लिए जंगल व पहाड़ों में बनाए खुफिया रास्ता

गढ़वा, एजेंसी। धुरकी प्रखंड क्षेत्र के कनहर तटीय इलाकों में अवैध बालू खनन लगातार बेकाबू होता जा रहा है। भंडार पंचायत के कदवा उर्फ लिखनीधौरा बालू घाट, अंबाखोरया पंचायत के माचपानी के झबरी कहुआ एवं प्रतिबंधित बालचौरा बालू घाट पर जेसीबी से खनन और हाइवा-टीपर से परिवहन की खबरें प्रकाशित होने के बाद भी अवैध गतिविधियों में कमी नहीं आई है। प्रशासन ने केवल बालचौरा में छापेमारी की, जहां दो स्थानों पर महबूब अंसारी के रैयती खेत में अवैध रूप से बालू भंडारण पाया गया और इसे खनन विभाग ने जब्त भी किया।

इसके बावजूद कनहरतटीय क्षेत्रों में अवैध उत्खनन और परिवहन का खेल और तेज होता जा रहा है। स्थानीय लोगों के अनुसार बालू माफिया नदी तट पर खुलेआम जेसीबी चलवा रहे हैं। जंगलों और पहाड़ों को काटकर उन्होंने दर्जनों खुफिया रास्ते बना लिए हैं ताकि प्रशासन की नजरों से बचा जा सके। ग्रामीणों का आरोप है कि निजी जरूरतों जैसे घर निर्माण या प्रधानमंत्री आवास योजना के लिए बालू लाने पर भी माफिया उन्हें रोक देते हैं।

इससे स्पष्ट है कि इन प्रतिबंधित घाटों पर बालू माफिया ने अप्रत्यक्ष रूप से पूरा कब्जा जमा लिया है।रात होते ही अवैध बालू परिवहन का खेल और तेज हो जाता है। मुख्य रूप से धुरकी-नगरउंटारी पथ और अंबाखोरया-डंडई-मेराल मार्ग से हाइवा और ट्रकों की आवाजाही शुरू हो जाती है। कई ग्रामीण बताते हैं कि रात नौ बजे के बाद इन मार्गों पर भारी वाहनों की कतार लगी रहती है। दूसरी ओर, अवैध कारोबार से जुड़े कई लोग दिनभर थाना परिसर में मंडराते नजर आते हैं, जिससे उनके बढ़ते मनोबल का अंदाज़ लगाया जा सकता है।

झारखंड में निकाय चुनाव की रणभेरी बजी, पिछड़ा वर्ग की आबादी तय; अब आरक्षण पर निगाहें

जमशेदपुर, एजेंसी। झारखंड में लंबे समय से रुके हुए नगर निकाय चुनावों की रणभेरी बज गई है। राज्य सरकार द्वारा बहुप्रतीक्षित अधिसूचना जारी करने के साथ ही अब आगामी चुनाव में मानगो नगर निगम के कुल 36, आदित्यपुर नगर निगम के 35, जुगसलाई नगर परिषद के 22 और कपाली नगर परिषद के 21 वार्डों पर मतदान का रास्ता साफ हो गया है।

सरकार ने इन सभी निकायों के लिए वार्डवार पिछड़ा वर्ग (अत्यंत पिछड़ा वर्ग-1 एवं पिछड़ा वर्ग-2) की जनसंख्या के आंकड़े सार्वजनिक कर दिए हैं, जो अब सीटों के आरक्षण का मुख्य आधार बनेंगे।

यह अधिसूचना इसलिए ऐतिहासिक है क्योंकि इसी के अभाव में राज्य में अप्रैल 2023 से निकाय चुनाव स्थगित थे। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट ने विकास कृष्णराव गवली बनाम महाराष्ट्र राज्य मामले में फैसला देते हुए स्थानीय निकाय चुनावों में पिछड़ा वर्ग आरक्षण के लिए ट्रिपल टेस्ट को अनिवार्य कर दिया था।

इस निर्देश का पालन करने के लिए राज्य सरकार को पहले एक डेडिकेटेड कमीशन का गठन कर पिछड़ेपन की प्रकृति का अध्ययन कराना था, फिर उसी कमीशन की रिपोर्ट के आधार पर आनुपातिक आरक्षण की

सिफारिश करनी थी, जिसमें कुल आरक्षण 50 प्रतिशत से अधिक न हो।

इसी प्रक्रिया को पूरा करने के लिए गठित डेडिकेटेड कमीशन की रिपोर्ट के आधार पर अब यह वार्डवार जनसंख्या अधिसूचित की गई है।

कहां कितनी पिछड़ी आबादी, वार्डों का लेखा-जोखा

जारी अधिसूचना ने कोल्हान के इन चार प्रमुख शहरी निकायों का राजनीतिक समीकरण तय कर दिया है। आंकड़ों का विश्लेषण करने पर हर निकाय में कुछ वार्ड ऐसे हैं, जहां पिछड़ा वर्ग की आबादी निर्णायक साबित होगी।

मानगो नगर निगम के आंकड़ों पर गौर करें तो यहां के वार्ड संख्या 27 में अत्यंत पिछड़ा वर्ग-1 की आबादी सबसे अधिक 4410 है, जबकि सबसे कम 646 आबादी वार्ड संख्या 32 में है। वहीं, पिछड़ा वर्ग-2 की सर्वाधिक 1094 की आबादी वार्ड संख्या 1 में और सबसे कम महज 4 की आबादी वार्ड संख्या 25 में दर्ज की गई है।

इसी तरह, आदित्यपुर नगर निगम में अत्यंत पिछड़ा वर्ग-1 की सबसे बड़ी आबादी 3238 वार्ड संख्या 21 में है, जबकि सबसे कम 134 लोग वार्ड संख्या 34 में हैं। यहां पिछड़ा वर्ग-2 के सर्वाधिक 479 मतदाता वार्ड संख्या 1 में और सबसे कम 38 मतदाता वार्ड संख्या 34 में हैं।

जुगसलाई नगर परिषद में भी समीकरण रोचक हैं। यहां वार्ड संख्या 10 में सबसे ज्यादा 2031 की बीसी-1 आबादी है, तो वहीं वार्ड संख्या 17 में सबसे कम 151 है। पिछड़ा वर्ग-2 की सर्वाधिक 1428 की आबादी वार्ड संख्या 13 में है, जबकि सबसे कम 9 लोग वार्ड संख्या 1 में हैं।

कपाली नगर परिषद के आंकड़े सबसे ज्यादा ध्यान खींचने वाले हैं। यहां अत्यंत पिछड़ा वर्ग-1 की आबादी तो अच्छी खासी है, जिसमें वार्ड 3 में सर्वाधिक 1685 और वार्ड 7 में सबसे कम 852 लोग हैं। लेकिन पिछड़ा वर्ग-2 की आबादी लगभग नगण्य है। यहां के वार्ड 19 में इस वर्ग की सर्वाधिक आबादी सिर्फ 23 है, जबकि कई वार्डों जैसे 1, 2, 5, 7, 10, 11, 14, 16, 17 और 20 में यह संख्या शून्य है।

अब आरक्षण रोस्टर पर टिकी निगाहें

इन आधिकारिक आंकड़ों के सामने आने के बाद अब सभी की निगाहें राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा जारी किए जाने वाले आरक्षण रोस्टर पर टिक गई हैं। आयोग इन्हीं आंकड़ों को आधार बनाकर यह तय करेगा कि कौन सा वार्ड पिछड़ा वर्ग की किस श्रेणी के लिए आरक्षित होगा।

रोस्टर जारी होते ही चुनाव की औपचारिक घोषणा की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। इस घोषणा ने उन हजारों संभावित उम्मीदवारों की धड़कनें बढ़ा दी हैं, जो लंबे समय से चुनाव का इंतजार कर रहे थे और अब अपने-अपने वार्डों के नए सामाजिक और राजनीतिक समीकरणों का आकलन करने में जुट गए हैं।

सर्दियों में खाएं ये फूड्स, हार्ट अटैक का खतरा होगा कम

सर्दियों में हार्ट अटैक के खतरे से बचने के लिए आप मछली,संतरा, अखरोट, लहसुन जैसे खाद्य पदार्थों का सेवन कर सकते हैं।

सर्दियों के मौसम में दिल का खास ख्याल रखना पड़ता है। दरअसल ठंड में हार्ट अटैक के मामले में इजाफा हो जाता है। ठंड के मौसम में ब्लड वेसल्स सिकुड़ने लगती है जिसकी वजह से ब्लड का सर्कुलेशन कम हो जाता है। ब्लड प्रेशर बढ़ने से हार्ट अटैक का खतरा बढ़ जाता है। वहीं जिन लोगों की लाइफ स्टाइल पहले से ही खराब होती है उनके दिल पर ज्यादा खतरा होता है। ऐसे में अगर आप भी चाहते हैं कि आप अपने दिल को सर्दियों में हल्दी बनाए रखें तो हम आपको कुछ खाद्य पदार्थों की जानकारी दे रहे हैं जिसे डाइट में शामिल करने से आपके हार्ट को फायदा होगा बीपी कंट्रोल में रहेगी।

अखरोट

सर्दियों के मौसम में आपको ड्राई फरूट जैसे अखरोट को डाइट में शामिल करना चाहिए, इसमें ओमेगा 3 फैटी एसिड होते हैं जो कोलेस्ट्रॉल को कंट्रोल करने में मदद करते हैं, इससे ब्लड वेसेल्स की सेहत बनी रहती है। यह अल्फा लिनोलेनिक एसिड का समृद्ध स्रोत है जो हृदय सेहत में सुधार करते हैं।

आंवला

सर्दियों में आपको विटामिन सी से भरपूर आंवला का सेवन भी करना चाहिए। यह एंटीऑक्सीडेंट और फाइबर से भी भरपूर होता है, जो हार्ट हेल्थ को सुधारने में मदद कर सकता है। इससे ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में मदद मिलती है।

लहसुन

लहसुन को भी डाइट में शामिल करना चाहिए। इसमें एलिसिन नामक कंपाउंड होता है, जो ब्लड प्रेशर को कम कर मदद करता है, ब्लड वेसल्स को हेल्दी बनाता है, जिससे दिल की सेहत को सपोर्ट मिलता है। इससे कोलेस्ट्रॉल को कम करने में मदद मिलती है।

मछली

अगर आप नॉनवेज लवर हैं तो आपको ठंड में मछली खाना चाहिए। इसमें कार्ब्स की मात्रा कम और ओमेगा 3 फैटी एसिड की मात्रा ज्यादा होती है। यह आपके हार्ट को फायदा पहुंचता है।

संतरा

विटामिन सी से भरपूर संतरे का सेवन जरूर करना चाहिए, यह एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होता है जो दिल की सेहत का ख्याल रखता है। यह बीपी को नियंत्रित करता है, रक्त वाहिकाओं की सेहत बनाए रखता है। विटामिन सी सूजन को कम करता है।

पीसीओएस की समस्या को नेचुरली करना है मैनेज तो फॉलो करें इंटरमिटेंट फास्टिंग

अगर आप पीसीओएस की शिकायत से जूझ रहे हैं तो ऐसे में आपको इंटरमिटेंट फास्टिंग का ऑप्शन चुनना चाहिए। इससे आपको यकीनन फायदा होगा।

आज के समय में अधिकतर महिलाएं पीसीओएस की समस्या से जूझ रही हैं। पीसीओएस की समस्या होने पर ना केवल आपको अधिक वजन के कारण परेशान होना पड़ता है, बल्कि इसके साथ-साथ आपको मूड स्विंग से लेकर अनियमित पीरियड्स जैसी कई समस्याओं से जूझना पड़ता है। ऐसे में यह बेहद जरूरी हो जाता है कि आप पीसीओएस को मैनेज करें और इसका सबसे पहला व बेसिक स्टेप है अपने लाइफस्टाइल को बदलना।

अगर आप भी पिछले काफी समय से पीसीओएस को मैनेज करने की जद्दोजहद में जुटी हैं तो ऐसे में इंटरमिटेंट फास्टिंग करना आपके लिए फायदेमंद साबित हो सकता है। अक्सर पीसीओएस को मैनेज करने के लिए हम सभी वजन कम करना चाहती हैं और इसके लिए अपने खाने को प्रतिबंधित करती है। लेकिन इंटरमिटेंट फास्टिंग आपके खाने की टाइमिंग पर अधिक फोकस करती है। जिससे इंसुलिन सेंसेटिविटी बेहतर होने से लेकर हार्मोन बैलेंस करने और वजन घटाने में भी मदद मिलती है। जिससे आपको पीसीओएस में काफी फायदा मिलता है। तो चलिए आज इस लेख में सेंट्रल गवर्नमेंट हॉस्पिटल के ईएसआईसी अस्पताल की डाइटीशियन रितु पुरी आपको बता रही हैं कि पीसीओएस की समस्या होने पर इंटरमिटेंट फास्टिंग किस तरह फायदा पहुंचा सकती है-

इंसुलिन सेंसेटिविटी होती है बेहतर

जब आप इंटरमिटेंट फास्टिंग को फॉलो करती हैं तो इससे आपकी इंसुलिन सेंसेटिविटी बेहतर होती है। जिससे आपको पीसीओएस में लाभ होता है। दरअसल, पीसीओएस वाली अधिकतर महिलाओं में इंसुलिन का स्तर अधिक होता है। ऐसे में उनके शरीर के लिए ब्लड शुगर लेवल को मैनेज करना मुश्किल हो जाता है। इससे ना केवल वजन तेजी से बढ़ता है, बल्कि हार्मोनल असंतुलन की शिकायत भी होती है। लेकिन इंटरमिटेंट फास्टिंग के जरिए जब आप अपने खाने की टाइमिंग को सेट करती हैं तो इससे इंसुलिन लेवल को बेहतर बनाने में भी मदद मिलती है।

हार्मोन होते हैं बैलेंस

पीसीओएस की समस्या होने पर हार्मोन असंतुलित होने लगते हैं। लेकिन जब आप इंटरमिटेंट फास्टिंग करते हैं तो इससे हार्मोन बैलेंस करने में मदद मिलती है। दरअसल, इंटरमिटेंट फास्टिंग फॉलो करने से आपका वजन धीरे-धीरे कम होने लगता है, जिससे आपके हार्मोन बैलेंस होने लगते हैं। इसके अलावा, इंटरमिटेंट फास्टिंग से आपके शरीर में ऐसे परिवर्तन होते हैं जो इंसुलिन और एण्ड्रोजन के स्तर को कम करते हैं। यह बालों के विकास या मुंहासे जैसे पीसीओएस लक्षणों को कम कर सकता है।

मेटाबॉलिज्म होता है बूस्ट

अक्सर वजन कम करने के लिए लोग क्रैश डाइट फॉलो करते हैं, लेकिन यह आपको काफी सुस्त महसूस करवाती है। लेकिन जब आप इंटरमिटेंट फास्टिंग करते हैं तो फास्टिंग पीरियड के दौरान आपका शरीर में पहले से ही स्टोर फैट को एनर्जी में बदलता है। इससे ना केवल आपका वजन कम होता है, बल्कि मेटाबॉलिज्म भी बूस्टअप होता है।

अतिरिक्त भूख होती है नियंत्रित

पीसीओएस में आपके भूख से जुड़े हार्मोन ग्रेलिन और लेप्टिन का तालमेल बिगड़ सकता है, जिससे आपको अत्यधिक खाने की इच्छा हो सकती है। लेकिन इंटरमिटेंट फास्टिंग इन भूख हार्मोन को रीसेट करने में मदद कर सकती है, जिससे यह पहचानना आसान हो जाता है कि आपको वास्तव में कब भूख लगी है और कब आपको बस यूं ही क्रेविंग्स हो रही है। इससे जब आप अपनी अतिरिक्त भूख को नियंत्रित कर पाते हैं तो इससे आपकी ओवर ऑल हेल्थ सुधरती है।

शरीर में पोटेशियम का स्तर कम हो जाए तो क्या होगा?

पोटेशियम एक बहुत ही महत्वपूर्ण खनिज है जो हमारे शरीर को सुचारू रूप से काम करने में मदद करता है यह एक इलेक्ट्रोलाइट्स है जो शरीर को रिचार्ज करता है। सेल्स तंत्रिकाओं और मांसपेशियों के ठीक से काम करने के लिए पोटेशियम बेहद जरूरी है।

शरीर में पोटेशियम का लेवल बनाए रखना बेहद जरूरी होता है। कई बार खराब खानपान के चलते इसकी कमी हो जाती है, जिससे सेहत पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है आइए जानते हैं शरीर में पोटेशियम की कमी हो जाए तो क्या-क्या दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है।

- पोटेशियम शरीर में तरल पदार्थ के संतुलन को बनाए रखने में मदद करता है। जब इसकी कमी होती है तो कोशिकाओं में असंतुलन हो सकता है, जिससे मांसपेशियों में खिंचाव और अकड़न पैदा हो सकता है।
- पोटेशियम का स्तर कम होने से मानसिक स्थिति पर भी असर पड़ता है। इससे भ्रम, ध्यान केंद्रित करने में परेशानी उलझन जैसी समस्याएं हो सकती है।
- इसकी कमी के कारण व्यक्ति थकान और कमजोरी महसूस कर सकता है। सांस लेने में भी परेशानी हो सकती है।
- पोटेशियम की कमी से व्यक्ति को त्वचा संबंधित समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है, हड्डियों पर भी इसका असर पड़ सकता है।
- पोटेशियम की कमी के चलते हाई ब्लड प्रेशर की समस्या पैदा हो सकती है,जिससे दिल को नुकसान हो सकता है। ब्लड प्रेशर बढ़ने से दिल को अधिक काम करना पड़ता है। इसके चलते स्ट्रोक दिल का दौरा जैसी समस्याओं की संभावना बढ़ जाती है। इससे दिल की धड़कन भी सामान्य हो सकती है।

एचएमपीवी से हो सकता है बचाव, पिएं यह सूप

एचएमपीवी वायरस से बचाव के लिए इम्यूनिटी का मजबूत होना बेहद जरूरी है। आप इस खास सूप को पीकर इम्यूनिटी को मजबूत कर सकते हैं।

सर्दियों में संक्रमण का खतरा काफी ज्यादा बढ़ जाता है। वहीं इन दिनों एचएमपीवी जैसे वायरस का प्रकोप देखने को मिल रहा है। यह उन लोगों को अटैक करता है जिनकी इम्यूनिटी कमजोर होती है। खासतौर पर बच्चों बुजुर्ग या जिन लोगों को कोई बीमारी हो। ऐसे में सही खान-पान और पौष्टिक भोजन के जरिए शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाया जा सकता है। सूप एक बेहतरीन विकल्प है जो रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ा सकता है। इम्युनिटी बढ़ाने के लिए आप मिक्सड वेज सूप का सेवन कर सकते हैं। आइए जानते हैं इसे बढ़ाने की विधि और इसके फायदे।

मिक्सड वेज सूप बनाने की रेसिपी

1 कप गाजर, ½ कप शिमला मिर्च
1 कप मटर, 1 कप लौकी, आधा कप पालक
1 टमाटर कटा हुआ, 1 प्याज बारीक कटा हुआ
2 से 3 लहसुन की कलियां, 1 इंच अदरक
1 तेज पत्ता, 2-3 लौंग, एक चम्मच घी
काली मिर्च पाउडर ½ चम्मच, स्वादानुसार नमक
2 कप पानी

विधि

- सूप बनाने के लिए गाजर, शिमला मिर्च, मटर, लौकी, टमाटर और पालक को अच्छी तरह से धोकर उबाल लें।
- उबली हुई सब्जियों को ठंडा होने के लिए रख दें।
- उसके बाद इसे ब्लेंडर में पीसकर पेस्ट तैयार कर लें।
- अब एक कड़ाही में घी गर्म करें।
- इसमें जीरा, कटा हुआ प्याज, लहसुन अदरक लौंग और तेज पत्ता डालकर भून लें।
- अब इसमें पिसी हुई सब्जियां डालें और अच्छी तरह से मिलाएं ।
- सूप को पतला करने के लिए इसमें पानी डालें और 8 से 10 मिनट तक पकने दें।
- स्वाद अनुसार नमक और काली मिर्च डालें।
- तैयार है आपका मिक्सड वेज सूप चाट मसाला डालें और गरमा-गरम सर्व करें।

मिक्सड वेज सूप के फायदे

- मिक्सड वेज सूप सभी तरह के विटामिन और खनिजों का अच्छा स्रोत है जो रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने में मदद करता है, जब इम्यूनिटी मजबूत होती है तो किसी भी तरह के इंफेक्शन को बढ़ने का खतरा काफी कम हो जाता है, आपका शरीर संक्रमण से लड़ता है।
- वहीं यह सूप पाचन को भी दुरुस्त रखता है। इसके अलावा यह शरीर को गर्माहट देता है।
- इसमें इस्तेमाल अदरक लहसुन और हल्दी जैसे मसाले में एंटीबैक्टीरियल और एंटीवायरस गुण होते हैं जो संक्रमण को कम करते हैं। सूप शरीर को हाइड्रेट रखता है श्वसन तंत्र को सही तरीके से काम करने में मदद करता है।

स्वास्थ्य बीमा प्रीमियम पर लगाम कसने की तैयारी, केंद्र सरकार ने भेजे कई प्रस्ताव

नई दिल्ली, एजेंसी। स्वास्थ्य बीमा प्रीमियम लगातार बढ़ने से परेशान उपभोक्ताओं को जल्द ही राहत मिल सकती है। केंद्र सरकार प्रीमियम में अनियंत्रित बढ़ोतरी को रोकने के लिए सीमा तय करने पर विचार कर रही है। इस दिशा में कई प्रस्ताव तैयार किए गए हैं, जिन्हें समीक्षा के लिए भारतीय बीमा नियामक एवं विकास प्राधिकरण (इरडा) को भेजा गया है। सूत्रों के मुताबिक, जीएसटी दरें शून्य होने के बावजूद प्रीमियम तेजी से बढ़ रहे हैं। बढ़ती चिकित्सा लागत और दावा निपटान की असमान व्यवस्था बीमा कंपनियों पर दबाव बना रही है। इसी को देखते हुए सरकार ने बीमा उद्योग, अस्पताल समूहों और इरडा अधिकारियों के साथ व्यापक चर्चा शुरू की है। सरकार का फोकस राष्ट्रीय स्वास्थ्य दावा एक्सचेंज के जरिए दावों की प्रक्रिया को पूरी तरह डिजिटल और पारदर्शी बनाने पर है। साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जा रहा है कि बीमा कंपनियां हाल ही में जीएसटी दरों में की गई कटौती का वास्तविक लाभ पॉलिसीधारकों तक पहुंचाएं। सरकारी सूत्रों के अनुसार, इरडा एजेंटों को मिलने वाली कमीशन प्रणाली की भी समीक्षा कर सकता है।
फिलहाल यह कमीशन बीमा कंपनियों के प्रबंधन खर्च का हिस्सा होता है। एकल स्वास्थ्य बीमा कंपनियों के लिए यह सीमा ग्रॉस रिटेन प्रीमियम का 35 फीसदी निर्धारित है। नियमों के अनुसार, नई स्वास्थ्य पॉलिसियों पर एजेंटों को प्रीमियम राशि का 20 फीसदी तक और नवीनीकरण पर 10 फीसदी तक कमीशन मिलता है। इरडा स्वास्थ्य बीमा बाजार में मौजूद कमियों की ओर लगातार इशारा करता रहा है। इनमें अपेक्षा से कम दावों के भुगतान के मामले प्रमुख हैं। इस महीने की शुरुआत में इरडा प्रमुख अजय सेठ ने दोहराया कि नियामक दावा निपटान राशि पर कड़ी निगरानी रखे हुए है और किसी भी अनियमितता पर कार्रवाई की जाएगी। सरकार का मानना है कि बढ़ते प्रीमियम और असमान क्लेम निपटान जैसी समस्याओं पर अब निर्णायक कदम उठाने की जरूरत है, ताकि पॉलिसीधारकों को वास्तविक सुरक्षा और राहत मिल सके।

15 नहीं, 11 साल में होगी कम्यूटेड पेंशन की बहाली 8वें वेतन आयोग में होगा बदलाव

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय सरकारी कर्मचारियों का प्रतिनिधित्व करने वाली संस्था नेशनल काउंसिल (स्टाफ साइड), जॉइंट कंसल्टेटिव मशीनरी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक डिटेल पत्र लिखकर 8वें वेतन आयोग के टर्म्स ऑफ रेफरेंस में मौजूद अनियमितताओं और गंभीर कमियों की ओर ध्यान आकर्षित किया है। बता दें कि केंद्र सरकार ने 3 नवंबर 2025 को 8वें वेतन आयोग के टीओआर अधिसूचित किए थे। जनवरी 2025 में आयोग की घोषणा के बाद सरकार ने एनसी जेसीएम स्टाफ साइड से सुझाव भी मांगे थे। मार्च 2025 में परिषद ने एक विस्तृत चार्टर सरकार को सौंपा था, जिसमें कम्यूटेड पेंशन की बहाली अवधि 15 साल से घटाकर 11 साल करने की प्रमुख मांग शामिल थी। पत्र में परिषद ने कहा कि 1 जनवरी 2004 या उसके बाद नियुक्त 26 लाख से अधिक केंद्रीय कर्मचारी (जिनमें रेलवे, रक्षा के सिविल कर्मचारी और अर्धसैनिक बल शामिल हैं) नई पेंशन प्रणाली से बाहर निकलकर पुरानी पेंशन योजना की बहाली की ज़ोरदार मांग कर रहे हैं। ओ पी एस एक बिना अंशदान और गारंटीड पेंशन वाला सुरक्षित ढांचा है, जिसे एनपीएस से बदल दिया गया था।एक दीर्घकालिक, उचित और न्यायोचित मांग है, जो कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति के बाद की आर्थिक सुरक्षा और सामाजिक सम्मान की चिंता से उपजी है। इस मुद्दे को 8वें वेतन आयोग के ॠश्ॠमें शामिल किया जाए, ताकि आयोग इसे व्यापक दृष्टिकोण से परखे और सुझाव दे सके।

बोरिया-बिस्तर समेट रहा डॉयचे बैंक

कई अमीरों के हैं खाते

नई दिल्ली, एजेंसी।
जर्मनी का डॉयचे बैंक भारत में अपना रिटेल और वेल्थ मैनेजमेंट बिजनेस समेटने की तैयारी में है। इसे खरीदने की होड़ में देश के दो बड़े प्राइवेट बैंक कोटक महिंद्रा बैंक और फेडरल बैंक शामिल हैं। आठ साल में यह दूसरा मौका है जब डॉयचे बैंक भारत में अपना कारोबार बेचने की फिराक में है। ईटी की एक रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया कि दोनों भारतीय बैंकों ने डॉयचे बैंक के इस पोर्टफोलियो का मूल्यांकन कर लिया है। डॉयचे बैंक बेचना चाहता है। हालांकि यह साफ नहीं है कि इस पोर्टफोलियो में पर्सनल लोन और मॉर्टगेज का कितना-कितना हिस्सा है। बैंक के वेल्थ मैनेजमेंट कारोबार में करीब 25,000 करोड़ रुपये की एसेट अंडर मैनेजमेंट है। मार्च 2025 में खत्म हुए वित्तीय वर्ष में बैंक के रिटेल कारोबार से कुल 2,455 करोड़ रुपये का रेवेन्यू आया था।

भारतीयों बैंकों का क्या फायदा?

ताजा आंकड़ों के अनुसार मार्च 2025 के अंत तक डॉयचे बैंक के रिटेल बैंकिंग में कुल 25,038 करोड़ रुपये की संपत्ति थी। डॉयचे बैंक के सीईओ क्रिश्चियन सीविंग ने वैश्विक स्तर पर बैंक को और अधिक लाभदायक बनाने के लिए एक पुनर्गठन योजना शुरू की है। इसी योजना के तहत डॉयचे बैंक भारत में अपने रिटेल कारोबार से पूरी तरह बाहर निकलना चाहता है। कोटक महिंद्रा बैंक और फेडरल बैंक के प्रवक्ताओं ने ईमेल सवालों का जवाब नहीं दिया।

विदेशी बैंकों की मुश्किल

भारत में विदेशी बैंकों को बड़े स्थानीय बैंकों से कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ रहा है। उनके खर्चे ज्यादा होते हैं और वे कीमतों के मामले में कड़ी प्रतिस्पर्धा नहीं कर पाते। साल 2022 में सिटीबैंक ने अपना क्रेडिट कार्ड और रिटेल कारोबार 1 अरब डॉलर से अधिक में एक्सिस बैंक को बेच दिया था। इसी साल कोटक महिंद्रा बैंक ने स्टैंडर्ड चार्टर्ड से 3,330 करोड़ रुपये का पर्सनल लोन पोर्टफोलियो खरीदा था। एक सूत्र ने बताया कि बातचीत चल रही है, लेकिन हमें मूल्यांकन पर भी ध्यान देना होगा। कोटक और फेडरल बैंक दोनों ही पोर्टफोलियो खरीदकर अपने कारोबार का विस्तार करने के इच्छुक हैं और यह एक ऐसा ही मौका है। यह उन्हें डॉयचे बैंक के वेल्थ मैनेजमेंट कारोबार में भी हिस्सेदारी देगा।

भारत बना सौर ऊर्जा में दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा उत्पादक

नई दिल्ली, एजेंसी।
भारत में सौर ऊर्जा का उत्पादन लगातार बढ़ रहा है और देश उत्पादन के मामले में विश्व में तीसरे स्थान पर आ गया है। देश में कुल 125 गीगावॉट सौर ऊर्जा का उत्पादन किया जा रहा है। राज्यों में उत्तर प्रदेश में सौर ऊर्जा उत्पादन तेजी से बढ़ा है।खास बात है कि राज्य महाराष्ट्र और गुजरात के बाद अब तीसरे स्थान पर पहुंच गया है।

दरअसल, केंद्र सरकार की पीएम सूर्य घर योजना के कारण राज्यों में सौर ऊर्जा का उत्पादन बढ़ रहा है। यूपी में राज्य सरकार इस योजना को जन-जन तक पहुंचाने के लिए तेजी से कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ राज्य में सौर ऊर्जा के उत्पादन को लेकर काफी सक्रिय हैं।

राज्य सरकार के अधिकृत आंकड़ों के अनुसार, यूपी में 2,75,936 घरों में रूफटॉप सोलर संयंत्र स्थापित किए जा चुके हैं। इससे उपभोक्ताओं को मुफ्त बिजली का लाभ मिल रहा है। राज्य

में उपभोक्ता रूफटॉप सोलर संयंत्र लगाने के लिए लगातार आवेदन कर रहे हैं।?अगर राष्ट्रीय स्तर पर आवेदनों की संख्या देखें तो यूपी इस मामले में दूसरे स्थान पर है।

आंकड़ों के मुताबिक, 2025 में 31 अक्तूबर तक राज्य में 1,808.09 करोड़ रुपये की सब्सिडी वितरित की जा चुकी है। लखनऊ, वाराणसी, कानपुर नगर और बरेली में तेजी से लोग इस योजना के जरिये रूफटॉप सोलर संयंत्र स्थापित कर रहे हैं।

दुनिया की सबसे बड़ी क्रिप्टोकरेंसी बिटकॉइन में फिर गिरावट

नई दिल्ली, एजेंसी। दुनिया की सबसे बड़ी क्रिप्टोकरेंसी बिटकॉइन में लगातार गिरावट जारी है। गुरुवार, 20 नवंबर को बिटकॉइन का भाव घटकर 92,000 डॉलर के निचले स्तर पर पहुंच गया। इसकी वजह अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा दिसंबर में ब्याज दरें कम करने को लेकर अनिश्चितता है। सुबह 6ः15 बजे के आंकड़ों के अनुसार, बिटकॉइन की कीमत 0.41 प्रतिशत गिरकर 92,140.39 डॉलर हो गई। बिटकॉइन का कुल मार्केट कैप 1.83 ट्रिलियन डॉलर रहा, जबकि पिछले 24 घंटों में इसकी ट्रेडिंग की मात्रा 80.08 बिलियन डॉलर रही। वहीं, दूसरी सबसे बड़ी क्रिप्टोकरेंसी ईथर भी 0.28 प्रतिशत गिरकर 3,042 डॉलर पर आ गई। दिसंबर में फेड रिजर्व की ब्याज दर में कटौती की संभावना घटकर केवल 32 प्रतिशत रह गई है। ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि फेड रिजर्व की बैठक के विवरण से पता चला कि वह महंगाई और रोजगार बाजार को लेकर अभी सतर्क है। इस वजह से निवेशक जोखिम वाली संपत्तियों से दूर भाग रहे हैं। उच्च ब्याज दरों से बिटकॉइन जैसी संपत्तियों का आकर्षण कम हो जाता है, क्योंकि यह निवेश पर कोई नियमित आय (ब्याज) नहीं देती। साथ ही, स्पॉट बिटकॉइन श्ञ्ज्ञस्न से लगातार पांचवें दिन भी पैसा निकाला गया, जिससे बाजार पर बिकवाली का दबाव बना हुआ है। बिटकॉइन पिछले कुछ दिनों से लगातार दबाव में है। मंगलवार, 18 नवंबर को यह सात महीने में पहली बार 90,000 डॉलर से नीचे गिर गया था। इस अत्यधिक उतार-चढ़ाव वाली क्रिप्टोकरेंसी ने साल 2025 में अब तक की अपनी सारी बढ़त गंवा दी है और अक्टूबर में 126,000 डॉलर के अपने शिखर से यह लगभग 30 प्रतिशत नीचे है। ईथर भी अगस्त के अपने शिखर (4,955 डॉलर) से लगभग 40 प्रतिशत गिर चुकी है। अक्टूबर की शुरुआत में बिकवाली के बाद से क्रिप्टो बाजार अभी तक स्थिर नहीं हो पाया है, जिसमें 1 ट्रिलियन डॉलर से अधिक का नुकसान हुआ था। हालांकि बड़े संस्थागत निवेशक अभी भी टिके हुए हैं, लेकिन छोटे निवेशकों की भागीदारी और सस्ते में खरीदारी की गतिविधियां कम हो गई हैं।

एक शौक जो कारोबार में बदल गया

इंजीनियरिंग की नौकरी भी नहीं रोक पाई, अब 35 करोड़ रुपये का टर्नओवर

नई दिल्ली, एजेंसी।
अगर पैशन को करियर और फिर उसे कारोबार में बदल दिया जाए तो सफलता मिलने के चांस बहुत ज्यादा हो जाते हैं। ऐसा ही कुछ किया हैदराबाद के मुस्तफा अली ने। मुस्तफा विप्रो में सॉफ्टवेयर इंजीनियर थे। लेकिन उन्हें कारों के बारे में अच्छी जानकारी थी। उन्होंने बाद में अपनी कॉर्पोरेट नौकरी छोड़ दी और 2019 में पुरानी कारों का शोरूम कार डिपो खोला। आज वह इससे करोड़ों रुपये की कमाई कर रहे हैं। मुस्तफा ने जुबली हिल्स, हैदराबाद के एक किराए के 1,800 वर्ग फुट के छोटे से जगह से अपनी उद्यमी यात्रा शुरू की थी। तब उनके पास सिर्फ पांच कारें थीं। आज कार डिपो काफी बढ़ गया है। साल 2024 में उनका टर्नओवर 35 करोड़ रुपये तक पहुंच गया था। अब वे हैदराबाद के पॉश बंजारा हिल्स में एक बड़ी किराए की जगह से काम कर रहे हैं। वे साल 2020 में यहां शिफ्ट हुए थे। उनकी कंपनी कार डिपो

मर्सिडीज, बीएमडब्ल्यू, ऑडी, मारुति, हुंडई, टाटा और महिंद्रा जैसे सभी प्रमुख कार ब्रांडों के साथ काम करती है। मुस्तफा ने साल 2007 में सेंट पैट्रिक हायर सेकेंडरी स्कूल, सिकंदराबाद से 12वीं कक्षा पूरी की। इसके बाद उन्होंने उस्मानिया यूनिवर्सिटी से आईटी में बी.टेक किया और साल 2011 में ग्रेजुएशन किया। एक महीने बाद उन्हें विप्रो में सॉफ्टवेयर इंजीनियर के तौर पर 20,000 रुपये प्रति माह के वेतन पर बेंगलुरु में नौकरी मिल गई।

4 लाख रुपये से कार की शुरुआत

मुस्तफा की कंपनी कार डिपो में सबसे छोटी डील एंट्री-लेवल कारों जैसे हुंडई ग्रैंड आई10 की होती है, जिसकी कीमत लगभग 4 लाख रुपये है। वहीं, उनकी सबसे महंगी डीलों में इंपोर्टेड गाड़ियां शामिल हैं, जिनकी कीमत 1 करोड़ रुपये तक हो सकती है। कंपनी हर कार पर लगभग 5 से 10 प्रतिशत का मुनाफा कमाती है। मुस्तफा कहते हैं कि पुरानी कारों का कारोबार एक असंगठित क्षेत्र है। इसमें हर चीज की अच्छी तरह से जांच करनी पड़ती है, जैसे कार की कंडीशन, उसके कागजात, एक्सीडेंट आदि। मुस्तफा अपने बिजनेस के लिए कारें सिर्फ दो राज्यों- आंध्र प्रदेश और तेलंगाना से खरीदते हैं। अपने गृह राज्य और पड़ोसी राज्य में कई तकनीकी पहलुओं को सत्यापित करना और प्रबंधित करना उनके लिए आसान होता है।

चीजें बेचकर कमीशन से कमाई

34 वर्षीय मुस्तफा का जन्म मिडिल क्लास फैमिली में हुआ। वह कहते हैं कि वह परिवार के साथ श्रीनगर कॉलोनी में एक 2बीएचके घर में रहते थे। उनके पिता के पास एक मारुति 800 थी, जिसे उस समय एक अच्छी गाड़ी माना जाता था। मुस्तफा के परिवार में कोई भी कभी बिजनेस में नहीं था, लेकिन उनमें बचपन से ही बिजनेस का दिमाग था। वे याद करते हैं, मुझे याद है कि मैंने 10 रुपये में एक स्टेंसिल सेट खरीदा था जिसमें एक फ्री पोकेमोन कलेक्टिबल था और उसे अपने दोस्तों को 20 रुपये में बेच दिया था, जिससे मेरी पॉकेट मनी बढ़ जाती थी। बाद में उन्होंने मोबाइल बेचकर भी अच्छी कमीशन बनाई।

तकनीक में प्रवासियों का योगदान असाधारण

वीजा नीति में बदलाव के बीच गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई

नई दिल्ली, एजेंसी।
गूगल की पेरेंट कंपनी अल्फाबेट के सीईओ सुंदर पिचाई ने अमेरिकी तकनीकी क्षेत्र की वृद्धि में प्रवासियों की अहम भूमिका को अहम बताया है। उन्होंने यह बात तब कही है जब एच-1बी वीजा को लेकर विवाद छिड़ा हुआ है। एक साक्षात्कार के दौरान उन्होंने कहा कि टेक्नोलॉजी के विकास के इतिहास में प्रवासियों का योगदान असाधारण रहा है। पिचाई ने स्वीकार किया कि एच-1बी वीजा कार्यक्रम में अभी भी कई कमियां हैं, लेकिन प्रशासन इन्हें दूर करने पर काम कर रहा है। उनके अनुसार, मौजूदा ढांचे में बदलाव किए जा रहे हैं ताकि विश्वभर से प्रतिभाशाली पेशवरों को अमेरिका लाने की प्रक्रिया सुचारु बन सके। पिचाई लंबे समय से आव्रजन के समर्थक रहे हैं। उन्होंने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपित ट्रंप ने एआई की रणनीतिक अहमियत को स्पष्ट रूप से रेंखाकित किया।

टेक लीडर्स और राजनीतिक सत्ता के बीच बढ़ती नजदीकियां

टेक लीडर्स और राजनीतिक सत्ता के बीच बढ़ती नजदीकियों पर उन्होंने कहा कि फिलहाल दुनिया एक असाधारण एआई मोड़ पर है। पिचाई ने कहा कि यह तकनीक अर्थव्यवस्था, राष्ट्रिय सुरक्षा और समाज सभी के लिए बड़े अवसर ला सकती है।

एच-बी वीजा के जरिए ही पिचाई ने कमाया इतना नाम

बता दें कि पिचाई खुद एक अंतरराष्ट्रीय छात्र के रूप में अमेरिका पहुंचे थे और बाद में एच-1बी वीजा के जरिए ही उन्होंने सिलिकॉन वैली में इतना नाम कमाया। ट्रंप ने इस तकनीक को विकसित करने वाली कंपनियों को लाभ पहुंचाने के कई प्रयास किए हैं। पिचाई के अनुसार सरकार के साथ करीबी संवाद इसलिए जरूरी है ताकि यह तकनीक समाज के हित में इस्तेमाल हो सके और इसके संभावित दुरुपयोग को भी रोका जा सके। विदेशी कर्मचारियों के वीजा पर व्हाइट हाउस की सख्ती पर पूछे गए सवाल के जवाब में पिचाई ने कहा कि तकनीकी क्षेत्र के इतिहास में प्रवासियों का योगदान बेहद शानदार रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार इस भूमिका को समझती है और मौजूदा एच-1बी कार्यक्रम में मौजूद कमियों को दूर करने पर काम कर रही है, ताकि दुनिया भर से प्रतिभाशाली लोग अमेरिका आकर योगदान दे सकें। मुझे लगता है कि हम आगे भी निवेश जारी रख पाएंगे।

जो 25 साल की उम्र में हो सकता है वो 35 में नहीं, सीए ने किया नौजवानों को सोचने पर मजबूर

नई दिल्ली, एजेंसी। नौकरी करने वाला लगभग हर शख्स चाहता है कि वह 60 की उम्र में एक अच्छी बड़ी रकम के साथ रिटायर हो जाए। लेकिन अब बदलते समय में रिटायरमेंट की

उम्र और रकम भी बदल रही है। काफी लोग 60 की उम्र से पहले रिटायर होना चाहते हैं वह भी बड़े फंड के साथ। लेकिन इसकी तैयारी भी नौकरी लगते ही कर देनी चाहिए। एक सीए ने निवेश से जुड़ी ऐसी की कुछ बातों को बताया है। सीए नितिन कौशिक ने एक पोस्ट में बताया है 25 साल की उम्र में निवेश शुरू करने से जो रिटर्न मिल सकता है, वो 35 की उम्र में निवेश शुरू करने से नहीं मिल सकता है। उन्होंने बताया कि अगर कोई शख्स 35 की उम्र में निवेश करना शुरू करता है तो उसके फंड में एक करोड़ रुपये से ज्यादा का अंतर आ सकता है। उनकी इस बात ने उन नौजवानों को सोचने पर मजबूर कर दिया है जो सोचते हैं कि निवेश के लिए उनके पास अभी बहुत समय है। नितिन कौशिक ने बताया कि रिटायरमेंट का उम्र से ज्यादा लेना-देना नहीं है, बल्कि यह आपकी आदतों पर ज्यादा निर्भर करता है। उन्होंने कहा कि लोग अक्सर मान लेते हैं कि 60 साल की उम्र रिटायरमेंट के लिए तय है, जैसे यह किस्मत में लिखा हो।

अडानी का नाम जुड़ने के बाद थम नहीं रही जेपी पावर की तेजी, दो दिन में 30 प्रतिशत उछला शेयर

नई दिल्ली, एजेंसी।
जयप्रकाश पावर वेंचर्स लिमिटेड (जेपी पावर) के शेयरों में तेजी का सिलसिला गुरुवार को भी जारी रहा। आज कंपनी का शेयर शुरुआती कारोबार में करीब 12 प्रतिशत बढ़कर 22.80 रुपये पर पहुंच गया। बुधवार को इसमें कारोबार के दौरान करीब 18 फीसदी तेजी आई थी और आखिरकार यह 15 प्रतिशत की बड़ी बढ़त के बाद हुआ। पिछले सत्र में यह 20.31

रुपये पर बंद हुआ था और आज 21.30 रुपये पर खुला। जेपी पावर की सहयोगी कंपनी जयप्रकाश एसोसिएट्स के क्रेडिटर्स ने अडानी ग्रुप के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है।

ब्लूमबर्ग ने सूत्रों के हवाले से बताया कि यह डील करीब 1.5 अरब डॉलर की है। इस समाधान योजना को अडानी एंटरप्राइजेज, उसके प्रमोटर ग्रुप की एंटिटीज, अडानी ग्रुप की अन्य कंपनियों या एक स्पेशल पर्पज व्हीकल के जरिए लागू किया जा सकता है। जयप्रकाश एसोसिएट्स संकट से जूझ रहे जेपी ग्रुप की फ्लैगशिप कंपनी है। इसका बिजनेस

एस्टेट, फर्टिलाइजर्स और हॉस्पिटैलिटी जैसे कई क्षेत्रों में फैला है। तकनीकी तौर पर जेपी पावर वेंचर्स के लिए डेली आरएसआई 74.9 पर है। यह इसे ओवरबॉट जोन में रखता है क्योंकि 70 से ऊपर की रीडिंग आमतौर पर बढ़ी हुई खरीदारी के दबाव का संकेत देती है। इससे पता चलता है कि शेयर में निकट भविष्य में थोड़ी गिरावट या स्थिरता आ सकती है। शेयर वर्तमान में अपने सभी 8 प्रमुख सिंपल मूविंग एवरेज से ऊपर कारोबार कर रहा है, जो मजबूत ऊपर की ओर गति को दर्शाता है। इसका 52 हफ्ते का उच्चतम स्तर 27.62 रुपये और न्यूनतम

अच्छे-अच्छों से ज्यादा कमाता है गुड़गांव का ड्राइवर

उद्यमी अंकुर ने ड्राइवर को गिफ्ट में दी स्कूटी

नई दिल्ली, एजेंसी।
अपने समाज में लोग ड्राइवर को आमतौर पर उतना सम्मान नहीं देते, जितना जापान या अन्य देशों में मिलता है। अमेरिका, दुबई, कुवैत आदि देशों में तो ड्राइवर को इतनी सैलेरी मिलती है कि भारत जैसे तीसरी दुनिया के देशों से लोग वहां यह नौकरी करने भी पहुंच जाते हैं। लेकिन दिल्ली एनसीआर के शहर गुड़गांव में एक उद्यमी अंकुर वारिकू अपने ड्राइवर को इतनी सैलरी देते हैं कि कोई भी व्यक्ति यह नौकरी कर ले। यही नहीं, उन्हें सैलरी के अलावा ढेरों सुविधाएं भी मिलती है। साथ में हर साल 11 प्रतिशत की सैलेरी हाइक पक्की!

गुड़गांव के एक मशहूर उद्यमी और कंटेंट क्रिएटर हैं अंकुर वारिकू। इन्होंने हाल ही में एक खुलासा किया है जिसने सबको हैरान कर दिया है। उन्होंने बताया कि उनके ड्राइवर, जिनका नाम है दयानंद भईया, हर महीने 50,000 से ज़्यादा कमाते हैं। यह रकम आमतौर पर इस तरह की नौकरियों के लिए मिलने वाली

सैलरी से काफी ज़्यादा है। इसके अलावा उन्हें हेल्थ इंश्योरेंस की सुविधा और ढेरों पर्क भी मिलते हैं। इस दिवाली तो उन्हें गिफ्ट में ब्रांड न्यू स्कूटी मिली है।

अंकुर वारिकू ने यह बात सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स (पहले ट्वीटर) पर यह बात साझा की। उन्होंने बताया कि दयानंद भईया को हर साल 11 प्रतिशत की बढ़ोतरी मिलती है। इतना ही नहीं, उन्हें परिवार का सदस्य माना जाता है। उनके पास घर की चाबियां भी हैं और उन्हें परिवार के एटीएम का पिन भी पता है। दयानंद भईया की हालिया सैलरी बढ़ोतरी के बाद, उनकी महीने का वेतन 53,350 रुपये हो गया है। उनके इस ट्वीट को गुरुवार की सुबह छह बजे तक 51.48 लाख से भी ज्यादा व्यूज मिल चुके थे।

आंख मूंद कर भरोसा करते हैं

अंकुर वारिकू ने विस्तार से बताया, वह हमारे बच्चों को क्लास तक छोड़ते हैं, घर की डुप्लीकेट चाबियां रखते हैं, हमारे एटीएम का पिन जानते हैं, वो सारे ज़रूरी काम संभालते हैं जिनमें हमारी मौजूदगी की ज़रूरत नहीं होती। वह मुझे अपने जैसा मानते हैं (परिवार के सभी सदस्यों को तुम कहकर बुलाते हैं, आप नहीं)। वह ऐसे इंसान हैं जिन पर मैं अपने और अपने परिवार की सुरक्षा के लिए आंख मूंदकर भरोसा करता हूँ। अंकुर वारिकू की कंपनियों ने साल 2024 में कुल 16.84 करोड़ का रेवेन्यू जेनरेट किया है।

दिवाली गिफ्ट में नई स्कूटी

दयानंद भईया को सिर्फ अच्छी सैलेरी ही नहीं नहीं मिलती है। बल्कि अंकुर वारिकू के ड्राइवर को और भी कई फायदे मिलते हैं। उनकी सालाना कमाई 6 लाख रुपये से ज़्यादा है, जो कई फील्ड्स में शुरुआती नौकरी के लिए मिलने वाली सैलरी से भी ज़्यादा है। इसके अलावा, दयानंद भईया और उनके परिवार जनों को कॉरपोरेट इम्पलायीज की तरह हेल्थ इंश्योरेंस का लाभ भी मिलता है। दिवाली पर उन्हें एक महीने की पगार के बराबर बोनस भी दिया जाता है। दिवाली में सामान्य कर्मचारी की तरह उन्हें बढ़िया गिफ्ट भी मिलता है। इस दिवाली तो उन्हें एक ब्रांड न्यू स्कूटी भी गिफ्ट में मिली है।
ड्राईवर नहीं परिवार का अहम हिस्सा : अंकुर वारिकू ने एक्स पर बताया कि दयानंद भईया ने 13 साल पहले उनके साथ बतौर ड्राइवर काम करना शुरू किया था। तब उनकी सैलरी 15,000 रुपये प्रति माह थी। तब से लेकर अब तक, वह परिवार का एक अहम हिस्सा बन गए हैं और उन्होंने अपनी ज़िंदगी भी बनाई है। उन्होंने यह भी बताया कि दयानंद भईया सिर्फ ड्राइवर नहीं हैं, बल्कि परिवार के लिए एक भरोसेमंद साथी हैं।

वेस्टइंडीज के कप्तान शाई होप ने की महान ब्रायन लारा की बराबरी

नई दिल्ली, एजेंसी। वेस्टइंडीज और न्यूजीलैंड के बीच नेपियर में वनडे सीरीज का दूसरा मैच खेला गया। वेस्टइंडीज के कप्तान शाई होप ने इस मैच में शतक लगाते हुए महान बल्लेबाज ब्रायन लारा के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। न्यूजीलैंड के खिलाफ हुए मुकाबले में चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरे शाई होप ने 69 गेंद पर 4 छक्कों और 13 चौकों की मदद से नाबाद 109 रन की पारी खेली। होप के वनडे करियर का यह 19वां शतक था। इस शतक के साथ ही होप ने ब्रायन लारा द्वारा वेस्टइंडीज के लिए वनडे में लगाए 19 शतकों के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली। साथ ही वनडे क्रिकेट में अपने 6,000 रन भी पूरे कर लिए। शतकीय पारी के लिए होप को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया, लेकिन वेस्टइंडीज यह मुकाबला 5 विकेट से हार गई। वेस्टइंडीज के लिए वनडे में सर्वाधिक शतक लगाने वाले बल्लेबाजों की सूची में होप ब्रायन लारा के साथ संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर आ गए हैं। 25 शतक के साथ क्रिस गेल पहले स्थान पर हैं।

शुभमन गिल गुवाहाटी टेस्ट से बाहर!

● सवालों के घेरे में बीसीसीआई-टीम इंडिया

नई दिल्ली, एजेंसी। जिस बात का अंदेशा था, वो अब सच साबित हो गई है. गुवाहाटी में होने जा रहे दूसरे टेस्ट मैच में टीम इंडिया को कप्तान शुभमन गिल के बिना ही उतरना पड़ेगा. गुवाहाटी के बरसापारा स्टेडियम में 22 नवंबर से भारत और साउथ अफ्रीका के बीच ये टेस्ट मैच शुरू होगा लेकिन इस मैच में भारतीय टीम की कमान गिल के बजाए उप-कप्तान ऋषभ पंत के हाथों में जाती हुई दिख रही है. रिपोर्ट्स के मुताबिक, गिल गर्दन की चोट से पूरी तरह उबर नहीं पाए हैं और टीम के साथ गुवाहाटी जाने के बावजूद वो इस मैच से लगभग बाहर हो गए हैं. इतना ही नहीं, उनका 30 नवंबर से साउथ अफ्रीका के खिलाफ ही वनडे सीरीज में खेलना भी मुश्किल नजर आ रहा है. गिल ही वनडे टीम के भी कप्तान हैं. एक रिपोर्ट में खुलासा किया गया है कि गिल अभी तक पूरी तरह से ठीक नहीं हुए हैं. वो बुधवार 19 नवंबर को टीम के साथ गुवाहाटी जरूर गए लेकिन अभी भी पूरी तरह से ठीक नहीं हो पाए हैं. इसके चलते उनका दूसरे टेस्ट मैच से बाहर होना अब तय ही नजर आ रहा है, जिसका औपचारिक ऐलान होना बाकी है. गिल की गैरहाजिरी में ऋषभ पंत गुवाहाटी में कप्तानी करते हुए दिखेंगे, जिन्होंने कोलकाता टेस्ट की दूसरी पारी में भी टीम की कमान संभाली थी. पंत पहली बार किसी टेस्ट मैच में टीम इंडिया की कप्तानी करेंगे.

कोलकाता टेस्ट के दौरान गर्दन में खिंचाव

गिल को कोलकाता टेस्ट मैच के दूसरे दिन के पहले सेशन में ये चोट लगी थी. टीम इंडिया की बल्लेबाजी के दौरान गिल जब क्रीज पर उतरे तो एक स्वीप शॉट जमाते ही उनकी गर्दन में खिंचाव आ गया, जिसके कारण वो दर्द में नजर आए. इसके चलते सिर्फ 3 गेंद खेलकर ही वो रिटायर्ड हर्ट हो गए और फिर बैटिंग के लिए नहीं लौटे. गिल को उसी दिन शाम में कोलकाता के ही एक अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां वो पूरी रात रहे और फिर अगले दिन उन्हें डिस्चार्ज किया गया था. इसके चलते वो दूसरी पारी में भी गिल ने बैटिंग नहीं की और टीम इंडिया वो टेस्ट मैच 30 रन से हार गई.इसके बाद से ही गिल कोलकाता में ही आराम कर रहे थे. रिपोर्ट्स के मुताबिक, गिल को डॉक्टर्स ने पूरी तरह से आराम की सलाह दी थी और कहा गया था कि कहीं भी आने-जाने से या लंबे सफर से उनकी दर्द बढ़ सकता है, जिसके पूरी तरह ठीक होने में और भी लंबा वक्त लग सकता है.

आईसीसी अंडर-19 विश्व कप

भारत -पाकिस्तान के बीच लीग स्टेज में नहीं होगा मुकाबला

नई दिल्ली, एजेंसी। आईसीसी ने अंडर-19 विश्व कप 2026 के कार्यक्रम का ऐलान कर दिया है। जिम्बाब्वे और नामीबिया की मेजबानी में विश्व कप 15 जनवरी से 6 फरवरी, 2026 तक खेला जाएगा। कुल 16 टीमों के बीच 41 मुकाबले खेले जाएंगे। आईसीसी के घोषित कार्यक्रम के मुताबिक लीग स्टेज में भारत और पाकिस्तान आमने-सामने नहीं होंगे। आईसीसी ने 16 टीमों को 4-4 के ग्रुप में विभाजित किया है। भारत और पाकिस्तान को अलग-अलग ग्रुप में रखा गया है। इस वजह से लीग स्टेज में दोनों टीमें आपस में नहीं भिड़ेंगी। अक्सर आईसीसी प्रतियोगिताओं में भारत और पाकिस्तान के मैच लीग स्टेज में कराए जाते हैं। इससे टूर्नामेंट का रोमांच बढ़ता है, लेकिन आईसीसी ने इस बार भारत और पाकिस्तान को एक ग्रुप में न रखकर लीग स्टेज में भिड़ंत के रोमांच को ही समाप्त कर दिया है। एशिया कप 2025 (सीनियर) में भारत और पाकिस्तान के बीच फाइनल सहित तीन मैच हुए थे। मैचों के दौरान दोनों देशों के कप्तानों और खिलाड़ियों के बीच हैंड शेक नहीं हुआ था। इससे स्पष्ट है कि दोनों देशों के बीच क्रिकेट के मैदान पर भी स्थिति सामान्य नहीं है। इसलिए ऐसी किसी भी असामान्य स्थिति से बचने के लिए आईसीसी ने अंडर-19 विश्व कप में दोनों टीमों को अलग-अलग ग्रुप में रखा है।

विश्व कप के लिए 4 ग्रुप बनाए गए हैं

ग्रुप ए में भारत, बांग्लादेश, अमेरिका और न्यूजीलैंड है। ग्रुप बी में जिम्बाब्वे, पाकिस्तान, इंग्लैंड और स्कॉटलैंड शामिल हैं। ग्रुप सी में ऑस्ट्रेलिया, आयरलैंड, जापान और श्रीलंका शामिल हैं। ग्रुप डी में तंजानिया, वेस्टइंडीज, अफगानिस्तान और दक्षिण अफ्रीका को जगह दी गई है। लीग स्टेज में भारत 15 जनवरी को अमेरिका, 17 जनवरी को बांग्लादेश और 24 जनवरी को न्यूजीलैंड के खिलाफ खेलेगा।

विश्व कप के लिए जिम्बाब्वे और नामीबिया में पांच आयोजन स्थल चयनित किए गए हैं। मैच जिम्बाब्वे में हरारे स्पोर्ट्स क्लब, ताकाशिंगा स्पोर्ट्स क्लब, और क्वींस स्पोर्ट्स क्लब में खेले जाएंगे। वहीं नामीबिया में नामीबिया क्रिकेट ग्राउंड और एचपी ओवल नामीबिया में खेले जाएंगे।

अंतरराष्ट्रीय टेनिस हॉल ऑफ फेम में चुने गए 20 बार के ग्रैंडस्लैम चैंपियन रोजर फेडरर

लंदन, एजेंसी। स्विट्जरलैंड के स्टार टेनिस खिलाड़ी और 20 बार के ग्रैंडस्लैम चैंपियन रोजर फेडरर को अंतराष्ट्रीय हॉल ऑफ फेम में चुना गया है। रोड आइलैंड स्थित हॉल ऑफ फेम ने बुधवार को यह जानकारी दी। टीवी प्रस्तोता और पत्रकार तथा पूर्व खिलाड़ी मैरी कैरिलो को योगदानकर्ता श्रेणी में चुना गया। इन्हें हॉल ऑफ फेम में शामिल करने के लिए समारोह अगस्त 2026 में होगा। फेडरर ने 103 टूर-स्तरीय खिताब, 20 बड़ी ट्रॉफियां और 28 एटीपी मास्टर्स 1000 क्राउन जीते है। 43 साल के फेडरर के नाम फरवरी 2004 से अगस्त 2008 तक 237 हफ़्तों तक लगातार वल्ड 'नंबर वन रहने का रिकॉर्ड है। फेडरर पांच बार एटीपी ईयर-एंड नंबर वन रहे, पीआईएफ सम्मान से सम्मानित हुए, 13 बार स्टीफन एडबर्ग स्पोट्‌र्समैनशिप अवॉड 'मिला और 2003-21 तक लगातार 19 सालों तक एटीपी फैंस के पसंदीदा चुने गए। अपनी इस उपलब्धि पर फेडरर ने कहा, 'अंतरराष्ट्रीय टेनिस हॉल ऑफ फेम में शामिल होना और खेल के इतने सारे महान चैंपियन के साथ खड़ा होना बहुत बड़ा सम्मान है। उन्होंने कहा, 'अपने पूरे करियर में मैंने हमेशा टेनिस के इतिहास और मुझसे पहले आए लोगों के उदाहरण को महत्व दिया है। स्विस टेनिस में, अगली पीढ़ी के खिलाड़ियों से घिरे हुए यह खबर सुनना बहुत खास था वह जगह जहां मेरी अपनी यात्रा पहली बार शुरू हुई थी। खेल और मेरे साथियों से इस तरह पहचान मिलना बहुत अच्छा लग रहा है। मैं अगले अगस्त में टेनिस कम्युनिटी के साथ इस खास पल को मनाने के लिए न्यूपोट 'आने का इंतजार कर रहा हूं। 20 ग्रैंड स्लैम एकल खिताब जीतने वाले पहले पुरुष खिलाड़ी फेडरर 'क्लास ऑफ 2026' के लिए समर्थन प्राप्त करने वाले एकमात्र उम्मीदवार थे। फेडरर ने राफेल नडाल और नोवाक जोकोविच जैसे साथी महान खिलाड़ियों की मौजूदगी वाले युग को 'टेनिस के लिए स्वर्णिम समय' माना।

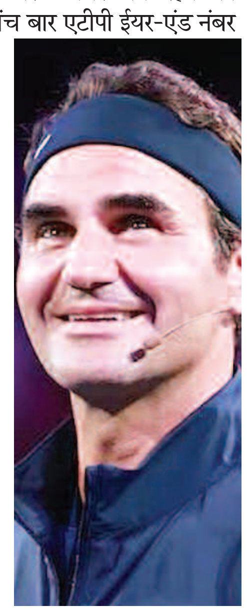

तिलक वर्मा ने अपने पैर पर मारी कुल्हाड़ी

कप्तानी मिलने के बाद भी किया निराश; अब वनडे टीम में वापसी मुश्किल!

नई दिल्ली, एजेंसी। बाएं हाथ के भारतीय बल्लेबाज तिलक वर्मा को हाल ही में इंडिया ए टीम का कप्तान बनाया गया था। इस टीम ने साउथ अफ्रीका ए के खिलाफ तीन अनौपचारिक वनडे मैचों की सीरीज भी मेहमान टीम को हराकर 2-1 से जीती। लेकिन कप्तान तिलक वर्मा का बतौर बल्लेबाज प्रदर्शन बेहद निराशाजनक था। साउथ अफ्रीका के खिलाफ वनडे इंटरनेशनल सीरीज से पहले उनके पास बेहतरीन मौका था टीम इंडिया के वनडे स्क्वाड में वापसी करने का। मगर उन्होंने अपने पैर पर खुद कुल्हाड़ी मार ली।

तिलक वर्मा की बात करें तो उन्हें भविष्य में टी20 के अलावा वनडे के भी एक अहम खिलाड़ी के तौर पर देखा जाता है। इसलिए उनको टी20 में बेहतरीन प्रदर्शन के बाद वनडे में प्रमोट करने के लिए इंडिया ए वनडे टीम की कमान सौंपी गई। मगर उन्होंने इस सीरीज में निराश किया और तीन मैचों में एक बार भी 40 रन तक का आंकड़ा नहीं छू पाए। वहीं उनका स्ट्राइक रेट भी इस दौरान सवालों के घेरे में रहा।

साउथ अफ्रीका ए के खिलाफ वनडे सीरीज में तिलक का प्रदर्शन

- **पहला वनडे:** 39 रन (58 गेंद), स्ट्राइक रेट- 67
- **दूसरा वनडे:** 29 रन (62 गेंद)*, स्ट्राइक रेट- 46
- **तीसरा वनडे:** 11 रन (23 गेंद), स्ट्राइक रेट- 47

ऊपर दिए गए आंकड़े इस बात के गवाह हैं कि तिलक वर्मा ने बुरी तरह साउथ अफ्रीका ए के खिलाफ एक सुनहरा मौका गंवा दिया। इन दिनों टी20 टीम में उनकी जगह पक्की है। लेकिन उनकी जो प्रतिभा है वो उन्हें तीनों फॉर्मेट के प्लेयर के तौर पर दिखाती है। मगर उनका प्रदर्शन लिस्ट ए और फर्स्ट क्लास में कैसा है इस पर ही आगे उन्हें टीम इंडिया की अन्य दो फॉर्मेट की टीम में जगह मिल सकती है।

अभिषेक-तिलक ने मिलकर भी वनडे सीरीज में नहीं बनाए ऋतुराज जितने रन, नितीश रेड्डी भी बुरी तरह फ्लॉप

तिलक वर्मा ने 2023 में किया था वनडे डेब्यू

तिलक वर्मा ने सितंबर 2023 में यानी वनडे वर्ल्ड कप 2023 से पहले डेब्यू किया था। आखिरी बार वह दिसंबर 2023 में साउथ अफ्रीका के खिलाफ वनडे मैच खेले थे। वह लगभग दो साल से भारत की वनडे टीम से बाहर हैं। उनके नाम चार वनडे मैचों में सिर्फ 68 रन दर्ज हैं और 52 उनका सर्वोच्च स्कोर है। यही मौका था वह सभी को प्रभावित करके टीम इंडिया में वापसी कर सकते थे। यह मौका तब और ज्यादा सुनहरा था जब टीम के उपकप्तान श्रेयस अय्यर चोटिल हैं और कप्तान शुभमन गिल के खेलने पर सस्पेंस है।

ऑस्ट्रेलियन ओपन बेडमिंटन

आयुष शेट्टी और लक्ष्य सेन का दमदार प्रदर्शन, क्वार्टरफाइनल में पहुंचे और प्रणय बाहर

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के युवा शटलर आयुष शेट्टी और विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता लक्ष्य सेन ने विपरीत अंदाज में जीत दर्ज कर क्वार्टरफाइनल

में जगह बना ली है। अब दोनों भारतीय खिलाड़ी एक-दूसरे के खिलाफ अंतिम-8 में भिड़ेंगे। ऑस्ट्रेलियन ओपन में भारत के युवा शटलर आयुष शेट्टी और विश्व चैंपियनशिप के कांस्य पदक विजेता लक्ष्य सेन ने विपरीत अंदाज में जीत दर्ज कर क्वार्टरफाइनल में जगह बना ली है। अब दोनों भारतीय खिलाड़ी एक-दूसरे के खिलाफ अंतिम-8 में भिड़ेंगे। वहीं अनुभवी खिलाड़ी एचएस प्रणय और किदांबी श्रीकांत को शुरुआती दौर में ही बाहर होना पड़ा। शीर्ष वरीयता प्राप्त सात्विक साइराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी भी चीनी ताइपै के सू चिंग हेंग और वु गुआन शुन को 21-18, 21-11 से हराकर अंतिम आठ में पहुंच गए। अगले दौर में सात्विक-चिराग का सामना इंडोनेशिया की पांचवीं वरीयता प्राप्त जोड़ी फाजर अलफियन और मुहम्मद शोहिबुल फिक्री से होगा।

एशेज 2025-26: फैंस रोमांचित, पांचों टेस्ट के पहले दिन के टिकट बिके

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच 5 टेस्ट मैचों की रोमांचक एशेज सीरीज का आगाज शुक्रवार से पर्थ में हो रहा है। फैंस सीरीज को लेकर बेहद रोमांचित हैं। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के मुताबिक सभी पांच टेस्ट मैचों के पहले दिन के टिकट बिक गए हैं। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के मुताबिक पर्थ टेस्ट के लिए, दूसरे और तीसरे दिन के टिकट तेजी से बिक रहे हैं, जबकि चौथे दिन के लिए अच्छी अवेलेबिलिटी है। दूसरा टेस्ट 4 दिसंबर से ब्रिसबेन में खेला जाएगा। ब्रिसबेन टेस्ट के पहले तीन दिन के टिकट बिक चुके हैं। चौथे दिन के टिकट तेजी से बिक रहे हैं। तीसरा टेस्ट 17 दिसंबर से एडिलेड में खेला जाएगा। तीसरे टेस्ट के पहले तीन दिन के टिकट भी बिक चुके हैं। चौथा टेस्ट मेलबर्न में 26 दिसंबर से खेला जाएगा। मेलबर्न टेस्ट के पहले दो दिनों के टिकट बिक चुके हैं। तीसरे दिन के लिए बहुत कम टिकट बचे हुए हैं। चौथे दिन के लिए भी टिकट बिक रहे हैं। पांचवां टेस्ट 4 जनवरी 2026 से सिडनी में खेला जाएगा। सिडनी टेस्ट के पहले चार दिनों के टिकट बिक चुके हैं।

वर्ल्ड बॉक्सिंग कपः

भारतीय मुक्केबाजों का शानदार प्रदर्शन, निकहत-जैसमीन समेत चार अन्य खिलाड़ी फाइनल में

ग्रेटर नोएडा, एजेंसी। कंधे की चोट के कारण एक साल बाहर रहने के बाद सितंबर में विश्व चैंपियनशिप के जरिये वापसी करने वाली दो बार की विश्व चैंपियन निकहत ने 51 किलो वर्ग में कड़े सेमीफाइनल मुकाबले में उजबेकिस्तान की जानीवा गुलसेवर को हराया। भारतीय मुक्केबाजों ने शानदार प्रदर्शन जारी रखा जिससे निकहत जरीन और जैसमीन लंबोरिया समेत चार अन्य मुक्केबाज विश्व मुक्केबाजी कप फाइनल्स के फाइनल में पहुंच गईं। जादुमणि सिंह एम (50 किलो), पवन बर्तवाल (55 किलो), सचिन सिवाच (60 किलो) और हितेश गुलिया (70 किलो) भी खिताबी मुकाबले में पहुंच गए। भारत के 15 मुक्केबाज गुरुवार को स्वर्ण पदक का मुकाबला खेलेंगे।

निकहत का अब शुआन से सामना– कंधे की चोट के कारण एक साल बाहर रहने के बाद सितंबर में विश्व चैंपियनशिप के जरिये वापसी करने वाली दो बार की विश्व चैंपियन निकहत ने 51 किलो वर्ग में कड़े सेमीफाइनल मुकाबले में उजबेकिस्तान की जानीवा गुलसेवर को हराया।

सलमान आगा की जाएगी कप्तानी? 12 महीने में ही ऐसा क्या हुआ कि पाकिस्तान के सेलेक्टर ने दिया इस्तीफा

नई दिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तान क्रिकेट में फिर से हलचल तेज हो गई है. कई सारी खबरें और रिपोर्ट सामने आ रही हैं. बेशक वो अभी आधिकारिक नहीं हों मगर बिना आग के तो धुआं उठता नहीं है. पाकिस्तान क्रिकेट टीम से जुड़ी पहली रिपोर्ट उसके टी20 कप्तान यानी सलमान आगा से उनकी कप्तानी के छिने जाने को लेकर है. वहीं दूसरी खबर टीम के सेलेक्टर और यूथ डेवलपमेंट के हेड अजहर अली के इस्तीफे से जुड़ी है. पीसीबी की ओर से इन दोनों खबरों पर फिलहाल कुछ नहीं कहा गया है. मगर मीडिया रिपोर्ट्स में इसके पीछे की वजह का खुलासा भी साफ तौर पर किया गया है.

सलमान आगा से छीनी जा सकती है कप्तानी – पाकिस्तान की लोकल मीडिया में चर्चा गर्म है कि पीसीबी सलमान आगा से टी20 टीम की कप्तानी छिन सकती है. आगा से कप्तानी के छिने जाने की वजह उनका खराब फॉर्म है.

रुपाली सूरी ने अपने नए फोटोशूट से स्क्रीन पर मचाई आग

रुपाली सूरी ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि वह इंडस्ट्री के सबसे आकर्षक चेहरों में क्यों गिनी जाती हैं। उनका नया फ़ोटोशूट इंटरनेट पर तहलका मचा रहा है – सिर्फ इसलिए नहीं कि वह ग्लैमरस दिख रही हैं, बल्कि इसलिए भी क्योंकि वह हर फ्रेम में एक ऐसी ऊर्जा, आत्मविश्वास और आभा लेकर आती हैं जो बिल्कुल बिजली-सी महसूस होती है। जैसे ही तस्वीरें सामने आईं, फैन्स ठहरकर देखने पर मजबूर हो गए। इन फ्रेम्स में रुपाली का जादू कुछ और ही है – जिस तरह वह खुद को कैरी करती हैं, उनकी आँखों की सूक्ष्म गहराई, और हर पोज़ में उनकी सहज एलीगेंस। यह सिर्फ एक फ़ोटोशूट नहीं है; यह एक ऐसी महिला को देखने का अनुभव है जो अपनी शक्ति को पूरी तरह जीती है। जो बात सबसे ज्यादा उभरकर सामने आती है, वह है हर शॉट में उनकी भावनात्मक गहराई। ग्लैमर के पीछे एक कहानी है – आत्मविश्वास की, अनुशासन की, और उस शांत ताकत की जो एक ऐसी महिला में होती है जो खुद को पूरी तरह जानती है। हर लुक उनकी यात्रा का एक हिस्सा बयान करता है – वह दृढ़ता जो उन्होंने बनाई है, वह गरिमा जो वह साथ लेकर चलती हैं, और वह जुनून जो उन्हें आगे बढ़ाता रहता है। रुपाली का यह नया फ़ोटोशूट सिर्फ उनकी खूबसूरती को उजागर नहीं करता; यह उनकी आत्मा को भी चमकाता है। यह याद दिलाता है कि वह सिर्फ एक ग्लैमरस चेहरा नहीं हैं, बल्कि एक ऐसी शख्सियत हैं जिनमें गहराई, हिम्मत और एक ऐसा करिश्मा है जो तस्वीर खत्म होने के बाद भी दिल पर छाप छोड़ जाता है। एक ऐसी दुनिया में जहाँ तस्वीरें पल भर के लिए आती और चली जाती हैं, रुपाली सूरी ने कुछ ऐसे पल बनाए हैं जो अविस्मरणीय लगते हैं – ऐसे पल जो उनके भीतर की आग को महसूस करा देते हैं।

सलमान पर हमला करवाने वाला अनमोल NIA की गिरफ्त में

गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के भाई अनमोल को एनआईए ने गिरफ्तार कर लिया है। वह कई आपराधिक मामलों में वॉन्टेड है। अप्रैल 2024 में सलमान खान के घर के बाहर हुई गोलीबारी की घटना में भी उसका हाथ था। गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के भाई और उसके करीबी अनमोल बिश्नोई को अमेरिका से लौटने के बाद राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने गिरफ्तार कर लिया। अनमोल को अमेरिका ने मंगलवार को भारत डिपोर्ट कर दिया था। अनमोल बाबा सिद्दीकी की हत्या के मामले में आरोपी है। सलमान खान के घर हुई फायरिंग और सिद्धू मूसेवाला मर्डर केस से भी उसका कनेक्शन है। अनमोल बिश्नोई को दिल्ली पहुंचते ही एनआईए ने पकड़ लिया।

माधुरी दीक्षित ने की क्रिप्टिक पोस्ट, फैंस हुए हैरान

धक-धक गर्ल ने लिखा- मार डाला

बुधवार को माधुरी दीक्षित ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक क्रिप्टिक पोस्ट साझा की। इस पोस्ट में उनके हिट गानों को अलग अलग अंदाज में लिखा गया था। इस पोस्ट को देखकर माधुरी के फैंस भी हैरान हैं। तमाम तरह की अटकलें इस पोस्ट को लेकर लगाई जा रही हैं। माधुरी दीक्षित की कई फिल्मों में ऐसे हिट गानों पर डांस किया, जो आज भी दर्शकों को याद हैं। गाने का नाम लेते हैं, लोगों को माधुरी का डांस याद आ जाता है। बुधवार को अपनी इंस्टाग्राम पोस्ट में भी माधुरी दीक्षित ने अपने कुछ हिट गानों का जिक्र किया। लेकिन यह जिक्र क्रिप्टिक अंदाज में किया गया था। फैंस ने इस पोस्ट पर अलग-अलग तरह के रिएक्शन दिए हैं।

माधुरी ने क्यों लिखा- 'मार डाला'

अपनी पोस्ट में माधुरी ने कई गानों का जिक्र किया, जिसमें 'एक दो तीन' से शुरुआत की। आगे पोस्ट में 'भोली सी सूरत' गाना लिखा है और उसमें भोली शब्द को कटा हुआ। इसी तरह आगे एक जगह पर 'मार डाला मारा डाला' लिखा है और इसके साथ एक खून से सना हुआ चाकू बना है। पहले तो फैंस को समझ नहीं आया कि यह माजरा क्या है। लेकिन कुछ फैंस को लगा कि माधुरी अपनी किसी फिल्म का अपडेट दे रही हैं।

प्राइवेट एयरपोर्ट से निकलते हुए शाहरुख खान ने छिपाया चेहरा

बॉलीवुड एक्टर शाहरुख खान को भी मंगलवार को कलिना एयरपोर्ट से निकलते हुए स्पॉट किया गया है। इस दौरान एक्टर की टीम ने हर बार की तरह उनका चेहरा छाते की आड़ में छिपाकर रखा था। सोहेल खान भी प्राइवेट एयरपोर्ट से निकलते नजर आए हैं। उन्होंने नीली टी-शर्ट के साथ जींस पेयर किया था। सलमान खान को मंगलवार रात को मुंबई के प्राइवेट कलिना एयरपोर्ट से निकलते हुए स्पॉट किया गया है। टाइट सिक्योरिटी के साथ एयरपोर्ट से रवाना हुए सलमान खान बीते कुछ दिनों से दोहा में हो रहे दबंग टूर में व्यस्त चल रहे थे। एयरपोर्ट में सलमान खान ने ब्राउन टी-शर्ट के साथ जींस पेयर किया था। टाइट सिक्योरिटी के बीच सलमान ने फैंस और पैपराजी के लिए वेव किया है। उनका बॉडीगार्ड शेरा भी साथ मौजूद था।

अदाकारी के बाद अब ...

निर्माता की कुर्सी संभालेंगे पंकज त्रिपाठी

अभिनेता पंकज त्रिपाठी की अदाकारी से दर्शक वाकिफ हैं। कई फिल्मों और सीरीज में उन्होंने दमदार किरदार अदा किए हैं। अब वे बतौर निर्माता डेब्यू कर रहे हैं। राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता एक्टर पंकज त्रिपाठी अब अभिनेता से निर्माता बनने की तरफ बढ़ चले हैं। वेब सीरीज के जरिए वे बतौर प्रोड्यूसर डेब्यू कर रहे हैं। उनकी पहली सीरीज का नाम है, 'परफेक्ट फैमिली'। यह आठ एपिसोड की ड्रामा सीरीज है।

यूट्यूब पर देख सकेंगे सीरीज

पकंज त्रिपाठी की डेब्यू सीरीज सीधे यूट्यूब पर रिलीज होगी। इस प्लेटफॉर्म पर सीरीज को पेड मॉडल के तहत रिलीज किया जा रहा है। न्यूज एजेंसी पीटीआई के मुताबिक, 'एक प्रेस रिलीज में कहा गया कि जेएआर पिक्चर्स के अजय राय और मोहित छाबड़ा द्वारा निर्मित तथा पलक भांबरी द्वारा क्रिएट इस सीरीज का प्रीमियर 27 नवंबर को जेएआर सीरीज यूट्यूब चैनल पर होगा'।

धनुष के साथ फिर से और भी फिल्मों में काम करना चाहती हैं कृति सेनन, बोली-

मैं उनकी बड़ी प्रशंसक

बॉलीवुड की चर्चित अभिनेत्री कृति सेनन और साउथ सिनेमा के सुपरस्टार धनुष की जोड़ी जल्द ही बड़े पर्दे पर धमाल मचाने वाली है। फैंस उनकी फिल्म 'तेरे इश्क में' का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। दर्शक इस जोड़ी को पर्दे पर देखने के लिए बेताब हैं। फिल्म को आनंद एल राय ने निर्देशित किया है और हिमांशु शर्मा और नीरज यादव ने इसकी कहानी को लिखा है। ए.आर. रहमान का संगीत और इरशाद कामिल के गाने इस फिल्म को और भी खास बना रहे हैं। एक इंटरव्यू में कृति सेनन ने इस फिल्म का अनुभव साझा किया। उन्होंने बताया कि धनुष के साथ काम करना उनके लिए रोमांचक भरा अनुभव रहा। उन्होंने कहा, ''मैं हमेशा से धनुष के अभिनय और उनके काम की बड़ी प्रशंसक रही हूं। वह अभिनय के हर पहलू को गहराई से समझने वाले कलाकार हैं। उनका अभिनय और निर्देशन का अनुभव सीन को पर्दे पर सही तरीके से पेश करने में बहुत मदद करता है। कृति ने कहा, ''धनुष अपने किरदार में कई अलग-अलग भाव और पहलुओं को बहुत खूबसूरती से सामने लाते हैं। मुझ पर उनके साथ काम करने का बेहद उत्साह था, क्योंकि मुझे पता था कि धनुष के साथ काम करते हुए मैं अपनी कला और बेहतर तरीके से दिखा सकूंगी। हमने सेट पर एक-दूसरे को पहली बार देखा, लेकिन इसका असर अभिनय पर बिल्कुल नहीं पड़ा। कृति ने बताया कि फिल्म में कुछ ऐसे सीन्स हैं जो काफी गहराई वाले हैं, और ऐसे सीन तभी प्रभावशाली बनते हैं जब दोनों कलाकार एक-दूसरे से प्रेरणा लें और अपने अभिनय में उसे महसूस कर सकें। कृति ने कहा, 'जब कोई सीन अच्छा निकलता, तो हम दोनों एक-दूसरे की ओर देखकर कहते, 'यह सीन बहुत अच्छा हुआ।' मुझे उम्मीद है कि भविष्य में मुझे धनुष के साथ और भी फिल्मों में काम करने का मौका मिलेगा।' फिल्म 'तेरे इश्क में' 28 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। इसे हिंदी, तमिल और तेलुगु भाषाओं में रिलीज किया जाएगा।

'संजय दत्त पिछले जन्म में थे अशोक वंश के राजा

एक्टर संजय दत्त ने एक इंटरव्यू में अपने पिछले जन्म के बारे में बताया था कि वह क्या थे। उनके मुताबिक, एक पुजारी ने दावा किया था कि उन्होंने अपनी पत्नी की हत्या कर दी थी और खुद भी भूखे मर गए थे।

संजय दत्त ने पिछले जन्म की बातें बताई थीं

बॉलीवुड एक्टर संजय दत्त जल्द ही फिल्म 'धुरंधर' में एसपी के रोल में नजर आएंगे। 5 दिसंबर को रिलीज हो रही मूवी में वह पुलिस फोर्स को लीड करते दिखेंगे। मगर उसके पहले इनके पिछले जन्म के बारे में कुछ जानकारी सामने आई है। जो खुद एक्टर ने बताई है। लंबे समय से इंडस्ट्री में एक्टिव अभिनेता ने एक बार इस अजीब घटना के बारे में बताया था कि कैसे एक पुजारी ने उन्हें उनके पिछले जन्म के बारे में कई चौंकाने वाले दावे किए थे।

संजय दत्त ने बताया था कि वह पिछले जन्म में एक राजा थे। 2005 के एक एपिसोड में इस अनुभव का जिक्र करते हुए कहा था कि चेन्नई के

पास शिवनेरी नाम की एक जगह है। कर्नाटक के गंगावती कस्बे के एक दोस्त ने उन्हें इस गांव जाने का सुझाव दिया था। एक्टर ने याद करते हुए बताया था, 'ये एक छोटा-सा गांन है। और वहां आप अपने अंगूठे के निशान देते हैं।

संजय दत्त को पिछले जन्म के कर्म से मिले दुख

संजय के मुताबिक, 'उन्होंने मेरा पता खोज लिया और कहा कि आपके पिता का नाम बलराज दत्त है तो मैंने कहा नहीं, वह तो सुनील दत्त हैं। फिर उन पंडित ने कहा कि मां का नाम फातिमा हुसैन होना चाहिए और ये कौन ही जानता है।' एक्टर ने बताया कि पुजारी ने उनके पिछले जन्म के बारे में भी काफी कुछ दावा किया था।

संजय पिछले जन्म में कौन थे?

एक्टर ने आगे बताया कि पुजारी ने उनसे कहा था, 'मैं अशोक वंश का राजा था। मेरी पत्नी का मेरे मंत्री के साथ संबंध था और उसने मुझे युद्ध में मरने के लिए भेज दिया था। लेकिन मैंने बहुत से लोगों को मारा और जब मैं वापस आया तो मुझे पता चला उसके बारे में और मैंने उसे मार डाला। और मंत्री को भी मार दिया।

कार्तिक आर्यन की सबसे साहसी छलांग 'धमाका'' को हुए 4 साल

रिलीज़ के चार साल बाद भी 'धमाका' कार्तिक आर्यन की आर्ट जर्नी का एक अहम मोड़ बनकर खड़ा है। राम माधवानी द्वारा निर्देशित इस फिल्म ने कार्तिक की परिचित अर्बन-चार्म वाली इमेज से हटकर उन्हें एक गहरे, नैतिक रूप से उलझे हुए एक ऐसे न्यूज़ रूम एंकर अर्जुन पाठक के रूप में उतारा था, जो दबाव, डर और निजी टूटन के बीच फंसा हुआ है। इस किरदार में कार्तिक ने अपने स्थापित स्टार-प्रतिमान से बाहर निकलकर एक नए, गहरे और संवेदनशील अभिनय क्षेत्र में कदम रखा था। हालांकि 'धमाका' को और भी खास बनाता है उस वक्त का दौर, जब पूरी इंडस्ट्री महामारी के कारण ठहर-सी गई थी। उसी दौरान कार्तिक आर्यन की यह फिल्म कोविड काल में शूट और रिलीज़ होने वाली शुरुआती फिल्मों में से एक बनी और दर्शकों की पहली पसंद बन गई। गौरतलब है कि कोविड की पहली लहर के दौरान, पूरी टीम ने सख्ती के बावजूद मात्र 10 दिनों में फिल्म की शूटिंग पूरी की थी, जो उस समय लगभग असंभव बात थी। वैसे रिपोर्ट्स के अनुसार, इस फिल्म में अपनी भूमिका के लिए कार्तिक आर्यन को ?20 करोड़ की फीस दी गई थी।

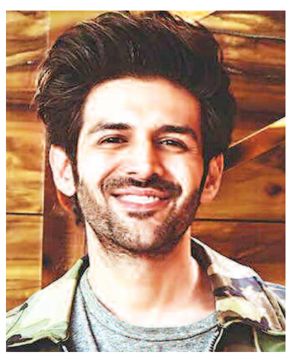

धनुष के मैनेजर पर लगे कास्टिंग काउच के आरोपों पर अभिनेत्री ने दी सफाई

साउथ इंडस्ट्री में इन दिनों कास्टिंग काउच का मुद्दा एक बार फिर सुर्खियों में आ गया है। अभिनेता धनुष के मैनेजर पर लगे आरोपों के बाद अब मान्या आनंद ने खुद सामने आकर सच बताया है। तमिल फिल्म इंडस्ट्री इन दिनों एक बड़े विवाद में उलझ गई है, जहां सुपरस्टार धनुष के मैनेजर बताए जाने वाले शख्स श्रेयस पर कास्टिंग काउच के गंभीर आरोपों ने हलचल मचा दी है। यह मुद्दा तब और गरमाया जब आरोप लगाने वाली अभिनेत्री ने सोशल मीडिया पर नया बयान जारी कर अपनी सफाई दी और कई अफवाहों को गलत ठहराया।

क्या है पूरा मामला?

विवाद की शुरुआत तब हुई थी जब एक्ट्रेस ने दावा किया कि उन्हें एक व्यक्ति ने कॉल कर खुद को धनुष की टीम का हिस्सा बताया और उन्हें नए प्रोजेक्ट का ऑफर दिया। आरोप यह था कि काम दिलाने के बहाने उस व्यक्ति ने अभिनेत्री पर दबाव डालने की कोशिश की और एडजस्ट करने जैसी गलत बात कही। इससे अभिनेत्री मानसिक तनाव में आ गईं, जिसके बाद उन्होंने यह मामला सोशल प्लेटफॉर्म पर उठाया। इस आरोप ने खूब सुर्खियां बटोरीं और सोशल मीडिया पर यह बात फैल गई कि धनुष के मैनेजर श्रेयस पर सीधे तौर पर उंगली उठाई गई है।

अफवाहों को बताया गलत

हालांकि अब अभिनेत्री ने खुद सामने आकर कई अफवाहों का खंडन किया है। उन्होंने बताया कि उनका बयान गलत तरीके से पेश किया गया और कई चैनलों ने इसे धनुष पर आरोप' जैसा बनाकर प्रसारित किया, जबकि उन्होंने कभी भी ऐसा दावा नहीं किया था। एक्ट्रेस के अनुसार, जिसने उन्हें कॉल किया था वह सिर्फ यह कह रहा था कि वह 'धनुष की ओर से बात कर रहा है ', लेकिन उसने यह बिल्कुल नहीं कहा कि वह वास्तव में धनुष की आधिकारिक टीम का हिस्सा है। अभिनेत्री ने यह भी बताया कि ऐसे लोग फिल्म इंडस्ट्री में अक्सर फर्जी पहचान बनाकर कलाकारों को निशाना बनाते हैं।

क्या लगाया था आरोप?

एक्ट्रेस ने आगे कहा कि कॉल करने वाले ने खुद को 'श्रेयस' बताया था और फिल्मों में रोल दिलाने की बात कही थी। लेकिन वे स्पष्ट रूप से कहती हैं कि यह संभव है कि वह व्यक्ति सिर्फ नकली नाम और झूठी पहचान का इस्तेमाल कर रहा हो। उन्होंने लोगों और मीडिया से अपील की कि उनके बयान को तोड़-मरोड़कर पेश न किया जाए, क्योंकि इससे बेवजह गलतफहमियां फैलती हैं और निर्दोष लोगों की छवि खराब होती है।